हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 30 नवंबर 2025

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रेलवे एप डाउन, नहीं हुई टिकट की बुकिंग

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी की वेबसाइट व एप पिछले 96 घंटों यानी करीब चार दिनों से बंद पड़ी हुई है। सुबह से शाम तक हर कोशिश नाकाम साबित हो रही है। यूजर्स को बार-बार वही पुराना एरर मैसेज दिख रहा है। डाउनडिटेक्टर जैसी साइट्स पर चेक करने पर साफ दिख रहा है कि सर्वर का रिस्पॉन्स टाइम जीरो है मतलब कि सर्वर जवाब ही नहीं दे रहा।

62 के पीएम ने 46 साल की हेडन से की शादी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने अपने आवास पर करीबी लोगों की मौजूदगी में जोडी हेडन से विवाह किया। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार के 124 साल के इतिहास में वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान विवाह किया है। 62 वर्षीय अल्बनीज और 46 वर्षीय हेडन ने कहा, हम अपने विवाह से खुश हैं।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद की बैठक में मौलाना महमूद मदनी ने उगला जहर

कहा-जुल्म होगा तो जिहाद होगा अदालतें हुकूमतों के दबाव में हैं

आरोप-सुप्रीम कोर्ट 'सुप्रीम' कहलाने लायक नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

यहां जमीयत उलेमा-ए-हिंद की नेशनल गवर्निंग बॉडी मीटिंग में मौलाना महमूद मदनी ने कहा विवादित बयान दिए। उन्होंने सीधे कहा कि जब जुल्म होगा तो जिहाद होगा। देश की अदालतें हुकूमतों के दबाव में फैसला दे रही हैं। बीते कुछ अरसे से खासकर बाबरी मस्जिद, तीन तलाक और कई अन्य मामलों में फैसलों के बाद ऐसा ही लगता है। उन्होंने आरोप लगया कि सुप्रीम कोर्ट आज सुप्रीम कहलाने लायक नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने जिहाद जैसी इस्लाम की पवित्र अवधारणा को दुर्व्यवहार, अव्यवस्था और हिंसा से जुड़े शब्दों में बदल दिया है। लव जिहाद, भूमि जिहाद, शिक्षा जिहाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके मुसलमानों को गहरी ठेस पहुंचाई गई है। इयह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार और मीडिया में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग भी ऐसे का इस्तेमाल करने में कोई शर्म महसूस नहीं करते है।

लव जिहाद जैसे शब्दों पर जताई आपत्ति

एक विशेष समुदाय को जबरन निशाना बनाया जा रहा

बैठक में बोलते हुए मदनी

एसआईआर पर नजर रखें

उन्होंने कहा कि एसआईआर भी किया जा रहा है, और यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। अगर हम इस पर कड़ी नजर रखें, तो हम निराशा से बच सकते हैं, क्योंकि निराशा किसी भी समुदाय के लिए जहर है और अगर कोई समुदाय जीवित है, तो इससे बचने की और भी ज्यादा जरूरत है।

मुसलमानों के अनुकूल सिर्फ 10% लोग

मदनी ने कहा कि इस देश में मुसलमानों के अनुकूल लगभग 10 फीसदी लोग हैं, जो अलग-अलग वजहों से हमारे पक्ष में हैं। इसी तरह लगभग 30 फीसदी लोग समुदाय के विरोध में हैं, जबकि एक अनुमान के अनुसार 60 फीसदी लोग ऐसे हैं जो न हमारे अनुकूल हैं और न ही विरोध में। यह जो खामोश बहुमत है, उसे फिरका-परस्त लोग अपनी ओर झुकाने की कोशिश कर रहे हैं।

महमूद मदनी पर भाजपा का पलटवार

पात्रा बोले- बयान भड़काऊ ही नहीं, समाज को भी बांटने वाला

- सुप्रीम कोर्ट इस पर ले स्वत: संज्ञान
- भारत में जिहाद को सही ठहराना अस्वीकार्य

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मदनी के बयान को उकसाने वाला, विभाजनकारी और बेहद गलत बताया है। पात्रा ने कहा कि उनकी तरफ से भोपाल में दिया गया बयान भड़काऊ और देश को बांटने वाला है। जिहाद के नाम पर जिस प्रकार से लोगों ने भारत में ही नहीं, बल्कि भारत के बाहर भी आतंक फैलाया है, वह हमने देखा है। उन्होंने आगे कहा कि मौलाना मदनी ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कहलाने का कोई अधिकार नहीं है। मौलाना मदनी के इस बयान को सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान में लेकर इसकी सुनवाई करनी चाहिए। पात्रा ने कहा कि मौलाना मदनी ने अपने भाषण में जिहाद शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि जहां भी अत्याचार हो, वहां जिहाद होना चाहिए। उन्होंने इस पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि ऐसे शब्द देश को बांटने का काम करते हैं। जिहाद के नाम पर दुनिया के कई हिस्सों में आतंकवाद फैला है। भारत में इसे सही ठहराना अस्वीकार्य है।

उधर, संघ प्रमुख डॉ. भागवत नागपुर में बोले

भाईचारा ही हमारी परंपरा, झगड़ा करना हमारे स्वभाव में ही नहीं

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि झगड़ा या विवाद करना हमारे देश का स्वभाव नहीं है और भाईचारा और सामूहिक सद्भाव हमेशा से भारत की परंपरा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का विचार बुनियादी तौर पर पश्चिमी विचार से

अलग है। हमारी किसी के साथ बहस नहीं होती। हम विवादों से दूर रहते हैं। झगड़ा करना हमारे देश का स्वभाव ही नहीं है। मिल-जुलकर रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना ही हमारी परंपरा रहा है। दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षों से भरे हालात में बने।

सांवरा खेड़ी में होगा आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पत्नी के साथ हवन पूजन करते हुए

आज सीएम के बेटे की शादी

सामूहिक विवाह समारोह में, 22 जोड़ों संग लेंगे फेरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव की शादी की रस्में चल रही हैं। शादी समारोह में मेहंदी, माता पूजन और मंडप के आयोजन हो चुके हैं। मुख्यमंत्री के बेटे होने के बाद भी डॉ. अभिमन्यु की शादी बिलकुल अलग अंदाज में शोर-शराबे से दूर हो रही है।

डॉ. अभिमन्यु यादव भी शादी समारोह में सादगी भरे अंदाज में लाल लिबास में नजर आए। आंखों पर काला चश्मा, कानों में टॉप्स और माथे पर जगमगाता तिलक लगाए नजर आए। डॉ. अभिमन्यु यादव ने गजरानुमा माला भी पहन रखी थी। डॉ. अभिमन्यु-इशिता की शादी में अब तक गणेश पूजन, हल्दी, मेहंदी, माता पूजन जैसे आयोजन हो चुके हैं। शनिवार शाम को अथर्व होटल में महिला संगीत हुआ। इसके बाद डॉ. अभिमन्यु यादव खरगोन की डॉ. इशिता के संग सामूहिक विवाह समारोह में विवाह बंधन में बंधेंगे। इसके बाद 30 नवंबर की शाम को अथर्व होटल में रिसेप्शन होगा। विवाह सम्मलेन में खास लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसमें राज्यपाल मंगु भाई पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, गौतम टेटवाल समेत दोनों परिवारों के करीबी रिश्तेदार, मंत्री, अफसर और पार्टी के प्रमुख नेता शामिल हो सकते हैं। विवाह सामूहिक विवाह समारोह में होगा। यह आयोजन सांवराखेड़ी में होगा।

शनिवार शाम को हुआ महिला संगीत

मंडप की रस्म पूरी की गई

यह फोटो हो रहे वायरल

शादी समारोह के माता पूजन, मंडप, मेहंदी और डांस के फोटो वायरल हुए। जिसमे सीएम सहित पूरा परिवार नजर आ रहा है। शादी की रस्मों में सीएम सपत्नीक पूजन करते नजर आ रहे है तो वहीं दूल्हा बने डॉ. अभिमन्यु और डॉ. इशिता की मेहंदी की रस्म के फोटो भी सामने आए है। जिसमें सीएम का परिवार पूजन के बाद एक साथ शादी का जश्न मनाता दिखाई दे रहा है।

सिंधी कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचकर डॉ. हिमांशु को बंधाया ढांढस

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने पं. कीर्ति नारायण द्विवेदी के दुखद निधन पर शोक संवेदना जताई

पटेल ने डॉ. हिमांशु को स्व-लिखित पुस्तक 'परिक्रमा' की एक प्रति भी भेंट की

ग्वालियर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल शनिवार को आईएनएच-हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के ग्वालियर स्थित 3 सिंधी कॉलोनी निवास पर पहुंचे और उनके पूज्य पिताजी पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के दुखद निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

छह जिलों में पारा 9 डिग्री के नीचे

भोपाल में 8 दिन बाद फिर शीतलहर का दौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में शनिवार से सर्दी ने तेजी पकड़ ली है। शनिवार को भोपाल में 8 दिन बाद फिर से शीतलहर का असर रहा, जबकि छह जिलों में रात का पारा 9 डिग्री से कम रहा है। इन जिलों में तेज सर्दी का अहसास रहा। मौसम केंद्र के अनुसार अगले कुछ जिलों में सर्दी में और तेजी आएगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब प्रदेश में हवाएं बदलने लगी हैं। उत्तरी हवाओं के असर से भोपाल सहित कई जिलों में तेज सर्दी शुरू हो रही है। भोपाल में शनिवार को कोल्ड वेव का असर रहा, जबकि कुछ जिलों में रविवार को शीतलहर का असर रहने की उम्मीद है।

शाहपुरा झील का दृश्य, समय : दोपहर 1.10 बजे

शिव मंदिर में तोड़फोड़ के बाद तनाव भारी पुलिस तैनात

बुरहानपुर। जिले के बिरोदा गांव में एक बार फिर तनाव की स्थिति है। गांव में बने शिव मंदिर में बीती रात असामाजिक तत्वों के द्वारा तोड़फोड़ किए जाने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। वहीं घटना का पता चलने के बाद भारी संख्या में पुलिस फोर्स गांव में तैनात किया गया है जिससे की सांप्रदायिक घटना न हो। ग्रामीणों का कहना है कि बीते एक साल में ये तीसरी बार है जब गांव में धार्मिक और सांप्रदायिक विवाद की स्थिति बनी है। बिरोदा गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया जब गांव की महिलाएं पूजा करने के लिए पहुंची, तब तोड़फोड़ का पता चला।

सेहत के लिए दी नसीहत

सीजेआई ने जजों के काम को बताया बेहद तनावपूर्ण, मनोरंजक कार्यक्रमों में शामिल हों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि जजों को मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए ताकि वे खुद को रिचार्ज कर सकें। सीजेआई ने कहा कि जजों के काम के घंटे लंबे होते हैं और उनका काम बेहद तनावपूर्ण होता है। उनके काम की प्रकृति को देखते हुए उन्हें मनोरंजक गतिविधियां करनी चाहिए। मनोरंजक गतिविधियों में वे गतिविधियां शामिल की जाती हैं, जिन्हें लोग अपने शरीर और दिमाग को तरोताजा करने के लिए करते हैं। इनमें खेलकूद, योग-ध्यान, तैराकी या पैदल चलना आदि कुछ भी हो सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत

सीजेआई ने ऑल इंडिया जज बैडमिंटन स्पर्धा के उद्घाटन में यह बात कही

त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई दो दिन की यह चैंपियनशिप

केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल और केंद्रीय मंत्री रिजिजू भी कार्यक्रम में मौजूद रहे

मनोरंजक गतिविधियों को आदत में शुमार करें

सीजेआई ने ऑल इंडिया जज बैडमिंटन चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जजों को अपनी उम्र के हिसाब से किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल होना चाहिए। सीजेआई ने कहा 'जजों के काम के घंटे ज्यादा हैं और उनका काम की प्रकृति भी तनावपूर्ण है। उन्हें कई घटों तक बैठकर काम करना होता है। ऐसे में सभी जजों को मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए और इसे अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। जजों को रिचार्ज करने के लिए ये जरूरी है।

उच्च न्यायालयों के जज सेहत पर ध्यान दे रहे

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि उच्च न्यायालयों के जज बड़ी संख्या में इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं, इससे पता चलता है कि वे अपनी सेहत को लेकर जागरूक हैं। इस दौरान केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। यह दो दिवसीय खेल आयोजन दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जा रहा है। समापन समारोह और इनाम वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सीजेआई जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी अबंतिका डेका द्वारा किया जा रहा है।

आज होगा समापन और पुरस्कार वितरण

दो दिन की यह चैंपियनशिप यहां त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई है। समापन और पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता रविवार को पूर्व प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ करेंगे।

खुद को रखें तरोताजा

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायाधीशों का काम घंटों लंबा होने के साथ-साथ अत्यंत तनावपूर्ण होता है, जिसके लिए उन्हें अवकाश के दौरान स्वयं को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि न्यायधीशों को अपनी उम्र के हिसाब से मनोरंजन गतिविधियों में हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों के काम के घंटे लंबे होते हैं और उनके काम का स्वरूप बहुत तनावपूर्ण होता है। सभी न्यायाधीशों को किसी मनोरंजक गतिविधि में हिस्सा लेना चाहिए और इसे अपनी आदत बना लेनी चाहिए। उन्हें खुद को तरोताजा करने के लिए मनोरंजन की जरूरत होती है।

खबर संक्षेप

सपा मुखिया अखिलेश ने भरा 'सर' फार्म

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी 'सर' फार्म भर दिया है। बताया गया कि उन्होंने 27 नवंबर को फार्म भरा है। शनिवार को भी प्रेस वार्ता करके उन्होंने प्रदेश में हो रही बीएलओ की मौतों पर भाजपा को निशाने पर लिया। अखिलेश ने इस दौरान सरकार को निशाने पर लिया और कहा कि एसआईआर, भाजपा और आयोग की मिलीभगत की साजिश है।

रक्षित ने लौटाया सगाई का 21 लाख का चेक

वाजिदपुर। यहां स्थित द ग्रांड पैलेस रिसोर्ट में हुई रक्षित राणा और दिव्या की सगाई में एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। रक्षित ने 21 लाख का चेक ससम्मान लौटाकर संदेश दिया कि दहेज अभिशाप है और इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। दहेज एक सामाजिक अभिशाप है। किसी भी राशि को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आप को फिर झटका, पूर्व विधायक भाजपा में गए

नई दिल्ली। दिल्ली में कल 12 वार्डों के लिए होने वाले एमसीडी उपचुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को एक तगड़ा झटका लगा है। 'आप' के एक पूर्व विधायक राजेश गुप्ता ने पार्टी का साथ छोड़कर आज भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी और देश में से किसी एक को चुनना था, तो मैंने देश को चुन लिया।

तेजस्वी विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष घोषित

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव 18वीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। राजद और महागठबंधन के विधायक दल की बैठक में तेजस्वी के नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगा दी गई। शनिवार को पोलो रोड में हुई बैठक में राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायकों ने एक स्वर से तेजस्वी को नेता माना।

पंचायत चुनाव में 90 साल का बुजुर्ग उम्मीदवार

कोच्चि। यहां के असमन्नूर गांव में पंचायत चुनाव में उम्मीदवारों में 90 वर्षीय बुजुर्ग नारायणन नायर भी शामिल हैं जिनके लिए उम्र महज एक नंबर है। वे जोश एवं दमखम से अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं तथा लोगों से वोट की अपील कर रहे हैं। निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। वे काला बैग लिए वोट मांग रहे हैं।

ब्रेकफास्ट पालिटिक्स के बाद बोले सिद्धारमैया और शिवकुमार

हम दोनों के बीच कोई मतभेद नहीं और न कभी होंगे, आलाकमान की हर बात मानेंगे

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलुरु में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से उनके आवास पर मुलाकात की। कांग्रेस आलाकमान के इशारे पर सिद्धारमैया ने डीके शिवकुमार को ब्रेकफास्ट के लिए बुलाया था। इसके बाद दोनों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि नाश्ता अच्छा था। हमने वहां किसी भी विषय पर बात नहीं की। हमने सिर्फ नाश्ता किया। डीकेएस हमारे घर आए। शिवकुमार ने मुझे अपने घर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे। हमारा एजेंडा 2028 के चुनाव हैं। स्थानीय निकाय चुनाव महत्वपूर्ण हैं। हमने उन पर चर्चा की। हमने 2028 के चुनावों में कांग्रेस को वापस लाने पर भी चर्चा की। हमने चर्चा की कि हम साथ चलेंगे। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे।

भाजपा बोली- तो अपना ब्रेकअप ठीक कर रहे थे

दोनों ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की

सिद्धारमैया बोले- नाश्ता अच्छा था

किसी भी विषय पर बात नहीं की

भाजपा और जेडीएस को झूठे आरोप लगाने की आदत

नाश्ते के बाद सिद्धारमैया और डीके ने की प्रेस कांफ्रेंस

अब कोई भ्रम नहीं रहेगा: सिद्धारमैया

शिवकुमार के साथ नाश्ते पर बैठक के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि हमने फैसला किया है कि हम आलाकमान की हर बात मानेंगे। अबसे कोई भ्रम नहीं रहेगा। अभी भी कोई भ्रम नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्टरों ने भ्रम पैदा किया है।

सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा और जेडीएस को झूठे आरोप लगाने की आदत है। दोनों ने बयान दिया है कि वे अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। उनके पास केवल 60 विधायक हैं और जेडीएस के पास 18 विधायक हैं। वे हमारी संख्या का मुकाबला नहीं कर सकते। हमारे पास 140 विधायक हैं। यह एक निरर्थक कवायद है। हम उनके झूठे आरोपों का सामना करेंगे। जहां तक मुझे पता है, कुछ विधायक मंत्री बनना चाहते हैं, इसलिए वे आलाकमान से मिलने गए होंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि वे नेतृत्व के खिलाफ हैं। उनमें से कुछ ने मुझसे बात की और बताया कि वे दिल्ली क्यों गए थे।

हम सुशासन प्रदान कर रहेः शिवकुमार

शिवकुमार ने कहा कि जहां तक नेतृत्व का सवाल है, यह पार्टी आलाकमान को तय करना है। वे जो भी कहेंगे, हम उसका पालन करेंगे। हम पार्टी के वफादार सिपाही हैं। पार्टी देश में एक कठिन दौर से गुजर रही है, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि हम 2028 में अपनी जीत दोहराएंगे और मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे। हम सुशासन प्रदान कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

हमें जो संदेश देना था दे दिया बोले शिवकुमार

दोनों ने शनिवार को प्रदेश कांग्रेस में दरार के विपक्ष के दावों को खारिज करने की कोशिश की। शिवकुमार ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में किसी भी बगावत की संभावना को खारिज किया। डीके ने कहा कि हमें जो भी संदेश देना था,मैंने कांग्रेस को दे दिया है।

जेडीएस ने भी किया बड़ा हमला

सिद्धारमैया-डीके बाज की तरह नजर रखकर अपना झुंड संभाल रहे

जनता दल (सेक्युलर) ने भी कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार सत्ता मजबूत करने व गुटबाजी संभालने में लगे हैं, जबकि राज्य के असली मुद्दों को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं। सत्ता के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार विरोधी बने सहयोगी विधायकों को खिलाकर-पिलाकर और उन पर बाज की तरह नजर रखकर अपना झुंड

ब्रेकफास्ट मीटिंग पर भाजपा का तंज

ब्रेकअप पर मेकअप हो रहा, एकता का नाटक हो रहा

सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच शनिवार को नाश्ते पर मुलाकात हुई। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे ब्रेकअप पर मेकअप वाली मीटिंग करार दिया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता अपनी आंतरिक कलह को दबाने के लिए एकता का नाटक कर रहे हैं। ये नाश्ते पर बैठक नहीं थी।

राज्य की जनता मेन्यू में थी ही नहीं

पूनावाला ने कहा कि हमने इन दोनों नेताओं के बीच ट्विटर वॉर भी देखी है। दोनों बेस्ट एक्टर और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड डिजर्व करते हैं। एक बात बिल्कुल साफ है उस नाश्ते की टेबल पर कर्नाटक की जनता मेन्यू में थी ही नहीं। सिर्फ और सिर्फ सत्ता की राजनीति थी, जनता की नहीं।

कबीर के बयान से बंगाल में घमासान

भले ही टीएमसी छोड़नी पड़े बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे

मैं किसी से नहीं डरता, 6 दिसंबर को नींव रखूंगा

टीएमसी के विधायक हुमायूं कबीर

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल की भरतपुर विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर ने यह ऐलान करके सियासी भूचाल ला दिया है कि वे 6 दिसंबर को नई बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। उन्होंने टीएमसी से इस्तीफा देने और दिसंबर तक नई सेक्युलर पार्टी बनाने का भी ऐलान कर दिया। कबीर ने कहा कि मैं टीएमसी छोड़ दूंगा, लेकिन मस्जिद बनाऊंगा। मुस्लिम लोगों की मदद से, सरकार से नहीं बल्कि मुस्लिम कम्युनिटी से फाइनेंशियल मदद लेकर मैं बाबरी मस्जिद बनाऊंगा।

एक कट्ठा जमीन पर नींव रखी जाएगी

कबीर ने दावा किया कि 2011 के सेंसस के मुताबिक 33 पर्सेंट मुस्लिम थे। अब बंगाल में 38 पर्सेंट मुस्लिम हैं। 4 साल इंतजार करो और यह 40 पर्सेंट हो जाएगा। किसी भी कीमत पर 6 दिसंबर को मस्जिद की नींव तैयार हो जाएगी। शुरुआत में एक कट्ठा जमीन पर नींव रखी जाएगी।

ममता दुर्गा पूजा कार्निवल कर रहीं तो मस्जित गलत कैसे?

कबीर ने चुनौती भरे लहजे में कहा कि ममता बेनर्जी दीघा में जगन्नाथ मंदिर बना रही हैं, सड़कें ब्लॉक करके दुर्गा पूजा कार्निवल कर रही हैं। अगर मैं मस्जिद बनाने जाऊं तो यह क्राइम हो जाता है? मैं उनसे क्या बात करूं? अगर कोई मुझे धमकी देता है तो क्या मैं उसे मिठाई भेजूंगा? मस्जिद प्राथमिकता है। नमाज पढ़ना मुसलमानों का फर्ज है। मुसलमानों को मंदिर बनाने पर कोई एतराज नहीं है, तो मस्जिद बनाने पर एतराज क्यों?

कबीर पर कार्रवाई क्यों नहीं करतीं ममता

कबीर के इन बयानों के बाद बंगाल की सियासत में सवाल उठ रहा है कि क्या ममता चुपके से अपने ही विधायक को बाबरी मस्जिद बनवाने में सपोर्ट कर रही हैं? विपक्षी भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा ने ने ममता बनर्जी से सवाल किया है कि अगर वो सच में बाबरी मस्जिद नहीं बनवाना चाहतीं तो कबीर के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही हैं? माइनॉरिटी भी उनकी तुष्टीकरण की पॉलिटिक्स को समझ गए हैं। जिसके शरीर में बाबर का खून बह रहा हो, वही बाबरी मस्जिद बनवाना चाहेगा!

इंडी ब्लाक में टूट की अटकलें हो गईं शुरू

कांग्रेस के उम्मीदवारों ने आरजेडी से गठबंधन को चुनाव में हार के लिए जिम्मेदार ठहराया

कांग्रेस आलाकमान से राजद से गठबंधन तोड़ने की वकालत की

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के नेता उठाने लगे महागठबंधन पर सवाल

बिहार विधानसभा चुनावमें करारी हार झेलने के बाद महागठबंधन में टूट की अटकलें हैं। समीक्षा के दौरान कांग्रेस के अधिकतर उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से गठबंधन को चुनावी हार के लिए जिम्मेदार ठहराया। कई ने तो कांग्रेस आलाकमान को राजद से गठबंधन तोड़ने की वकालत भी कर दी। इसके बाद से सियासी पारा गरम है। हालांकि, पार्टी के किसी भी बड़े नेता की तरफ से गठबंधन के भविष्य को लेकर कोई भी बयान नहीं आया है।

खरगे और राहुल ने की थी बात

खरगे और राहुल आपस में बात करते हुए

नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में कांग्रेस ने बिहार चुनाव की हार की समीक्षा' प्रदेश स्तर के नेता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भीबैठक में मौजूद थे।

अकेल लड़ते तो बेहतर परिणाम होते

अधिकतर उम्मीदवारों ने आलाकमान को बताया कि राजद से गठबंधन की वजह से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा है। अगर कांग्रेस इस चुनाव में अकेले मैदान में उतरती तो परिणाम बेहतर होते।

गठबंधन में किसी को पकड़कर नहीं रखाः राजद

राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने कहा कि गठबंधन में किसी को पकड़कर रखा नहीं जा सकता है। कांग्रेस की अगर मर्जी है कि अकेले और अलग चलेंगे, तो क्या कर सकते हैं। अगर कांग्रेस को लगता है कि गठबंधन में रहने पर हार हुई है और अलग होना है तो अच्छी बात है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने बताई जीडीपी ग्रोथ के बड़े कारण

दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

पीएम मोदी की विकासवादी नीतियों का नतीजा, सभी अनुमान पीछे छूटे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जारी हुई जीडीपी आंकड़ों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकारी सुधारों और विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने से दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। गोयल ने दावा किया कि व्यापार मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का निर्यात अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विकास के आंकड़ों ने कुछ वर्गों की ओर से किए गए दावों को खारिज कर दिया है। यह दर्शाता है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था हैयह पीएम मोदी की विकासवादी नीतियों का नतीजा है। यह उछाल त्योहारों से पहले बढ़ी खपत और हाल में लागू जीएसटी सुधारों से संभव हुआ, जिसने बाजार में अतिरिक्त मांग पैदा की और आर्थिक गतिविधियों को गति दी।

जीएसटी में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई

गोयल ने बताया कि भारत के जीएसटी में भी इस वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान उच्च वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान वस्तु निर्यात 0.63 प्रतिशत से 254.25 अरब डॉलर हो गया व आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर हो गया। इस वित्तीय वर्ष के पहले 9 महीनों के दौरान सेवाओं का निर्यात 237.55 अरब डॉलर रहा, वहीं अप्रैल-अक्तूबर 2024 में यह 216.45 अरब डॉलर था।

राज्यपाल बोस ने अधिसूचना जारी

सरकारी 'राज भवन' का नाम बदलकर 'लोक भवन' किया

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने केंद्र के निर्देश को लागू करते हुए कोलकाता में स्थित राज भवन का नाम बदलकर 'लोक भवन' कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि गृह मंत्रालय के 25 नवंबर के पत्र के अनुरूप यह अधिसूचित किया जाता है कि कोलकाता के 'राज भवन', फ्लैगस्टाफ हाउस और दार्जिलिंग में स्थित राज भवन परिसरों का नाम संशोधित करके 'लोक भवन' कर दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। राज भवन, जिसे अब लोक भवन नाम दिया गया है, राज्यपाल का आधिकारिक आवास और कार्यालय है। अब इसे लोक भवन के नाम से ही जाना जाएगा। राज्यपाल बोस ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी दी है।

एनएचआरसी ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा

बसों में अलग ड्राइवर कैबिन गलत व अधिकारों का उल्लंघन

बस डिज़ाइन को लेकर सभी राज्यों से दो हफ्ते में रिपोर्ट मांगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र भेजकर सार्वजनिक परिवहन बसों की असुरक्षित डिजाइन पर गंभीर चिंता जताई है। आयोग ने कहा कि कई बसों में ड्राइवर केबिन को पूरी तरह अलग बनाया जा रहा है, जिससे आग लगने या आपात स्थिति में ड्राइवर और यात्रियों के बीच समय पर संवाद नहीं हो पाता। यह यात्रियों की जान के लिए बड़ा खतरा और जीवन के मौलिक अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। सभी मुख्य सचिव सीआईआरटी की सभी सिफारिशों को राज्यभर में लागू करें। लापरवाहों पर तत्काल कार्रवाई हो। पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा व सहायता दी जाए। 2 सप्ताह के भीतर एटीआर भेजें।

पीड़ित परिवारों को मुआवजा व सहायता दें

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

आग की बढ़ती घटनाओं पर संज्ञान लिया

हाल में कई बसों में सफर के दौरान आग की घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई। आयोग की पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संज्ञान लिया और परिवहन मंत्रालय व केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान पुणे से दो सप्ताह के भीतर विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी।

सीआईआरटी जांच में गंभीर खामियां मिलीं

सीआईआरटी ने बताया कि राजस्थान परिवहन विभाग के अनुरोध पर जांच में हादसे वाली बस में कई गंभीर कमियां मिलीं। बस बॉडी निर्माण में मानकों का उल्लंघन किया गया था। स्लीपर बसों में ड्राइवर पार्टिशन डोर नियमों के खिलाफ है, फिर भी लगाया गया था। 12 मीटर से लंबी बसों में 5 आपात निकास अनिवार्य हैं पर उपलब्ध नहीं थे।

बस में एफडीएसएस और मानक उपकरण नहीं मिले

अनिवार्य फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम बस में मौजूद नहीं था। स्लीपर कोच के स्लाइडर-चेसिस एक्सटेंशन जैसे खतरनाक हिस्से बगैर अनुमति लगाए गए थे। केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान का कहना है कि सभी स्लीपर कोचों में ड्राइवर पार्टिशन हटाया जाए, एफडीएसएस अनिवार्य रूप से लगाया जाए, 10 किलो के फायर एक्सटिंग्विशर चेक किए जाएं और नियमों के उल्लंघन वाले सभी बस बॉडी डिजाइन तत्काल बंद किए जाएं।

जबलपुर
रविवार, 30 नवंबर 2025
अगहन मास शुक्ल पक्ष-10
वर्ष : 20, अंक : 211
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 25
न्यून. 11

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

डिजिटल बैंकिंग का नए साल से बदलेगा तरीका

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों के दौरान डिजिटल ट्रांजेक्शन तेजी से बढ़े हैं। दूसरी ओर इसके साथ फ्रॉड के मामलों में भी तेजी से इजाफा हुआ है। अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने डिजिटल बैंकिंग को ज्यादा आसान और सुरक्षित बनाने के लिए 7 नए 'मास्टर' 'डायरेक्शन' जारी किए हैं। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नए नियमों को 1 जनवरी 2026 से देशभर के बैंकों में लागू किया जाना है। इन डायरेक्शन को सरकार की तरफ से उस मुहिम के तहत जारी क किया गया है, इसका मकसद ग्राहकों को सुरक्षा देना और नियमों को आसान बनाना है।

कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्वाचन स्टाफ की अथक मेहनत को सराहा

अशोकनगर के बाद बैतूल ने भी बाजी मारी, प्रदेश में 100 फीसदी डिजिटाइजेशन कर 'दूसरा' जिला बना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) में बैतूल जिले ने भी उपलब्धि हासिल की है। जिले ने मतदाताओं का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूर्ण कर मध्यप्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इससे पहले यह उपलब्धि अशोकनगर ने हासिल की थी।

बैतूल कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद के सीईओ, नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा अन्य जिला अधिकारियों के प्रेरणास्पद नेतृत्व और परिश्रम के कारण यह राष्ट्रीय महत्व का कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण हुआ है। उन्होंने कहा कि इस श्रेष्ठ उपलब्धि के पीछे बीएलओ सुपरवाइजर, बीएलओ, शिक्षक, पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, कोटवार तथा विकासखंडों के अनेक कर्मचारी-अधिकारी और निर्वाचन शाखा के समर्पित कर्मचारियों की उत्कृष्ट मेहनत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कलेक्टर ने कहा कि सभी ने कठिन चुनौती को सरलता से पूरा कर अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया

टीम को किया सम्मानित

जिले के 12,58,295 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन पूर्ण

कलेक्टर सूर्यवंशी ने बताया कि आमला विधानसभा के 2,19,778, मुलताई विधानसभा के 2,35,605, बैतूल विधानसभा के 2,62,061, घोड़ाडोंगरी विधानसभा के 2,69,767 तथा भैंसदेही विधानसभा के 2,71,084 इस प्रकार जिले के कुल 12,58,295 मतदाताओं के गणना पत्रक का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है।

खबर संक्षेप

वॉरफेयर कोर्स में शामिल हुए मिश्रा

इंदौर। महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित 5 दिवसीय इंफोरमेशन वॉरफेयर कोर्स आयोजित किया गया। 25 से 29 नवंबर तक चले इस कोर्स में आईएनएच के इंदौर ब्यूरो चीफ महेश मिश्रा भी शामिल हुए। उन्होंने इस कोर्स में बताई गई जानकारियों को गंभीरता से सीखा और इसके लिए उन्हें ले. जनरल कमांडेट हरजीत सिंह साही द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कई अधिकारियों ने मिश्रा की सीखने की इच्छा की सराहना की।

शादी वाले घर की बिजली काटी, मौत

ग्वालियर। भितरवार में बिजली विभाग द्वारा केस दर्ज होने के सदमे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि घर में दो दिन बाद बेटे की शादी होनी थी। बकाया जमा न करने पर काटे गए कनेक्शन को लेकर विवाद हुआ था। अगले दिन बिजली विभाग ने पिता-पुत्र पर मामला दर्ज कराया। स्वजनों का कहना है कि केस दर्ज होने के बाद से राजू सोनी तनाव में थे और 28 नवंबर की रात उन्हें हृदयघात हुआ, जिससे उनकी मौत हो गई।

मां के सामने दो बेटों की हत्या, ताऊ ने मारे चाकू

सागर। जमीनी विवाद के चलते मां के सामने उसके दो बेटों की ताऊ ने चाकू मारकर हत्या कर दी गई। दोनों भाई मां से हो रहे विवाद में बीच-बचाव करने गए थे। तभी ताऊ ने हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, चांदवर गांव में शांति बाई बंसल अपने जेठ के घर गई थीं। इसी दौरान डेढ़ एकड़ जमीन को लेकर उनकी कहासुनी होने लगी। शांति बाई के बेटे आकाश बंसल (उम्र 16) और दीपेश बंसल (उम्र 18) मौके पर पहुंचे थे।

एयर बस ने 6 हजार विमानों को सॉफ्टवेयर अपडेशन के लिए वापस बुलाया

ताकि, नेविगेशन और फ्लाइट कंट्रोल रहे...कई उड़ानों में देरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

यूरोप की विमान निर्माता कंपनी एयरबस ने दुनियाभर से अपने ए-320 बेड़े के 6 हजार विमानों को वापस बुलाया है। जो भी एयरलाइन इस कंपनी के विमान का इस्तेमाल कर रही थी उनके लिए मुश्किल खड़ी हो गई है। कंपनी का दावा है कि इन विमानों का सॉफ्टवेयर अपडेट करने की जरूरत है। जिसके बाद विमानों को वापस संचालन के लिए भेजा जाएगा।

एयरबस की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि ए320 सीरीज के एक विमान से जुड़ी घटना के विश्लेषण के दौरान पता चला है कि उड़ान नियंत्रण के दौरान इस्तेमाल होने वाले महत्वपूर्ण डेटा तीव्र सौर विकिरण के कारण प्रभावित हो सकता है। कंपनी ने वर्तमान में इस्तेमाल किए जा रहे इस सीरीज के ऐसे संवेदनशील विमानों की पहचान कर ली है। एविएशन में, तेज सोलर रेडिएशन फ्लाइट के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर बुरा असर डाल सकते हैं, इससे नेविगेशन और फ्लाइट कंट्रोल में रुकावट आ सकती है।

तेज सोलर रेडिएशन फ्लाइट के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर बुरा असर डाल रहे

***सोलर फ्लेयर्स** फ्लाइट कंट्रोल के काम करने के लिए ज़रूरी डेटा को खराब कर रहे*

***एयरबस के** मौजूदा समय में करीब 11,300 ए 320 विमान संचालित हो रहे*

भारतीय विमानन कंपनियों के पास लगभग 200-250 ए 320 श्रेणी के एयरबस विमान

फोइल फोटो

भारत में 560 विमान

एक एयरबस एयरक्राफ्ट से जुड़ी घटना से पता चला था कि सोलर फ्लेयर्स फ्लाइट कंट्रोल के काम करने के लिए जरूरी डेटा को खराब कर सकते हैं। इससे भारत में कई उड़ानें देरी से चल रही हैं। भारत में इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ए 320 श्रेणी के विमानों का संचालन करती हैं। घरेलू एयरलाइन कंपनियां भारत में लगभग 560 विमानों का इस्तेमाल कर रही हैं। जिन विमानों में बदलाव किए जाने हैं, उनमें ए320 सीईओ और नियो के अलावा ए 321 सीईओ और नियो शामिल हैं।

ठीक हो चुके हैं आधे से ज्यादा प्लेन

सॉफ्टवेयर अपडेट पर बोला डीजीसीए

डीजीसीए के मुताबिक भारत में उड़ने वाली एयरबस ए 320 फैमिली एयरक्राफ्ट के आधे से ज्यादा विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट हो चुके हैं। भारत में उड़ने वाले एयरबस की फ्लाइट ए 320 परिवार के कुल 338 विमान में एक जरूरी सॉफ्टवेयर अपडेट की जरूरत है। इन विमान में से 189 विमान में अपडेट पूरा हो चुका है, यानी आधे से ज्यादा बेड़ा अब सुरक्षित रूप से अपग्रेड हो चुका है।

इस घटना के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया?

30 अक्तूबर को जेटब्लू की एक फ्लाइट कैनकन, मेक्सिको से नेवार्क, न्यू जर्सी जा रही थी। अचानक फ्लाइट काफी तेजी से ऊंचाई से गिरने लगी। इसकी वजह से कई यात्री घायल हो गए थे। फ्लाइट 1230 ने जहाज के कंट्रोल में दिक्कत और अचानक बिना किसी कंट्रोल के ऊंचाई गिरने के बाद टैम्पा, फ्लोरिडा में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जांच शुरू की।

सिंधिया के काफिले का एक्सीडेंट

आपस में टकराईं 3 गाड़ियां एसडीओपी घायल हो गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का काफिला सड़क हादसे का शिकार हो गया, जहां काफिले के पीछे चल रहे एसडीओपी और तहसीलदार के वाहन सहित एक अन्य वाहन आपस में टकरा गए और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में अशोकनगर एसडीओपी विवेक शर्मा घायल हो गए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया है। सिंधिया चार दिवसीय क्षेत्र के दौरे पर हैं। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री सिंधिया चंदेरी में आयोजित पर्यटन विभाग के ईको रिट्रीट महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

■ अचानक ब्रेक लगने से हुई टक्कर

एडवांस बुकिंग का पैसा वापस होगा

मप्र के सभी टाइगर रिजर्व में अब नाइट सफारी बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

मध्यप्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व में अब नाइट सफारी नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट के 17 नवंबर को दिए गए आदेश के बाद 1 दिसंबर 2025 से प्रदेशभर में रात्रिकालीन सफारी पर पूरी तरह रोक लगाई जा रही है। जिन पर्यटकों ने पहले से एडवांस बुकिंग कर रखी है, उन्हें पूरी राशि वापस की जाएगी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) शुभरंजन सेन ने इस संबंध में सभी टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टरों को आदेश जारी कर दिए हैं। इसके तहत सतपुड़ा टाइगर रिजर्व समेत प्रदेश के सभी में नाइट सफारी तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

■ सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 1 दिसंबर से रोक

भगवान पर की थी विवादित टिप्पणी

महा.छत्रसाल बुंदेलखंड विवि की कुलगुरु शुभा तिवारी को

■ धारा 52 का मतलब है कोई निर्णय नहीं ले पाएंगी

छतरपुर। बीते दिनों भगवान श्रीराम, सीता और लक्ष्मण पर की गई कथित टिप्पणी के मामले में राज्य सरकार ने महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की कुलगुरु शुभा तिवारी को पद से हटा दिया गया है। यह कार्यवाही धारा 52 के तहत की गई है। जानकारी के मुताबिक एक कार्यक्रम में कुलगुरु तिवारी ने भगवान को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से गई थी। इसके बाद उन्हें हटाने के आदेश जारी कर दिए गए। गौर हो कि टिप्पणी के बाद कार्यपरिषद सदस्य डॉ.नितेश शर्मा ने उनके कार्य की निंदा की थी एवं कहा था कि कुलगुरु जैसे पद के अनुरूप व्यवहार एवं आचरण नहीं है।

बगलामुखी मंदिर भूमि से कब्जा हटाया

20 साल बाद करीब 200 करोड़ रु. मूल्य की जमीन मुक्त कराई

नलखेड़ा। आगर मालवा में मां बगलामुखी मंदिर परिसर की भूमि से दो दशक पुराना कब्जा हटा दिया गया है। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई की। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनाए अपने फैसले में स्पष्ट किया था कि यह विवादित भूमि मूर्ति श्रीराम मंदिर की है और 1997 में फर्जी तरीके से ली गई डिक्री अवैध थी। उच्च न्यायालय का आदेश मिलते ही शुक्रवार शाम को जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। रात में ही मंदिर परिसर से सटी विवादित दुकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। शनिवार सुबह तक लोगों ने अपनी दुकानों का मलबा हटाना शुरू कर दिया था।

■ हाईकोर्ट के आदेश के बाद देर रात बड़ी कार्रवाई

इंदौर में 2 दिन रहेंगे होसबाले

जनजातीय समाजों से की बात, आज अनुषांगिक संगठनों के साथ संवाद

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले शनिवार और रविवार दो दिन इंदौर में हैं। होसबाले शनिवार सुबह मालवा प्रांत के जनजातीय समाजों के नेतृत्व करने वाले बंधु-भगिनियों के साथ संवाद सत्र में शामिल हुए। जिसके बाद वे शाम को 5 बजे चिमनबाग में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं, होसबाले रविवार को अनुषांगिक संगठनों के साथ आंतरिक बैठक करेंगे और संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करेंगे। होसबाले इंदौर में बैठकों के दौरान 1 दिसंबर से मालवा प्रांत के सभी 28 जिलों के 138 खंडों में शुरू हो रहे।

■ चयनित महाविद्यालयीन शाखा टोलियों के कार्यक्रम में भाग लिया

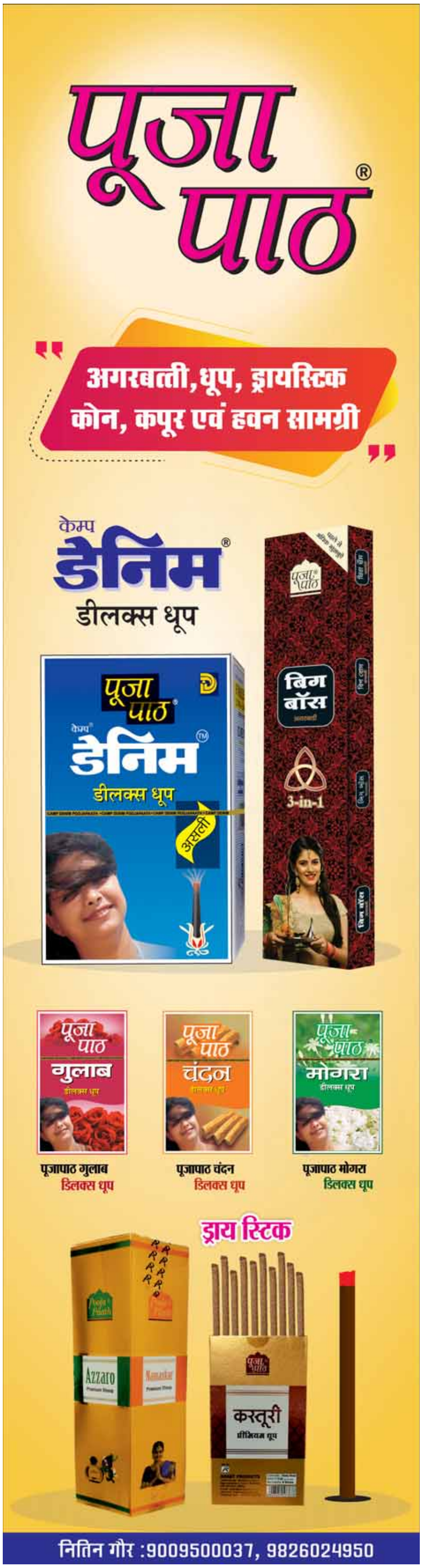

भारत में चार नए श्रम कानूनों को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। श्रम सुधारों का यह नया ढांचा भारत के आर्थिक, डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला मॉडल है। यह सुधार न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान है बल्कि आने वाले दशकों में रोजगार परिदृश्य को स्थिरता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण की नई दिशा देगा। नए कानूनों के लागू हो जाने से भारतवर्ष की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक स्पर्धा में वृद्धि की पूर्ण संभावना दिखाई पड़ रही है। कह सकते हैं कि देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत आधार प्रदान करने में नए चार श्रम कोड कारगर भूमिका अदा करेंगे, ऐसी उम्मीद जताई जा रही है। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास

नए श्रम कानूनों से बदलेगी तस्वीर

विश्लेषण

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

सालों से इंतजार किए जा रहे चार नए श्रम कानूनों को बीती 21 नवंबर को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। 29 श्रम कानूनों को खत्म करके चार नए कानून पेश किए गए हैं, जो सभी तरह के कर्मचारियों को कवर करते हैं। इस कानून के तहत सैलरी, अनिवार्य नियुक्ति पत्र, सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी और समान काम की समान सैलरी आदि जैसे बदलाव हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नए दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। केंद्र सरकार की इस कदम से कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वादा किया गया है।

इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नए दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

सैलरी का दायरा बढ़ेगा

नए कानूनों के तहत कर्मचारियों को समय पर सैलरी दी जाएगी। देशभर में मिनिमम सैलरी का दायरा बढ़ेगा यानी कि बाकी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी इसके अंतर्गत लाया जाएगा, ताकि कोई भी सैलरी इतनी कम नहीं हो कि कर्मचारियों का जीवन-यापन कठिन हो। नए कानून के तहत अब ग्रेच्युटी पाने के लिए 5 साल का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि 1 साल की सर्विस पर ही ग्रेच्युटी दी जाएगी। यह ग्रेच्युटी फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को भी मिलेगी। इन कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के बराबर ही सभी फायदे जैसे छुट्टी, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा भी दी जाएंगी। नए कानून के तहत एक और बड़ा बदलाव यह है कि सभी संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने का किया गया है। इसके अलावा गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स ओर एग्रीगेटर्स को इन कानूनों के तहत पहली बार डिफाइन किया गया है। इन्हें भी आधार-लिंक्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर से वेलफेयर बेनिफिट्स दिया जाएगा, जिसमें पीएफ से लेकर पेंशन तक का लाभ शामिल होगा। 40 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों को सालाना फ्री हेल्थ चेकअप दिया जाएगा। केंद्र सरकार मजदूरों की बेहतर सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय मानदंड बनाएगी।

महिला कर्मियों का हित

नए कानूनों के तहत महिलाएं सभी जगहों पर काम कर सकती हैं, जिसमें अंडरग्राउंड माइनिंग, भारी मशीनरी और खतरनाक काम शामिल हैं, जिससे सभी के लिए रोजगार के समान अवसर सुनिश्चित होंगे। हर साइट पर ऑन-साइट सेफ्टी मॉनिटरिंग के लिए जरूरी सेफ्टी कमेटी और खतरनाक रसायनों की सुरक्षित हैंडलिंग पक्का करना है। वहीं फिक्स्ड-टर्म एम्प्लॉई (एफटीई) से रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी और सामाजिक सुरक्षा, स्थायी कर्मचारी के बराबर फायदे जैसे कानूनी सुरक्षा पक्की होगी। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों को समाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। महिला-पुरूष भेदभाव कानूनी तौर पर नकार दिया गया है। महिला हो या पुरुष समान काम के लिए समान वेतन मिलेगा। महिलाओं को नाइट शिफ्ट में भी काम करने का अधिकार होगा। सभी कामगारों के लिए मिनिमम सैलरी की गारंटी होगी। सभी तरह के कर्मचारियों को ऑफर लेटर देना होगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा, रोजगार विवरण और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। छुट्टी के दौरान मजदूरी देना अनिवार्य किया गया है। मजदूरों को केंद्र सरकार की ओर से तय की गई फ्लोर वेज के हिसाब से वेतन दिया जाएगा।

ग्रेच्युटी व प्रोविडेंट फंड बेहतर

सभी प्रवासी कामगारों (डायरेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर-बेस्ड और खुद माइग्रेटेड) को बराबर वेतन, वेलफेयर बेनिफिट और पीडीएस पोर्टेबिलिटी का लाभ दिया जाएगा। कामगार 3 साल तक लंबित बकाय के निपटारे के लिए दावा कर सकते हैं। सभी डॉक वर्कर्स के लिए प्रोविडेंट फंड, पेंशन और बीमा के लाभ तय कर दिया गया है, चाहे कॉन्ट्रैक्ट वर्कर हैं या अस्थायी कर्मचारी। जानकारों के मुताबिक नए लेबर कोड्स 'कोड ऑन वेजेज' और 'सोशल सिक्योरिटी' के तहत 'वेजेज' (सैलरी) की परिभाषा को एक जैसा बनाते हैं। इससे ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड बेहतर होगा, लेकिन अगर कंपनियां खर्च कम करने के लिए अलाउंस घटाती हैं, तो हाथ में आने वाली सैलरी कम हो सकती है। श्रम क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, अब 'वेजेज' में बेसिक पे, डियरनेस अलाउंस यानी डीए और रिटेनिंग अलाउंस यानी आरए शामिल होंगे। कुल कमाई का 50 प्रतिशत (या सरकार द्वारा तय की गई कोई और प्रतिशत राशि) 'वेजेज' में जोड़ा जाएगा। इससे ग्रेच्युटी, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा लाभों की गणना में एकरूपता आएगी। पहले कंपनियां बेसिक सैलरी कम रखकर बाकी पैसा अलग-अलग भत्तों के रूप में दे देती थीं। इससे पीएफ और ग्रेच्युटी में उनका योगदान कम होता था। लेकिन अब सरकार ने नियम बना दिया है कि आपकी कुल सैलरी यानी सीटीसी का कम से कम आधा हिस्सा बेसिक सैलरी होना चाहिए। इससे आपकी रिटायरमेंट सेविंग्स तो बढ़ेंगी, लेकिन हर महीने हाथ में आने वाले पैसे थोड़े कम हो सकते हैं। यह एक तरह से आपकी भविष्य की सुरक्षा के लिए अच्छा कदम है, भले ही अभी थोड़ा जेब पर भारी पड़े। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं।

जमीनी स्तर पर हो बदलाव

सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक-सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

नए श्रम कानून : श्रमिक जीवन का नया सूर्योदय

उम्मीद

डॉ.सूर्यकांत

स्वतंत्र पत्रकार

श्रमिक कल्याण की प्रतिबद्धता से जुड़े नए श्रम कानून के लागू हो जाने के बाद से शोषण की कूटनीति को समाप्त करने का मार्ग खोला जा सकेगा। पुराने कानूनों में राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए किए जाने वाले घेराव के साथ तालाबंदी जैसी औद्योगिक गतिविधियों को भी रोका जा सकेगा। 'श्रमेव जयते' जैसे सार्थक शब्द का आह्वान श्रम के क्षेत्र में विकास यात्रा के मार्ग को सुगम बनाते हुए श्रम की गरिमा और श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक बनकर जरूर उभरेगा। आजाद हिंदुस्तान में अब तक जो श्रम कानून चल रहे थे, वे आजादी से पूर्व 1920 और आजादी के तुरंत बाद 1950 में लागू किए गए थे । कहीं न कहीं अंग्रेजों की सोच कानून में घुली हुई थी। 105 वर्षों की लंबी यात्रा में समय-काल-परिवर्तन के अनुसार युगकालीन परिवर्तन स्पष्ट दिखाई पड़ रहे थे। तब समय की जरूरत के हिसाब से कानून में परिवर्तन करना एक अच्छी सोच कही जा सकती है। अलग-अलग टुकड़ों में बंटे 29 श्रम कानूनों को चार मुख्य कोड में समेटना कहीं न कहीं पेचीदे कानून को सरल बनाने की दिशा में एक अच्छा निर्णय माना जाना चाहिए। वर्तमान केंद्रीय सरकार की यह सोच कि निजी क्षेत्रों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को सम्मानित जीवन मिले। अनुकूल कार्य क्षेत्र की प्राप्ति हो। समान वेतन का हक मिले, निम्न तबके को कल्याणकारी योजना की ओर अग्रसर करता है। नए श्रम कानून का सबसे ज्यादा लाभ प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने जा रहा है। इन कानूनों के चलते अब जहां शोषण से मुक्ति मिलेगी, वहीं वेतन की नियमितता श्रमिकों को खुशियों का उपहार देती दिखेगी। नए नियमों के अनुसार अब नियोक्ता को किसी भी परिस्थिति में अपने कर्मचारियों को प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन का भुगतान करना होगा। सबसे बड़ा लाभ सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली ग्रेच्युटी के रूप में होगा। पुराने कानून जहां कम से कम पांच वर्ष के सेवाकाल के बाद ही ग्रेच्युटी भुगतान की जंजीरों में जकड़ दिए गए थे , वहीं अब नए कानून के तहत हर वह कर्मचारी जिसने एक वर्ष की निरंतर सेवा पूर्ण कर ली है , ग्रेच्युटी का हकदार होगा। हमारा पुराना श्रम कानून जहां महिला और पुरुषों के वेतन की विसंगति से जूझ रहा था , अब महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर वेतन का अधिकार प्रदान कर रहा है । सीधे शब्दों में कहा जाए तो जेंडर आधारित भेदभाव को नए कानून ने कचरे के डिब्बे में डाल दिया है। चार नए श्रम कोड के चलते प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों का जीवन सम्मानित और सुनियोजित तरीके से सांस ले पाएगा। नए कानून को कार्यरूप देने के पीछे जो उद्देश्य नजर आ रहे हैं, वे कर्मचारियों को लाभान्वित करने के साथ ही कार्यक्षेत्र में किए जाने वाले शोषण को समाप्त करने वाले हैं। साथ ही इन कानूनों में सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा नियोक्ताओं को उनके कर्तव्यों की याद दिलाने वाला होगा। आत्मनिर्भर भारतवर्ष के स्वप्न को साकार करने के लिए ही शायद सरकार के द्वारा 29 श्रम कानूनों को चार कानून में समेटा गया है। देश में 2025 नवंबर माह के तीसरे सप्ताह से प्रभावशील चार श्रम कानून कोड वेतन संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, तथा ओएसएच और कार्य शर्तें संहिता के रूप में लागू किए जा चुके हैं। जैसा कि वेतन संहिता के नाम से ही विदित होता है कि यह कोड कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन के साथ समय पर वेतन देने की मजबूत व्यवस्था के लिए बनाया गया है। सामाजिक सुरक्षा संहिता कर्मचारियों को सेवा निवृत्ति के बाद सम्मानित जीवन यापन के क्षेत्र में पीएफ , ईएसआईसी , ग्रेच्युटी और बीमा जैसे लाभों का आवरण प्रदान करेगी । इसी तरह औद्योगिक संबंध संहिता कर्मचारियों की नियुक्ति, उनकी अनावश्यक छंटनी सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करने वाली होगी । सबसे अहम चौथे कोड में काम के दौरान सुरक्षा और कार्यक्षेत्र को अनुकूल वातावरण प्रदान करने से संबंधित नियमों से बंधा होगा। संक्षिप्त में कहें तो नए कानूनों के जरिए सरकार ने कानून के सरलीकरण का शानदार प्रयास किया है। इन कानूनों के तहत गिग वर्कर अर्थात ऐसे कर्मचारी जो स्थाई नहीं हैं , बल्कि अस्थाई रूप से काम पर रखे जाते हैं , उन्हें भी कानून के दायरे में लाया गया है । नए कानूनों के लागू हो जाने से भारतवर्ष की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक स्पर्धा में वृद्धि की पूर्ण संभावना दिखाई पड़ रही है। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत आधार प्रदान करने में नए चार श्रम कोड कारगर भूमिका अदा करेंगे।

नए श्रम कानून का सबसे ज्यादा लाभ प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने जा रहा है । इनके चलते अब जहां शोषण से मुक्ति मिलेगी । वहीं वेतन की नियमितता श्रमिकों को खुशियों का उपहार देती दिखेगी।

श्रम संसार की तस्वीर बदलने वाली गारंटी

राष्ट्र-चिंतन

आचार्य श्रीहरि

स्वतंत्र पत्रकार

श्रमेव जयते। श्रम की प्रधानता और समृद्धि के बिना जीवंत राष्ट्र की परिकल्पना नहीं हो सकती है। श्रम की कसौटी पर निर्माण और विकास की परिकल्पना बनती है। इसलिए श्रम की महत्ता और अनिवार्यता को अस्वीकार करना मुश्किल है। इनकी उपेक्षा और इन पर उदासीनता अस्वीकार है। सरकार की ही नहीं, बल्कि नियोक्ता और सेवा प्रदाताओं की जिम्मेदारी भी स्वस्थ और समृद्ध श्रम संसाद की बनती है। यह अच्छी और स्वागतपूर्ण कदम है कि नरेन्द्र मोदी ने मजदूरों की तस्वीर बदलने की गारंटी दी है, उनकी आजीविका के अधिकार को सशक्त बनाया है। उनके होने वाले शोषण और उत्पीड़न पर रोक लगाने की व्यवस्था की है और भेदभाव की नीतियों को समाप्त करने की घोषणा की है, यानी कि श्रमेव जयते। इस निमित नरेन्द्र मोदी की सरकार ने चार नए श्रम संहिताओं की घोषणा की है। इन श्रम संहिताओं की घोषणा से लगभग 30 साल के श्रम काले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है, जो काफी समय से प्रस्तावित और प्रत्याशित थे। चार नये श्रम संहिताओं को इस प्रकार से जानिये। पहला वेज कोड 2019, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020 सोशल सिक्योरिटी कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेल्फी हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020 में परिवर्तन कर दिया गया है। इससे मजदूरों के वेतन और सुरक्षा अधिकारों में बहुत ज्यादा परिवर्तन होगा और लाभकारी भी होगा। नए श्रम संहिताओं में मजदूरों के सभी प्रकार के अधिकारों और कल्याण की भावनाओं को निहित किया गया है। औद्योगिकीकरण और कारपोरेटिवकरण तथा रोजगार और श्रम के नये आयामों के उद्भव और विकास के कारण मजदूरों के सामने विकट समस्या उत्पन्न हो गयी थी, निवेशकों के सामने भी बहुत बडी समस्या थी, पूर्व की श्रम संहिताएं अस्पष्ट थी और विसंगतियों से भरी पड़ी थी, नियोक्ता और श्रमिकों के बीच अविश्वास उत्पन्न करती थी, अधिकारों को लेकर संहिताएं स्पष्ट भी नहीं थी। न्यूनतम वेतनमान में हीलाहवाली थी, असमानता थी और शोषण युक्त था। नयी आर्थिक नीतियों के लागू होने से सर्वाधिक शोषण के शिकार मजदूर थे और उनके हित हाशिये पर थे, उनके आंदोलन करने के अधिकार और कर्तव्य पर नियोक्ता, पुलिस और प्रशासन की टेढी नजर रहने लगी थी। भारत की ये श्रम संहिताएं विश्व की अन्य संहिताओं के अनुपात में कितनी लाभकारी हैं, कितनी सहयोगी हैं और कितनी कल्याणकारी हैं? नई श्रमिक संहिताएं श्रमिकों के कल्याण और उनकी सुरक्षा के लिए बेमिसाल तो हैं पर नियोक्ताओं और सेवादाता कंपनियों के बीच भी श्रम कानूनों को लेकर विश्वास उत्पन्न करने की आवश्यकता है। उम्मीद है कि नरेन्द्र मोदी सरकार श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास और संतुलन बनाने की भूमिका निभाएगी।

इन श्रम संहिताओं की घोषणा से लगभग 30 साल के श्रम काले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है, जो काफी समय से प्रस्तावित और प्रत्याशित थे।

भारत में नए लेबर कोड : श्रमिक अधिकारों का नया अध्याय

रणनीति

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

केंद्र सरकार ने 21 नवंबर 2025 शुक्रवार को कार्य परिस्थितियों में बड़े बदलाव का कदम उठाते हुए देश में नई श्रम संहिता (लेबर कोड) लागू कर दी। यह वाकई काबिले-तारीफ है कि निजी एवं असंगठित क्षेत्र के करोड़ों कामगारों के लिए उपयोगी इस नए लेवर कोड में अनिवार्य नियुक्ति-पत्र, न्यूनतम और समय पर वेतन की गारंटी और एक साल में ही ग्रेच्युटी भुगतान की व्यवस्था की गई है, वहीं सामाजिक सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ईएसआइसी सुविधा और 40 साल की सेवा के बाद अनिवार्य स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। बता दें कि ईएसआईसी भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों को बीमारी, दुर्घटना, मातृत्व और रोजगार से जुड़ी अन्य आपात स्थितियों में आर्थिक तथा चिकित्सीय सुरक्षा प्रदान करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद इसे सबसे बड़ा रिफॉर्म बताया है। उन्होंने कहा है कि यह कृषकों को मजबूत बनाने वाला है। इनसे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार होगा, जो भविष्य में कामगारों के हकों की रक्षा करेगा और भारत की आर्थिक वृद्धि को नई शक्ति देगा, साथ ही विकसित भारत की यात्रा को भी तेज गति मिलेगी।' कितनी अच्छी बात है कि नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाएं जोड़ी गई हैं, वहीं खतरनाक व जोखिम वाले उद्योगों, गिग वर्कर्स और आइटी क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों के लिए भी विशेष उपाय किए गए हैं। आज के समय में ओला-उबर के ड्राइवर, स्विगी-जोमैटो, ब्लिंकिट ,अमेज़न के डिलीवरी पार्टनर, फ्रीलांसर (कंटेंट राइटर, ग्राफिक डिज़ाइनर, वीडियो एडिटर, वेब डेवलपर, डिजिटल मार्केटर आदि), डिज़ाइनर, या अर्बन कंपनी जैसी सर्विस देने वाले लोग गिग वर्कर्स के रूप में जाने जाते हैं। यह काम लचीला होता है, इसलिए लोग अपनी सुविधा अनुसार समय तय कर सकते हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसमें स्थायी नौकरी जैसे लाभ जैसे पीएफ, पेंशन, मेडिकल सुरक्षा अक्सर नहीं मिलते। यही कारण है कि गिग वर्कर्स को असंगठित क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है। सच तो यह है कि गिग वर्कर्स, खनन श्रमिकों और टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए नए लेबर कोड में विशेष इंतज़ाम किए गए हैं,जो सराहनीय हैं। वास्तव में अब गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभी श्रमिकों को पीएफ, ईएसआइसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल सकेंगे। इतना ही नहीं, खनन श्रमिकों के क्रम में आवागमन दुर्घटना पर मुआवजा, खान में सुरक्षा व स्वास्थ्य मानकों का ध्यान, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ ही साथ काम के घंटों की सीमा प्रतिदिन 8 से 12 घंटे, तथा प्रति सप्ताह 48 घंटे तय की गई है। टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। मसलन, ठेकेदार कर्मियों को समान वेतन, कल्याणकारी लाभ, बकाया निपटान के लिए तीन साल की अवधि, तथा ओवरटाइम पर दोगुना भुगतान जैसी व्यवस्थाएं नये लेबर कोड में की गई हैं। नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाओं में क्रमशः लिंग भेद निषेध, समान कार्य के लिए समान वेतन, महिलाओं को सहमति व जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में तथा सभी प्रकार के काम की अनुमति, शिकायत निवारण समितियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व जरूरी, महिला कर्मचारी के परिवार की परिभाषा में सास-ससुर को शामिल करना, 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश, क्रैच व वर्क फ्रॉम होम की सुविधा के साथ ही साथ 3500 रुपये का मेडिकल बोनस दिए जाने की व्यवस्थाएं भी की गई हैं। वास्तव में लेबर कोड में विभिन्न सुधारों से कामगारों को निश्चित ही लाभ हो सकेगा। कुल मिलाकर, श्रमिकों की स्थिति सुधारने के लिए नए लेबर कोड की आवश्यकता महसूस की गई। अब नए लेबर कोड से श्रमिकों के दिन बदलेंगे। हालांकि, इनकी सफलता प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। यदि सरकार और उद्योग पारदर्शिता से काम करें तो यह कोड भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यदि पारदर्शिता से काम हो तो यह कोड अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

रोजगार, सुरक्षा और सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक पहल

श्रम कानून

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

एक लंबे इंतजार के बाद देश के श्रम कानूनों में बदलाव किया गया है, जो कई तरह से ऐतिहासिक है। इसकी मांग दशकों से की जा रही थी। पुराने 29 श्रम कानूनों को अब इतिहास बनाते हुए उनकी जगह 21 नवंबर से देश में चार नए श्रम कोड लागू हो गए हैं। इसे श्रम सुधारों में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

ये कोड हैं- वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल स्थिति संहिता 2020। इनका मकसद कामगारों को सुरक्षित काम, समय पर वेतन और सामाजिक सुरक्षा देना है। संसद ने ये चार लेबर कोड लगभग पांच साल पहले पारित कर दिए थे। लेकिन इन्हें अब जाकर लागू किया गया है। अब पूरे देश में संगठित और असंगठित क्षेत्रों के लिए श्रम कानून एक जैसे होंगे। इन संहिताओं का सबसे बड़ा उद्देश्य श्रमिकों के कल्याण को मजबूत बनाना, उद्योगों को सुगम कार्य-परिस्थिति देना, डिजिटल कार्य संस्कृति को औपचारिक मान्यता देना और गिग-प्लेटफॉर्म वर्कर्स जैसे उभरते श्रमिक वर्ग को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। इससे भारत की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी। बहरहाल, इन कानूनों को लागू करते हुए केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। ऐसा मानना है कि ये बदलाव देश में रोजगार और औद्योगिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। नए श्रम कानूनों से देश के करीब 40 करोड़ कामगारों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज भी मिलेगी।

पहले देश में लागू श्रम कानून 1930-1950 के बीच के बनाए गए थे। उन कानूनों में श्रमिकों के आर्थिक हितों का ध्यान नहीं रखा गया था। लेकिन नए कानून इन बातों को ध्यान में रखा गया है। हालांकि, कई मजदूर संगठनों का आरोप है कि ये कोड कंपनी मालिकों को पहले से कहीं अधिक अधिकार देते हैं। खासकर छोटी और असंगठित कंपनियों में कामगारों का शोषण बढ़ेगा। दावा किया जा रहा है कि यह अद्भुत संतुलन वाला कानून है, जिससे मजदूरों और कर्मचारियों को भी फायदा होगा तो उद्योग समूहों को भी लाभ होगा। सवाल है कि जब दोनों के लिए फायदे वाला कानून है तो इसे लागू करने में सरकार को छह साल क्यों लग गए? दूसरा सवाल यह है कि अगर ये कानून मजदूरों के हित में हैं तो देश के ज्यादातर बड़े मजदूर संगठन इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? असल में संसद में पास करने से लेकर इनके नियम बना कर इन्हें लागू करने तक जब भी इन कानूनों की बात होती है तो दावा किया जाता है कि इनसे मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा मिलेगी, समय पर उचित वेतन मिलेगा तो दूसरी ओर कंपनियों को एक ऐसा सरल ढांचा मिलेगा, जिसके अनुपालन में उनको कोई समस्या नहीं आएगी। लेकिन यह सिर्फ सदिच्छा है। वास्तव में इसका कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा। लेकिन एक बात साफ है कि मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। नए कानून में प्रावधान है कि हड़ताल से 60 दिन यानी दो महीने पहले नोटिस देना होगा।

वास्तव में श्रम कानून का कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा, लेकिन एक बात साफ है कि मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को सीमित कर दिया गया है।

अगर कर्मचारी या मजदूर अपनी किसी समस्या के लिए तत्काल विरोध प्रदर्शन या हड़ताल नहीं कर पाएंगे तो उनकी समस्या को निराकरण कैसे होगा? वहीं सामाजिक सुरक्षा वाले तीसरे कानून में गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड की बात कही गई है। लेकिन यह फंड कैसे बनेगा? कंपनियां कितना योगदान करेंगी और मजदूरों को उसका लाभ कैसे मिलेगा, इस बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है। इसी तरह व्यावसायिक सुरक्षा वाले चौथे कानून में रोज के काम के घंटे का विस्तार 12 घंटे तक कर दिया है। असल में नए श्रम कानून जैसा कि हमेशा होता है उद्योग समूहों और निवेशकों के हितों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। इनका मकसद ज्यादा से ज्यादा निवेश आकर्षित करना और उद्योग समूहों का विस्तार करना है। सभी सरकारें मानती रही हैं कि उद्योगों का विकास होगा, निवेश बढ़ेगा तो रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और संपन्नता आएगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर कानून शोषण और गैर बराबरी को बढ़ाता है। ये कानून भी अपवाद नहीं हैं। इनमें भी फिक्स्ड टर्म नौकरी पर जोर दिया गया है, जिसका मतलब है कि स्थायी नौकरियां कम होंगी और ठेके पर काम ज्यादा उपलब्ध होगा। इससे सामाजिक सुरक्षा बढ़ेगी नहीं कम होगी। इसी तरह कंपनियां नियमों का कैसे अनुपालन करती हैं उसकी जांच और निगरानी की व्यवस्था कमजोर कर दी गई है। कुछ पहलुओं को छोड़ दिया जाए तो नई श्रम संहिताएं आवश्यक संतुलन साधने में सफल दिखती हैं। ये बदलाव सिर्फ आज के कामगारों के लिए नहीं, आने वाले समय में काम की दुनिया बदलने की चुनौती के लिए हैं। दरअसल, श्रम सुधारों का यह नया ढांचा भारत के आर्थिक, डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला मॉडल है। यह सुधार न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान है बल्कि आने वाले दशकों में रोजगार परिदृश्य को स्थिरता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण की नई दिशा देगा।

संस्कारधानी में शुरू हुआ भारत का महाग्रंथ नाटक हमारे राम, आशुतोष राणा ने निभाई रावण की भूमिका

30 नवंबर को दो और शो होंगे, जनता ने पहले शो की सराहना की

जबलपुर। शहर के तरंग प्रेक्षागृह में भारत के सबसे बड़े नाट्य नाटक हमारे राम का लाइव शो शनिवार से शुरू हो गया। पहले शो में दर्शकों ने नाटक को खूब सराहा। नाटक के कल 30 नवंबर को दो शो होंगे। नाटक में रावण की भूमिका प्रतिष्ठित बॉलीवुड अभिनेता आशुतोष राणा ने निभाई है। इस मैग्नम ओपस प्ले छमारे रामच महानाट्य का मंचन भारत की अग्रणी थिएटर कंपनी फेलिसिटी थिएटर द्वारा किया गया। नाटक के निर्देशक गौरव भारद्वाज ने रामायण के ऐसे अभूतपूर्व दृश्य मंचित किए हैं, जिन्हें पहले किसी मंच पर नहीं देखा गया। हमारे राम में मुख्य कलाकार- भगवान रामः राहुल आर भूचर, भगवान हनुमानः दानिश अख्तर, भगवान शिवः तरूण खन्ना, माता सीताः अमृता परिहार, सूर्य देवः करण शर्मा। यह नाटक रामायण के महान संदेश और कथानक को नाट्य मंच पर जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है और दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है।

युवाओं को रामायण राजदूत बनने का मिलेगा अवसर, 21 दिसंबर को होगी ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता

चौथा वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस, 105 विजेताओं को श्रीलंका और अयोध्या की निःशुल्क यात्रा

जबलपुर। युवाओं को भारतीय संस्कृति और रामायण से जोड़ने के लिए चौथे 'वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस' की तैयारियां जोरों पर हैं। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने वरिष्ठ विधायक अजय विश्नोई और वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस के पदाधिकारी डॉ. अखिलेश गुमास्ता की उपस्थिति में कॉलेजों के प्राचार्यों एवं प्रमुखों की बैठक बुलाई और सभी से युवाओं को इस पवित्र आयोजन से जोड़ने का आग्रह किया।

क्विज प्रतियोगिता और निःशुल्क यात्रा

महापौर श्री अन्नू ने बताया कि इस कांफ्रेंस के तहत आयोजित 'वर्ल्ड रामायण क्विज प्रतियोगिता' के 105 विजेताओं को श्रीलंका और अयोध्या की निःशुल्क यात्रा कराई जाएगी। यह प्रतियोगिता 21 दिसंबर को ऑनलाइन आयोजित होगी, जिसमें देशभर के युवा भाग ले सकते हैं। महापौर ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रामायण की शिक्षाओं से जोड़ना और उन्हें युवा रामायण राजदूत बनने का अवसर प्रदान करना है। यह यात्रा युवाओं को रामायण के ऐतिहासिक स्थलों से सीधे जुड़ने का अविस्मरणीय अनुभव देगी। विधायक अजय विश्नोई ने बताया कि चौथे वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस का आयोजन 2 से 4 जनवरी तक होगा। उन्होंने इसे केवल सम्मेलन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागरण का महाकुंभ बताया। डॉ. अखिलेश गुमास्ता ने कहा कि यह पहल 1 लाख से अधिक युवाओं को जोड़ने की सार्थक कोशिश है। महापौर ने कॉलेजों के प्राचार्यों से सहयोग मांगा और कहा कि इस कांफ्रेंस को ऐतिहासिक स्वरूप देने में केंद्र, राज्य सरकार और नगर निगम की अहम भूमिका रहेगी। आयोजन ब्रम्हर्षि मिशन समिति, विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी और धर्मशास्त्रनेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

65 लाख परिवारों तक पहुंचेगी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की टोली

महाकौशल प्रांत में कल से व्यापक गृह संपर्क अभियान शुरू

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर महाकौशल प्रांत में रविवार 30 नवंबर 2025 से व्यापक गृह संपर्क अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान महाकौशल प्रांत के 10 विभाग, 34 जिले, 23914 ग्राम और नगरीय क्षेत्र की 894 बस्तियों में संचालित होगा और लगभग 65 लाख परिवारों तक पहुंचेगा। हर घर तक पहुँचने के लिए 5-5 स्वयंसेवक तथा विभिन्न क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं की टोली बनाई गई है। प्रत्येक टोली में 2 मातृशक्तियों को भी जोड़ा गया है। महाकौशल प्रांत प्रचार प्रमुख विनोद दिनेश्वर ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज की बातों को सुनना और संवाद स्थापित करना है, ताकि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

15 दुकानदारों पर चालान, 3100 रुपए जुर्माना वसूला

जबलपुर में स्वच्छता उल्लंघन पर निगम की सख्त कार्रवाई

जबलपुर। नगर निगम ने शहर में स्वच्छता और नियमों के उल्लंघन पर बड़ा कदम उठाया है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर संभाग-4 और संभाग-12 में विशेष अभियान चलाया गया। टीम ने डोर-टू-डोर निरीक्षण के दौरान कई दुकानों और होटलों में डस्टबिन न रखने, कचरा खुले में फेंकने और व्यापार लाइसेंस न होने की खामियां पाई। कुल 15 प्रतिष्ठानों पर चालान काटा गया और 3100 रुपए का स्पॉट फाइन वसूला गया। यह जुर्माना सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट बायलॉज के तहत लिया गया। राम प्रकाश अहिरवार ने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि शहरवासियों में स्वच्छता और जिम्मेदारी का व्यवहार बदलना है।" निगम ने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और अन्य संभागों में भी तेजी से लागू किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों और व्यापारियों से अपील की है कि गीले और सूखे कचरे के लिए अलग डस्टबिन रखें और अपने व्यवसाय को वैध लाइसेंस से पुख्ता करें।

जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 19 लाख 25 हजार 472 है। इनमें से अभी तक 14 लाख 64 हजार 414 मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

एसआईआर : 76.05 फीसदी गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूरा

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के अंतर्गत जिले में मतदाताओं से प्राप्त गणना प्रपत्रों में से अभी तक 76.05 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 19 लाख 25 हजार 472 है। इनमें से अभी तक 14 लाख 64 हजार 414 मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

मतदाताओं से प्राप्त गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के कार्य में पाटन विधानसभा क्षेत्र जिले की आठो विधानसभा क्षेत्र में लगातार आगे बना हुआ है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम 8 बजे तक 88.69 प्रतिशत गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के साथ पहले स्थान पर है। मतदाताओं से प्राप्त गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन में विधानसभा क्षेत्र सिहोरा 87.31 फीसदी के साथ दूसरे तथा विधानसभा क्षेत्र बरगी 86.47 फीसदी गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के साथ जिले में तीसरे स्थान पर है।

गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन में विधानसभा क्षेत्र पनागर 81.76 फीसदी के साथ चौथे, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर उत्तर 70.70 फीसदी के साथ पांचवे एवं विधानसभा क्षेत्र जबलपुर केंट 63.87 के साथ छटवें स्थान पर है, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पूर्व 62.87 के साथ सातवें स्थान पर तथा विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पश्चिम 62.81 फीसदी गणना पत्रकों के साथ आठवें स्थान पर है।

धान उपार्जन : सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों का सत्यापन 12 दिसम्बर तक पूरा करने के निर्देश

जबलपुर। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज बेचने के लिए पंजीकृत सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों के सत्यापन के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश के कुछ जिलों में ई-उपार्जन पोर्टल पर सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों के अनुबंध दस्तावेज अपलोड नहीं पाए जाने पर फर्जी पंजीयन की आशंका को देखते हुए शासन ने ऐसे पंजीकृत किसानों का सत्यापन करने के निर्देश दिये हैं तथा सत्यापन की यह प्रक्रिया 12 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश जारी किये है।

सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों का सत्यापन पंजीयन केंद्रवार खाद्य, सहकारिता और राजस्व विभाग के अधिकारियों का संयुक्त दल करेगा। यह दल सहकारी समितियों और विपणन संस्थाओं के पंजीयन केंद्रों पर जाकर सिकमी और बटाईदार किसानों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुबंध दस्तावेजों की भौतिक सत्यता की गहनता से जाँच करेगा। संयुक्त दल न केवल पोर्टल पर दर्ज रकबे और फसल का मिलान अपलोड किए गए अनुबंध से करेगा, बल्कि मूल भूमि स्वामी से भी संपर्क कर यह पुष्टि करेगा कि उन्होंने वास्तव में अपनी भूमि सिकमी या बटाई पर दी है या नहीं। इसी प्रकार, वन पट्टाधारी किसानों के दावों की पुष्टि वन विभाग के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी।

संयुक्त दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन और कलेक्टर के अनुमोदन के बाद ही ई-उपार्जन पोर्टल पर डीएसओ लॉगिन से इसे अपडेट किया जाएगा। केवल वे ही किसान अपनी फसल बेचने के लिए स्लॉट बुकिंग कर पाएंगे जिनका सत्यापन सफल रहेगा। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि 12 दिसंबर तक यह कार्यवाही हर हाल में पूर्ण कर ली जाए ताकि वास्तविक किसानों को उपज बेचने में कोई असुविधा न हो और संदिग्ध पंजीयनों को प्रणाली से बाहर किया जा सके।

चार लोगों को मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया, अब हालत सामान्य

ग्राम निगरी में उल्टी-दस्त की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग की त्वरित कार्रवाई, सभी पीड़ित स्वस्थ

जबलपुर। जबलपुर तहसील के ग्राम निगरी के बाजार मोहल्ला में शुक्रवार की रात अचानक लोगों को उल्टी और दस्त की शिकायत हुई। सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घर-घर जाकर पीड़ितों का उपचार किया। करीब 62 लोग उल्टी-दस्त से पीड़ित पाए गए, जिनमें से चार लोगों—निम्मी बाई पटेल (52), शिवकुमार पटेल (40), आलोक पटेल (14) और ज्योति श्रीपाल (32)—को सतर्कता के तौर पर मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया। सभी की हालत अब सामान्य है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा ने बताया कि बीमारी के पीछे पेयजल पाइपलाइन में लीकेज और उसमें लंबे समय से जमा पानी के कारण संक्रमण और फंगस पाया गया। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत पानी की सप्लाई बंद करवाई और सरपंच व ग्राम सचिव को सुधार के निर्देश दिए। साथ ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने पानी का सैंपल जांच के लिए लिया। टीम अब भी ग्राम निगरी में मौजूद है और लगातार निगरानी रख रही है। डॉ. मिश्रा ने ग्रामीणों से सावधानी बरतने और पानी की साफ-सफाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

सूचना देने वाले का नाम रखा जायेगा गुप्त

धान के अवैध भंडारण की सूचना देने वालों को मिलेगा 21 हजार रूपये तक का नकद इनाम

जबलपुर। समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की प्रक्रिया से बिचौलियों को दूर रखने तथा वास्तविक किसानों को ही धान की खरीदी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक और बड़ी पहल की है। प्रशासन ने अवैध धान के भंडारण की सूचना देने वाले नागरिकों को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। सूचना देने के लिए दो मोबाईल नंबर भी जारी किये गये हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्णतः गुप्त रखा जाएगा।

धान के अवैध संग्रहण की सूचना देने वालों को नगद पुरस्कार देने की यह पहल कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर की गई है। इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि कुछ व्यापारी और बिचौलिए किसानों से कम मूल्य पर धान खरीद कर या अन्य जिलों से लाकर इसे फर्जी तरीके से किसानों के नाम पर उपार्जन केंद्रों पर बेचने का प्रयास करते हैं। यह कृत्य न केवल शासन को आर्थिक क्षति पहुँचाता है, बल्कि वास्तविक किसानों को समर्थन मूल्य के लाभ से वंचित करता है। इस पर नागरिकों के सहयोग से ही ज्यादा प्रभावी तरीके से रोक लगाई जा सकती है। धान के अवैध संग्रहण की सूचना देने वाले नागरिकों को पुरस्कार जब्त की गई मात्रा के अनुसार प्रदान किए जाएंगे। यदि कोई व्यक्ति 100 क्विंटल से 200 क्विंटल तक अवैध धान भंडारण की सूचना देता है, तो उसे 5 हजार का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं, 200 क्विंटल से 500 क्विंटल तक की जानकारी के लिए 11 हजार रूपये की पुरस्कार राशि दी जायेगी। इसी प्रकार 500 क्विंटल से अधिक धान के अवैध संग्रहण की सूचना देने वाले सूचनादाता को 21 हजार रूपये का नकद इनाम दिया जाएगा। धान के अवैध संग्रहण की सूचना नागरिकों द्वारा सीधे कलेक्टर जबलपुर के सीयूजी मोबाईल नंबर 6269113327 अथवा संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन के सीयूजी मोबाईल नंबर 6269113387 पर दी जा सकेगी। नागरिकों द्वारा इन नम्बरों पर व्हाट्सएप के माध्यम से बिचौलियों की जानकारी, फोटो, या वीडियो भी प्रदान किए जा सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्णतः गुप्त रखा जाएगा।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 223. संतराम महिलांग पिता\पति राम दास पता- शारदा विहार म.न.178 नगर पंचायत माना कैम्प, 224. रितिका साहू पिता\पति रामचंद साहू पता - कटोरा तालाब रायपुर, 225. संतोष कुमार सोनी पिता\पति लोचन सोनी पता - मठपारा के पास गभरापारा, 226. भुनेश्वरी वर्मा पिता\पति खोमन लाल वर्मा पता– बिरगांव, 227. दीपक कुमार सेन पिता\पति जंतू राम सेन पता - तेलीबांधा रायपुर, 228. तरुण धनकर पिता\पति भारत धनकर पता - न्यू शांति नगर रामेश्वर मंदिर के पास शंकर नगर, 229. सुनीता निषाद पिता\पति स्व. मुन्ना लाल निषाद पता- सूरज नगर लभांडी, 230. गणेश्वरी पाल पिता\पति रूपराम पाल पता - शीतला चौक मठपारा रायपुर, 231.निखिल पाल पिता\पति जग्गू राम पाल पता - कृष्णा नगर रायपुर, 232. घनश्याम साहू पिता\पति श्री हरिहर प्रसाद साहू पता - डोमा सेजबहार रायपुर, 233. भोजेंद्र देवांगन पिता\पति राजेश कुमार देवांगन पता- तर्रा सुरसाबाँधा, 234. अपर्णा साहू पिता\पति भारत साहू पता- लाल बगीचा धमतरी, 235. महेंद्र कुमार पिता\पति गुहलेद राम पता- भोथली, 236. नेहा पिता\पति जय प्रकाश पता- संजय नगर शिक्षक कोलोनी कुरूद, 237. शिवभोला वैष्णव पिता\पति स्व.प्रेम दस वैष्णव पता- अर्जुनी डोंगरगांव, 238. लक्की पिता\पति थानेश्वर पता- भटगांव धमतरी, 239. शेषनारायण दास वैष्णव पिता\पति गोबिन्द दास वैष्णव पता- मुचेदंड खुर्सीटिकल राजनादगांव, 240. सैय्यद मोहम्मद अलीम पिता\पति सैय्यद मोहम्मद अली पता- बेमेतरा, 241. काविश पाण्डेय पिता\पति अभिषेक पाण्डेय पता- भानुप्रतापपुर, 242. मयंक कुमार पिता\पति दीपक कुमार सेन पता- नवागांव, 243 अर्नव वाकचौरे पिता\पति राजेश वाकचौरे पता- गुप्ता भवन, शांति नगर जगदलपुर, 244. चांदनी तांडी पिता\पति गजेन्द्र तांडी पता- कोमाखान महासमुंद, 245. तोरणराम नेताम पिता\पति स्व. निमेंश नेताम पता-कोर्ट कॉलोनी कवर्धा, 246. भावना साहू पिता\पति गोपीचंद साहू पता- लवन, 247. योगांत यादव पिता\पति राजेंद्र यादव पता- डी. एन. के. कोंडागांव, 248. गीता देवांगन पिता\पति द्वारिका प्रसाद देवांगन पता-भिलाई -3 रेलवे कॉलोनी -7, 249. पूर्णिमा बेहेरा पिता\पति राजेंद्र बेहेरा पता-भिलाई, 250. कल्याणी साहू पिता\पति स्व. हीरा राम साहू पता-पदुम नगर भिलाई -05, 251. भारती राव पिता\पति रमेश राव पता-खुर्शिपार भिलाई, 252. गुरमीत कौर भाटिया पिता\पति उजागर सिंह भाटिया पता-गुरुद्वारा रोड संतरा बाड़ी दुर्ग, 253. आर्या देशमुख पिता\पति संजय देशमुख पता- देशमुख बाड़ा स्टेशन रोड, 254. डाली देवांगन पिता\पति बालमुकुन्द देवांगन पता- शंकर नगर दुर्ग, 255. लक्ष्मी देशलहरे पिता\पति बी.डी. देशलहरे पता-प्लाट -33 भिलाई राधिका नगर, 256. हेमा श्रीवास पिता\पति सुनील कुमार श्रीवास पता- वार्ड न. -12 जवाहर नगर भिलाई 24/29, 257. बीना पिता\पति युगल किशोर पता- अंडा, **बिलासपुर संस्करण-** 258. माया त्रिपाठी, पिता/पति- राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी पता- सागर होम्स फेस 1, बिलासपुर 259. उमा शर्मा पिता/पति इंद्रधवन तिवारी, पता- बिलासपुर 260. संगीता शर्मा, पिता/पति- रामशरण दुबे पता- कुदुदंड बिलासपुर, 261. सुशील कुमार शर्मा, पिता/पति- बहोरिक लाल शर्मा, पता- बिलासपुर 262. शांभवी दुबे पिता/ पति- मधुरंजन दुबे पता- मोपका बिलासपुर 263. ओंकार सिंह चंद्रा पिता/पति एस.एल.चंद्रा पता- बिलासपुर 264. श्रेयांश सूर्यवंशी पिता/पति- अशोक सूर्यवंशी पता- जरहाभाठा, राजीव गांधी चौक, बिलासपुर 265.बसंत बघेल पिता/पति- स्व.कपूर दास बघेल पता- कानन पेण्डारी, बिलासपुर 266. रानी अग्रवाल पिता/पति- संतोष कुमार अग्रवाल पता- तेलीपारा बिलासपुर 267. ममता सिंह राजपूत पिता/पति- विनोद राजपूत पता- मंगला बिलासपुर 268. अनंत कुमार पांडेय, पिता/पति- स्व. भास्कर पांडे, पता- एलआईजी 227, देवरीखुर्द, बिलासपुर 269.धनीलाल साकत पिता/पति- स्व. रामलाल साकत, पता- इंद्रा कॉलोनी, तारबाहर, बिलासपुर 270.रूचि यादव पिता/पति- कार्तिक राम यादव पता- बी.आर.यादव नगर, बहतराई, बिलासपुर 271.हरमीत कौर छाबड़ा पिता/पति-प्रीतम सिंह होरा पता-शिवाजी मार्ग, टिकरापारा बिलासपुर 272.सारंग पांडेय पिता/पति- संतोष पांडेय, पता- बिलासपुर,273. नारायणी साहू पिता/पति- रामकुमार साहू, पता- देवरीखुर्द बिलासपुर 274. कोमल वर्मा पिता/पति- धर्मेन्द्र कुमार वर्मा पता- कालिका नगर तिफरा, बिलासपुर 275. खिलेश साहू पिता/पति- रामनारायण, पता- श्याम नगर लिंगियाडीह बिलासपुर 276. प्रज्ञा यादव पिता/पति- ऋषिकांत यादव, पता- हांफा जिला बिलासपुर 277. ज्योति गुप्ता पिता/पति- आनंद कुमार गुप्ता, पता- दयालबंद बिलासपुर 278. दीपक जायसवाल पिता/पति- रामकृष्ण जायसवाल, पता- देव नगर कोनी, जिला बिलासपुर 279. गंगा शुक्ला पिता/पति- दिनेश शुक्ला पता- करबला रोड बिलासपुर 280. केदारनाथ शुक्ला पिता/पति- सचेतराम गुप्ता पता- लखराम, जिला बिलासपुर, **भोपाल संस्करण-** 281. छोटी बाई बंजारा पिता\पति - रामचरण बंजारा पता- सुंदरपुरा पोस्ट उकावद तहसील मकसूदनगढ़ गुना, 282. लाली गौर पिता\पति - नीलेश गौर रहटगांव, 283. ममता राजपूत पिता\पति - कैलाश सिंह पता- राजपूत रायसेन, 284. उपेन्द्र सिंह राठौर पिता\पति -बिसोनिया पता- राजगढ़, 285. लक्ष्मीनारायण साहु पिता\पति- रमेश कुमार साहु 199 शंकर नगर पलासी करोद, 286. प्रियंका पाण्डेय पिता\पति - राजकुमार पाण्डेय 608 मुरली नगर, 287. स्वीटी यादव पिता \पति - राधेश्याम यादव पीपल चौराहा करोद, 288. मेघा मालवीय पिता\पति –धनी राम राहुल नगर हर्षवर्धन नगर, **जबलपुर संस्करण-** 289. राजेश कुमार जैन पिता\पति - रमेश चंद्र जैन कोतमा अनूपपुर, 290. महेश कुमार श्रीवास्तव पिता\पति- कंचन सिंह श्रीवास्तव छपारा जिला सिवनी, 291. आदिल खान पिता\पति - सुमिर मोहम्मद छपारा सिवनी, 292. राजेश कुमार जैन पिता\पति - रमेश चंद्र जैन कोतमा अनूपपुर, 293. हर्षराज जैन पिता\पति - रजनीश कुमार जैन कोतमा अनूपपुर, 294. काजल यादव पिता\पति - दुर्गा प्रसाद यादव गोविंद गोविंद गांव वार्ड नंबर 11 कोतमा अनूपपुर, 295. पूर्णिमा सोनी पिता\पति- कैलाश प्रसाद सोनी बिजली अनूपपुर, 296. तनिष्का चतुर्वेदी पिता\पति- H.K चतुर्वेदी अनूपपुर।

नियम एवं शर्तें लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

न रसीद, न बोर्ड, पर्यटकों से बदसलूकी, अवैध वसूली जारी

आखिर किसकी शह पर चल रहा पंचवटी में अवैध स्टैंड?

भेड़ाघाट

विश्वप्रसिद्ध संगमरमर की वादियों का दीदार करने देश–विदेश से आने वाले पर्यटक जहां प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने पहुंचते हैं, वहीं पंचवटी क्षेत्र में अवैध स्टैंड और वहां होने वाली वसूली उनकी यात्रा को कड़वा कर रही है। स्थिति यह है कि अवैध स्टैंड पर न तो किसी प्रकार की रसीद दी जाती है और न ही नगर परिषद भेड़ाघाट का कोई अधिकृत बोर्ड लगाया गया है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ सैलानी भी इसे नगर परिषद के अधिकारियों की शह पर चल रहा “खुला खेल” बता रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग की जमीन पर अवैध स्टैंड

जिस जगह पर पर्यटकों के बैठने की सुविधा होनी चाहिए, वहां अवैध पार्किंग स्टैंड का संचालन किया जा रहा है। अधिकारियों की लापरवाही का आलम यह है कि यहां व्यवस्था सुधारने का नाम तक नहीं लिया जा रहा। पर्यटकों का कहना है कि उनसे बिना किसी रसीद के पार्किंग शुल्क वसूला जाता है और विरोध करने पर स्टैंड संचालक बदसलूकी पर उतर आते हैं।

नरसिंहपुर से आए मुकेश गुप्ता और उनके साथियों ने बताया कि जैसे ही उन्होंने गाड़ी पार्क की, उनसे शुल्क मांगा गया। जब उन्होंने रसीद की मांग की तो स्टैंड पर वसूली करने वालों ने अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने बताया कि न कहीं शिकायत दर्ज कराने का कोई नंबर लिखा था, न ही नगर परिषद का कोई बोर्ड लगा हुआ था। पर्यटकों का कहना है कि ऐसे लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए, जो सरकारी प्रणाली को धता बताकर अवैध वसूली कर रहे हैं।

अधिकारियों की मनमानी और प्रशासन की चुप्पी

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगर परिषद भेड़ाघाट के अधिकारियों पर कोई अंकुश नहीं दिख रहा। पर्यटकों की सुविधा सुनिश्चित करने में जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह विफल साबित हो रहे हैं। वहीं जिला प्रशासन भी नगर परिषद में फैली अव्यवस्थाओं पर गंभीरता नहीं दिखा रहा, जिससे पर्यटक लगातार असुविधाओं का सामना कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच यह सवाल चर्चा में है कि अवैध वसूली को रोकने और बदसलूकी करने वालों पर कार्रवाई आखिर करेगा कौन?

शासकीय महाविद्यालय में गीता जयंती पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित

मझौली।

शासकीय महाविद्यालय मझौली में आज गीता जयंती के पावन अवसर पर एक प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों तथा अध्यापकगण को भगवद्गीता के दार्शनिक, आध्यात्मिक एवं कर्मप्रधान संदेशों से अवगत कराना रहा। उपस्थित सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम की विषयवस्तु, वक्ताओं के विचारों और सकारात्मक वातावरण की सराहना की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अभिलाषा दुबे ने गीता के कर्मयोग पर विस्तृत विचार व्यक्त करते हुए कहा कि निष्काम कर्म, कर्तव्यनिष्ठा और सतत प्रयास ही गीता के कर्म सिद्धांत का आधार है। उन्होंने बताया कि ये सिद्धांत व्यक्ति को आत्मबोध, स्थिरता और संतुलित जीवन की ओर अग्रसर करते हैं। इसके बाद नमन अवस्थी ने गीता के आध्यात्मिक एवं बौद्धिक पहलुओं पर प्रभावी चर्चा की। उन्होंने कहा—“यह वही संस्कृति रही है जिसने ईश्वर पर भी प्रश्न उठाए हैं इसलिए जानो, मानो मत।” उन्होंने विद्यार्थियों को तर्कशीलता, अध्ययनशीलता और सत्य की खोज की दिशा में प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीता सार का वाचन भी प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. भजनलाल प्रधान ने गीता की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शन देने वाला सार्वभौमिक ज्ञान है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. समृद्धि परांजपे ने किया। इस अवसर पर क्रीड़ाधिकारी डॉ. शालिनी यादव, गौरीक्रांत मिश्रा, डॉ. आमोद कस्तवार सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रा के हाथ से मोबाईल लूटकर भागे

जबलपुर। घमापुर थाना अंतर्गत कांचघर रोड पर कल शाम कोचिंग जा रही एक किशोरी का मोबाईल झपट कर बाईक सवार भाग गये. घटना के संबंध में घमापुर पुलिस ने बताया की खलासी लाईन निवासी कुमारी कनिष्का कोरी अपनी सहेलियों के साथ पैदल कांचघर कोचिंग जा रही थी. तभी शाम 4 बजे घमापुर चौक की तरफ से आए. बाईक सवार नकाब पोश उसके हाथ से मोबाईल लेकर भाग गये. रिपोर्ट पर धारा 304(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवचना में है।

अस्पताल के सामने से ई रिक्शा चोरी

जबलपुर। सिविल लाईन थाना अंतर्गत एल्गिन अस्पताल के सामने खड़े एक ई रिक्शे को अज्ञात चोर ले गये. पुलिस के मुताबिक हनुमानताल निवासी प्रद्युमन सोनकर अपने ई रिक्शा क्रमांक एमपी 20 आरए 0552 में अपनी पत्नी का इलाज कराने एल्गिन अस्पताल आया था. अस्पताल के अंदर से आधा घंटे बाद लौटने पर उसका ई रिक्शा नदारद था. पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

24 घंटों में 81 आरोपियों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

जबलपुर। जिला पुलिस बल ने असमाजिक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों को चिन्हित करते हुये उनपर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की है. पिछले 24 घंटे में 81 आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये पुलिस ने कच्ची व देसी शराब व चार अवैध हत्यार भी जप्त किये हैं. पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 81 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. और धारा 110 के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 133 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 18 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है।

इसी प्रकार 41 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 24 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 361पाव देशी अंग्रेजी एवं 118 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी तथा 6 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 2 तलवार, 2 बका, 2 चाकू जप्त किये गये।

कॉन्फ़िडरेशन का ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) जबलपुर

कैट जबलपुर की कार्यकारिणी गठित

जबलपुर।

कॉन्फ़िडरेशन का ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) जबलपुर की नव निर्वाचित कार्यकारिणी की घोषणा आज कैट प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र पचौरी, प्रदेश संरक्षक संदेश जैन एवं जबलपुर संभाग अध्यक्ष दीपक सेठी एवं प्रदेश मंत्री रोहित खटवानी की अनुशंसा पर जबलपुर अध्यक्ष राजीव बड़ेरिया की अध्यक्षता में कैट जबलपुर कार्यकारिणी टीम का गठन किया गया।

कैट जबलपुर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर जैसा की स्वदेशी अपनाएं, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चर्चा की गई, इस संस्था का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों के हितों की रक्षा करना है। आज की कार्यकारिणी बैठक में सभी ने एकजुट होकर जबलपुर के व्यापार को उन्नति की तरफ ले जाने पर कार्य करने की सहमति दी एवं आने वाले समय में व्यापार में आ रही चुनौतियों का सामना एकजुट होकर करने का संकल्प लिया।

कनफेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स कैट एवं स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत स्वदेशी संकल्प रथ यात्रा का आयोजन दिनांक 06 दिसंबर शनिवार को किया गया है, यह रथ यात्रा जबलपुर के प्रमुख बाज़ार के सभी व्यापारियों को जागरूक करने के उद्देश्य से की जा रही है।

बैठक में जितेंद्र पचोरी प्रदेश उपाध्यक्ष, दीपक सेठी सम्भागीय अध्यक्ष, संदेश जैन प्रदेश संरक्षक, जिला अध्यक्ष राजीव बड़ेरिया, उपाध्यक्ष निखिल पावा, भीमलाल गुप्ता, अरुण निखरा, विनय असाटी, अनिल नंदवानी, नवनीत माहेश्वरी, संदीप विजन, नितिन चंडोक, नीटू भाटिया, पिंकी जैन, राजा नागदेव, विवेक गोस्वामी, प्रवीण गुलाटी, मुकेश अग्रवाल (सुहागन), धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, मनु शरद तिवारी, राजेश जैन, पुनीत हांडा, दीपक कोहली, महामंत्री पद- संजय चड्डा, मंत्री तारु खत्री, नियुक्त किए गए।

सिहोरा में तीन दिन बाद प्रारंभ होगा क्रमिक अनशन

आंदोलन किसी दल के खिलाफ नहीं है बल्कि जिला बनाने का वायदा निभाने की मांग

सिहोरा।

सिहोरा जिला आंदोलन एक बार फिर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा रहा है। 9 दिसंबर से शुरू होने वाले सत्याग्रह को लेकर क्षेत्र के लोगों में नाराजगी स्पष्ट दिख रही है। सिहोरा वासियों का कहना है कि “जिला बनाने का वादा भाजपा ने चुनाव से पहले किया था, इसलिए इसे पूरा करना भी भाजपा की ही जिम्मेदारी है।

भाजपा नेताओं ने चुनावी मंच से दिया था आश्वासन

स्थानीय लोगों का आरोप है कि भाजपा नेताओं ने चुनावी मंचों से सिहोरा जिला बनाने का आश्वासन दिया था। अब जब जनता अपने अधिकार की मांग कर रही है तो नेता एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते नज़र आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि वादा सरकार ने किया था इसलिए अब पूरा न होना सीधे-सीधे भाजपा की साख पर चोट है। जनता का यह भी कहना है कि जब केंद्र से लेकर राज्य तक भाजपा की सरकार है फिर भी सिहोरा की अनदेखी क्यों?

लगातार हो रही समर्थन की घोषणाएं

वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भी लोगों ने नाराजगी जताई है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि वे सिहोरा जिला की मांग को गंभीरता से नहीं ले रहे। परिणामस्वरूप क्षेत्र में भाजपा के प्रति असंतोष बढ़ता दिख रहा है। वही सिहोरा क्षेत्र के समस्त राजनैतिक,सामाजिक,व्यवसायिक संगठनों द्वारा लगातार समर्थन की घोषणाएं भी आंदोलन को जनांदोलन के रंग में सराबोर कर रही है।

आन्दोलन को लेकर गरमाने लगा माहौल

सत्याग्रह के आयोजकों ने कहा है कि यह आंदोलन किसी दल के खिलाफ नहीं है बल्कि वादे निभाने की मांग है। उनका कहना है कि यदि भाजपा ने भरोसा दिया था तो उसे निभाने से पीछे नहीं हटना चाहिए। जैसे-जैसे 3 दिसंबर से क्रमिक भूख हड़ताल और 9 दिसंबर आमरण सत्याग्रह की तिथि नजदीक आ रही है सिहोरा में माहौल गरमाता जा रहा है और सवाल एक ही उठ रहा है भाजपा ने वादा किया है तो भाजपा पूरा करे।

श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

जबलपुर।

लक्ष्मी ट्रस्ट ऑफ इंडिया एवं राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा आगामी 30 नवंबर, रविवार को एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर कैलाश धाम मंदिर, मटा मार के पास स्थित लक्ष्मी रिसोर्ट में आयोजित होगा। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे एवं स्वास्थ्य शिविर के संयोजक पत्रकार पंकज डे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह स्वास्थ्य शिविर संस्कारधानी जबलपुर के प्रसिद्ध एवं अनुभवी चिकित्सकों की उपस्थिति में आयोजित किया जा रहा है।

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टर नेत्र विशेषज्ञ : डॉ. पवन स्थापक, डॉ. राजेश धीरवाणी, डॉ. दीपक बहरानी

स्त्री रोग विशेषज्ञ : डॉ. रिचा बहरानी, डॉ. सोनम बहरानी। किडनी रोग विशेषज्ञ : डॉ. आनंद बहरानी

हड्डी रोग विशेषज्ञ : डॉ. अतिन धीरवाणी। नाक, कान, गला (ईएनटी) विशेषज्ञ : डॉ. शिरीष, डॉ. अक्षय ताम्रकार। दंत रोग विशेषज्ञ : डॉ. कर्नल वी. एस. कोहली एवं इसके अलावा मेडिकल, विक्टोरिया अस्पताल के अन्य विषय विशेषज्ञ डॉक्टर भी शिविर में मौजूद रहेंगे। शिविर में मरीजों को निःशुल्क जांच एवं दवाओं का वितरण किया जाएगा। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक नलीनकांत बाजपेई, प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे, प्रदेश मुख्य महासचिव विलोक पाठक, प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, संभाग अध्यक्ष पं. चंद्रशेखर शर्मा, जिलाध्यक्ष सिमरन सिंह शुक्ला सहित वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने परिषद के सभी राष्ट्रीय, प्रादेशिक, संभागीय एवं जिला स्तरीय सदस्यों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है। पत्रकार साथियों से विशेष अनुरोध है कि वे 30 नवंबर, रविवार को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक, खमरिया स्थित कैलाश धाम मंदिर के नीचे लक्ष्मी रिजॉर्ट में आयोजित इस विशाल स्वास्थ्य शिविर में पहुँचकर न केवल अपनी जांच कराएँ बल्कि आयोजन को सफल बनाने में सहयोग भी करें।

बिखरेगी लोक रंग संग काव्य रसधारा

जबलपुर।

कालजयी अनिल कुमार श्रीवास्तव फाउंडेशन द्वारा लोक रंग, संगीत और कविताओं के अनोखे संयोजन ₹अक्षर₹ का आयोजन किया जा रहा है। रानी दुर्गावती संग्रहालय स्थित कला वीथिका में 30 नवम्बर शाम 6 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। जहां ₹ हमाई बुंदेली₹ के अंतर्गत दमोह से आए बुंदेली कवि रमेश तिवारी और जबलपुर के बुंदेली कवि आशुतोष द्विवेदी बुंदेली कविताओं का पाठ करेंगे। आयोजन के अगले चरण ₹ काव्य संध्या₹ में कविताओं का पाठ किया जाएगा। जहां प्रयागराज से आए युवा कवि केतन यादव, प्रयागराज की ही युवा कवियत्री रूपम मिश्रा काव्य पाठ करेंगे। इनके साथ ही भोपाल के रंगकर्मी,कवि हेमंत देवलेकर और जबलपुर की युवा कवियत्री बाबुषा कोहली भी ठंड की सुहानी शाम में काव्य रसधारा प्रवाहित कर श्रोताओं और दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम भाग ₹कविता ताल₹में शहर के तबला वादक लोकेश मालवीय अलंकृति श्रीवास्तव के साथ कविताओं और तबले की जुगलबंदी प्रस्तुत करेंगे। जिसमें देश भर के जाने माने कवियों की कविताओं को शामिल किया गया है।

नरसिंह मंदिर में गीता जयंती महोत्सव कल

जबलपुर। नरसिंह मंदिर शास्त्री ब्रिज में गीता परिषद के तत्वाधान में इस वर्ष भी गीता के उद्घोषक भगवान श्री कृष्ण की गीता जयंती महोत्सव सोमवार 1 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से श्रीमद जगतगुरु डॉ स्वामी नरसिंहदेवाचार्य महाराज नगर के संतो व गणमान्य नागरिकों के सानिध्य में होगा।

जिसमें स्वामी रामचन्द्रदास वेद वेदान्त विद्यालय के बटुक विद्यार्थियों द्वारा संपूर्ण गीता पाठ, विद्वानों के गीता के जीवन दर्शन पर प्रवचन और उद्बोधन होंगे। ततपश्चात आरती प्रसादी होगी। सभी गीता भक्तों से धर्म लाभ लेने का आग्रह श्री सनातन धर्म महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, अशोक मनोध्याय, गुलशन मखीजा, लक्की भाटिया, हरीश सभरवाल, सुनीता चावला, अंजू भार्गव, गीता पांडे, कुसुम चौबे, प्रवेश खेड़ा, विष्णु पटेल, विध्येश भापकर, आदि ने किया है।

किशोरों के अधिकारों व दायित्वों के संबंध में जागरुक किया

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का आयोजन

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा उड़ान पहल के अंतर्गत पंडित लज्जा शंकर झा विद्यालय, जबलपुर में किशोरों के सशक्तिकरण व उनके अधिकारों व दायित्वों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुमन श्रीवास्तव, सदस्य सचिव, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के जागरूकता सत्र से हुआ, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को पाक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रविधानों, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उसकी उपयोगिता व गलत व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठाने के प्रभावी तरीकों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

गुरमुख सिंह लांबा, सीनियर टेक्निकल कंसल्टेंट, किशोर न्याय समिति ने ज्बच्चों के संवैधानिक व वैधानिक अधिकारों पर एक विस्तृत सत्र लिया। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम तथा बाल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय की शिक्षिका अनुराधा सिंह द्वारा उमंग माड्यूल पर एक सत्र का संचालन किया गया। विद्यार्थी अमन कुमार को स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार व कुमारी शुभश्री चड़ार को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए जाने पर श्री सुमन श्रीवास्तव, सदस्य सचिव, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रशंसा पत्र प्रदान किए। उपमा गुप्ता, प्राचार्य, प्रदीप सिंह ठाकुर, जिला विधिक सहायता अधिकारी, अर्चना मिश्रा, उप-प्राचार्य जितेंद्र वैद्य, व्याख्याता, पंडित लज्जा शंकर झा विद्यालय शामिल रहे।

ग्राम जुनवानी में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन

बरेला।

ग्राम जुनवानी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कुशवाहा परिवार के द्वारा किया जा रहा जिसमे कथा व्यास आचार्य धर्मेंद्र व्यास जी महाराज जी के द्वारा सुदामा चरित्र, ग्रस्त लीला एवं 24 गुरुओ की कथा की विवेचना कर श्रोताओं को मन मुग्ध किया। इस अवसर पर शारदा मन्दिर बरेला के व्यवस्थापक एवं सरपंच आशीष शुक्ला ने उपस्थित हो कर व्यास पीठ का पूजन कर आशीर्वाद लिया।

रसायनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव को रोकने प्रयास, कृषि उपज मंडी में प्रत्येक रविवार सजेगा जैविक हाट

जबलपुर। जबलपुर शहर के नागरिकों को अब रासायनिक खादों और कीटनाशकों से मुक्त शुद्ध, सात्विक एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल की गई है। वर्तमान दौर में खाद्य पदार्थों में बढ़ते रसायनों के प्रयोग और उससे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा शहर की कृषि उपज मंडी प्रांगण में 'जैविक हाट' की शुरुआत की जा रही है। यह हाट इसी रविवार से प्रारंभ होकर आगामी प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि जिले में ऐसे अनेक प्रगतिशील किसान हैं जो पूर्णतः प्राकृतिक और जैविक पद्धति से खेती कर रहे हैं, किंतु उचित मंच न मिल पाने के कारण वे सीधे उपभोक्ताओं तक अपनी उपज नहीं पहुंचा पा रहे थे। इस 'जैविक हाट' के माध्यम से उत्पादक और उपभोक्ता के बीच की दूरी को समाप्त करने का प्रयास किया गया है। कृषि उपज मंडी प्रांगण में लगने वाला यह हाट प्रत्येक रविवार को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक संचालित होगा, जिसमें स्वयं किसान अपने खेतों से तोड़े गए ताजे उत्पाद लेकर उपस्थित रहेंगे।

इस हाट में उपभोक्ताओं के लिए दैनिक उपयोग की लगभग सभी महत्वपूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध रहेगी। यहाँ आने वाले नागरिक किसानों से सीधे गेहूं, चना, उड़द दाल, मूंग दाल, अरहर दाल एवं चावल जैसे अनाज खरीद सकेंगे। इसके अतिरिक्त हरी साग-सब्जियों में पालक भाजी, लौकी, सेम, गाजर, टमाटर, बैगन तथा अन्य मौसमी सब्जियां भी उपलब्ध रहेंगी।

वक्फ संपत्तियों को ‘उम्मीद पोर्टल’ पर अपडेट करने हेतु सहायता शिविर आज

जबलपुर। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देश के अनुसार देशभर की वक्फ संपत्तियों एवं वक्फ समितियों को 4 दिसम्बर 2025 तक उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपडेट करना है। जानकारी के अभाव में कई वक्फ समितियाँ एवं मुतवल्ली इस कार्य को पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

इसी समस्या को देखते हुए मुस्लिम लीगल एड. एण्ड वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा दूसरा शिविर आज रविवार को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सुब्बाह शाह स्थित आदर्श स्कूल में आयोजित होगा।

सोसायटी के अध्यक्ष शबाब खान, उपाध्यक्ष रिजवान खान, सचिव फिरोज अंसारी, मासूम खान,जफर खान,शेख अजीम,शफी खान,मोहतिशिम खान मोनू, आदिल खान,रहीस खान आदि ने मसाजिद,ईदगाह, दरगाह, कब्रिस्तान कमेटियों से सहायता शिविर में उपस्थित होकर वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपडेट करने की अपील की है।

श्रीमती सुमित्रा पांडे- विजय नगर निवासी श्री एलआर पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा पांडे (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अर्जुन सिंह बेन- ईसाई मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री अर्जुन सिंह बेन (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री दुर्गा प्रसाद कुर्मी- ग्राम चौघड़ा समाधि रोड गौर निवासी श्री दुर्गा प्रसाद कुर्मी (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भागवती सोनकर- खेरमाई वार्ड निवासी श्री रामकुमार सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती सोनकर (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री आनंदी लाल बावरिया- गली नं. 21, सदर निवासी श्री आनंदी लाल बावरिया (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती बड़ी बाई प्रजापति- गोरखपुर आर्य समाज मंदिर के पास निवासी श्री रोशन लाल प्रजापति की धर्मपत्नी श्रीमती बड़ी बाई प्रजापति (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती इंद्रा जाटव- झिरिया सदर स्थित सतीश का बगीचा निवासी श्री कैलाश जाटव की धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रा जाटव (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक गुजराती- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री अशोक गुजराती (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुबीर कुमार धर- प्रियदर्शिनी कॉलोनी डुमना रोड निवासी श्री सुबीर कुमार धर (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक सिंह ठाकुर- पुष्पक नगर अधारताल निवासी श्री दीपक सिंह ठाकुर (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संतोष कुमार सागर- जसूजा सिटी धनवंतरी नगर निवासी श्री संतोष कुमार सागर (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुनील कोष्टा- फूटाताल कोष्टा मोहल्ला निवासी श्री सुनील कोष्टा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुकेश मलिक- पुलिस लाइन सदर निवासी श्री मुकेश मलिक (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जस्सूमल लोकवानी- महानद्दा हाथीताल रोड निवासी श्री जस्सूमल लोकवानी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री शारदा यादव- बहना मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री मूलचंद यादव की पुत्री सुश्री शारदा यादव (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सूरज चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री रमेश चौधरी के पुत्र श्री सूरज चौधरी (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अध्या प्रसाद जायसवाल- मोतीराम कम्पाउंड निवासी श्री अध्या प्रसाद जायसवाल (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री नरेश चंद्र केसरवानी- गढाफाटक निवासी श्री नरेश चंद्र केसरवानी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

विधानसभा शीत सत्रः अब परिसर में विधायकों की नारेबाजी और प्रदर्शन पर रोक हटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एक दिसंबर से शुरू होने जा रहे विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों द्वारा विधानसभा परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन करने पर रोक का फरमान विधानसभा सचिवालय ने इस बार हटा दिया है। वहीं मंत्रियों और सदस्यों की सुरक्षा में तैनात अंगरक्षक इस बार विधानसभा परिसर में प्रवेश कर सकेंगे लेकिन विधानसभा भवन में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। इसी वर्ष जुलाई निज सहायक और ड्रायवर की जानकारी तलब 2025 में आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष के आदेश पर तत्कालीन सदस्यों के निज सहायक तथा वाहन चालक का नाम मय वाहन क्रमांक मांगा गया है। दर्शक दीर्घा में प्रमुख सचिव विधानसभा एपी सिंह ने विधायकों के विधानसभा परिसर में सदस्यों की अनुशंसा पर केवल दो व्यक्तियों को ही परिसर प्रवेश पत्र प्रदाय किया जाएगा।

खास बातें

- इस बार परिसर में आ सकेंगे अंगरक्षक
- वाहन में भी गैर प्रवेशपत्र धारक को नहीं ले जा सकेंगे विधायक
- केवल दो लोगों को ही प्रवेश पत्र प्रदाय हो सकेगा

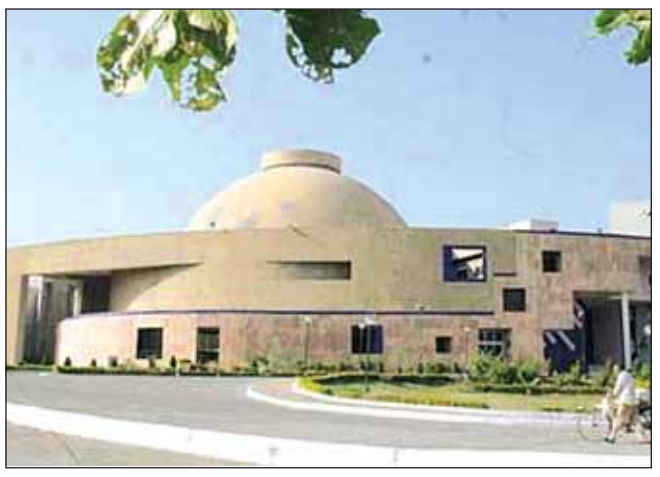

एक घंटे के लिए प्रवेश की अनुमति

मंत्रियों और एक घंटे के लिए प्रवेश की अनुमति होगी जिसे अलग-अलग घंटों में सदस्य की सुविधानुसार विधायकों की ड्यूटी पर तैनात अंगरक्षकों के साथ ही बड़े हथियारबंद सकेगा। सदस्य किसी गैर अथवा बिना प्रवेश पत्रधारी व्यक्ति को अपने साथ वाहन में बिठाकर अथवा पैदल विधान सभा परिसर एवं सदन की लाबी में प्रवेश नहीं करा सकेंगे। अंगरक्षकों का सत्रावधि में परिसर में प्रवेश वर्जित किया गया था।

सुरक्षा कारणों से बदला गया नियम

इस बार एक दिसंबर से होने वाले विधानसभा सत्र के लिए मौजूदा प्रमुख सचिव विधानसभा अरविंद शर्मा ने सत्रकाल में विधानसभा परिसर की सुरक्षा, प्रवेशपत्र और पार्किंग व्यवस्था को लेकर जो निर्देश जारी किए है उनमें विधायकों को परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन की रोक संबंधित निर्देश को हटा दिया गया है हालाकि इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष के स्थायी आदेश 94(2) जारी है। अभी तक विधानसभा सत्र के दौरान सुरक्षा कारणों से मंत्री, विधायकों की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात अंगरक्षकों और हथियारधारी अंगरक्षकों का सत्रावधि में परिवर में प्रवेश वर्जित था। इस सत्र में अंगरक्षकों के परिसर में प्रवेश की व्यवस्था की गई है।

सुरक्षाकर्मियों के बैठने की व्यवस्था भी तय

मंत्री और विधायकों की सुरक्षा में तैनात अंगरक्षक अब परिसर की पार्किंग स्थल द्वार क्रमांक तीन के पास तक आ सकेंगे। विधायकों के वैध प्रवेशपत्र धारक सहायकों के बैठने और प्रतीक्षा करने की व्यवस्था द्वार क्रमांक एक के समीप ब भाग में स्थित नव निर्मित स्थायी शेड तथा द्वार क्रमांक तीन के समीप अस्थायी रूप से निर्मित शेड में की गई है। सहायक दोनो में से किसी भी स्थान पर बैठकर प्रतीक्षा कर सकेंगे।

खबर संक्षेप

बीओटी-ओएमटी योजना की मॉनिटरिंग करने तैनात होंगे इंजीनियर

भोपाल। मध्यप्रदेश में बीओटी, टोल सह वार्षिकी और ओएमटी योजना के तहत पूर्ण सड़क परियोजनाओं की मानीटरिंग करने इन सड़कों के संचालन और रखरखाव को लेकर राज्य सरकार को परामर्श देने मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कापोरेशन स्वतंत्र इंजीनियरों की तैनाती करेगा। मध्यप्रदेश में सात करोड़ पांच लाख और चार करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से से दो साल की अवधि में सड़कों का संचालन और रखरखाव अवधि के दौरान इनकी मानीटरिंग करने के लिए दो इंजीनियों की स्वतंत्रत रुप से तैनाती की जाएगी। ये इंजीनियर इन सड़कों के संचालन और रखरखाव को लेकर राज्य सरकार को परामर्श देने का काम करेंगे। सड़कों का चौड़ीकरण और उन्नयन तथा निष्पादन गारंटी अवधि में इन कामों का पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एकल पैकेज सलाहकार की तैनाती की जाना है। विजयपुर धरनावदा मार्ग जो कि गैल के पास विजयपुर शहरी भाग में बन रहा है वहां व्हाइट टॉपिंग से डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क का उन्नयन कार्य 3 करोड़ 89 लाख से किया जाना है। भोपाल मंदसौर फोर लेन विद पेव्ड शोल्डर एक्सेस कंट्रोल कॉरिडोर के लिए जाने वाले विकास कार्य के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाना है इसके लिए परामर्श सेवाएं ली जाना है।

एमपी के कई आईएएस ने एकीकृत पेंशन योजना के लिए नहीं दिया विकल्प

भोपाल। प्रदेश के कई आईएएस अधिकारियों ने अब तक एकीकृत पेंशन योजना के तहत विकल्प नहीं दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने ऐसे सभी आईएएस अधिकारियों को रिमाइंडर दिया है। उन्हें तीस नवंबर तक मौका दिया गया है। प्रदेश के आईएएस अधिकारियों को एकीकृत पेंशन योजना के विकल्प के लिए बार-बार निर्देशित करने के बाद भी कई आईएएस अधिकारी विकल्प का चयन नहीं कर रहे हैं। पहले सामान्य प्रशासन विभाग ने बारह जून 2025 को निर्देश जारी कर याद दिलाया था कि भारत सरकार की 24 जनवरी 2025 को जारी अधिसूचना और पीएफआरडीए की 19 मार्च को जारी अधिसूचना के अनुसार पेंशन फंड रेग्यूलेटरी एवं डेवलपमेंट अथार्टी रेग्यूलेशन 2025 के तहत एक अप्रैल 2025 तक के राष्ट्रीय पेंशन योजना एनपीएस के अभिदाता भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रेग्यूलेशन में विहित प्रारुप एक दो में एकीकृत पेंशन योजना के विकल्प का चयन तीस जून 2025 तक कर सकते है।

राजस्व वसूली में पिछड़ा निगम, 8 माह में 400 करोड़ वसूले

भोपाल। नगर निगम चालू वित्तीय वर्ष में राजस्व वसूली में पिछड़ रहा है। बीते आठ माह में 400 करोड़ रुपए राजस्व वसूली हो पाई है जबकि वित्तीय वर्ष समाप्ति के बाकी चार माह में 300 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में एसआईआर के चलते निगम के राजस्व विभाग के 800 से ज्यादा कर्मचारी लगे हैं। इससे राजस्व वसूली थम सी गई है। हालांकि राजस्व विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि आगामी माह में राजस्व वसूली में तेजी आएगी। सभी काम सरकारी हैं। कर्मचारी 4 दिसंबर के बाद राजस्व वसूली में जुटेंगे। दिसंबर के बाद जनवरी-26 से बकायादारों पर अधिभार लगना शुरू हो जाएगा, जो हर माह बढेगा।

भाषा और संस्कृति एक-दूसरे की सहज पूरक और संरक्षक भी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव को सीएम ने किया संबोधित

हिंदी लोकभाषा हमारे माथे की बिंदी नमस्कार बन गया वैश्विक संस्कार

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाषा और संस्कृति एक-दूसरे की सहज पूरक हैं और एक दूसरे के संरक्षक भी। संस्कृति, भाषा को वह कथा-बीज देती है, जिनसे लोक-साहित्य से लेकर वैश्विक साहित्य जन्म लेता है और भाषा, संस्कृति को वह अभिव्यक्ति देती है, जिससे परंपराएं पीढ़ियों तक सुरक्षित यात्रा कर पाती हैं। साहित्य का एक ही रंग होता है, राग और आनंद का। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा सच्चे अर्थों में लोक भाषा है।

हिन्दी हमारे माथे की बिन्दी है। हमारी संस्कृति ने अधिसत्ता नहीं, सदैव प्रभुसत्ता और लोक बन्धुत्व की भावना रखी। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की पवित्र भावना से ओत-प्रोत है। यही कारण है कि आज भारतीय संस्कृति दुनिया भर में अपनी अलग पहचान रखती है। नमस्कार अब वैश्विक शब्द बन गया है।

डॉ यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में साहित्य और कला के सबसे बड़े उत्सव 'विश्वरंग–2025 टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव' में देश-विदेश से आए साहित्यकारों, कलाकारों और युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

साहित्य सच्चे अर्थों में एक दीर्घ साधना

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि साहित्य सच्चे अर्थों में एक दीर्घ साधना है और साहित्यकार एक प्रयोगधर्मी साधक। साहित्यकार अपनी कल्पनाशीलता, चिंतन और रचनात्मकता से ऐसे शब्द गढ़ता है, जो कालांतर में अमर हो जाते हैं। उन्होंने साहित्य और कला को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि विश्वरंग जैसे आयोजन नई पीढ़ी में सृजनशीलता और संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करते हैं। डॉ यादव ने कहा कि रवीन्द्रनाथ टैगोर की विचारधारा और उनकी वैश्विक दृष्टि आज भी दुनिया भर में संवाद, सौहार्द और मानवता का संदेश देती है। विश्वरंग–2025 जैसा मंच साहित्य, कला, संगीत और संस्कृति को जोड़ने का माध्यम है। यह आयोजन हमारी समृद्ध देशज कला एवं संस्कृति का पोषक है। यह हमारे साहित्यिक वैविध्य में भी एकात्मकता का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव का संबोधन

भारत का उद्भव मातृ सत्ता के आधार पर

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा है कि दुनिया में कई देशों की अपनी-अपनी संस्कृति है, लेकिन भारत का उद्भव मातृ सत्ता के आधार पर विश्व बंधुत्व को लेकर आगे बढ़ने की रही है। ब्रिटिश काल से ही भारतवंशी दुनिया के अनेक देशों में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। भारतीय इतिहास पर नजर डालें, तो अंग्रेज कभी एग्रीमेंट कर भारतीयों को कृषि और पशुपालन सहित अन्य कार्यों के लिए अपने स्वामित्व वाले देशों में ले गए थे। इन्हीं को गिरमिटिया कहा गया है। तब अंग्रेजों ने देशभर से इन शुभ कार्यों के लिए सुयोग्य लोगों को चुना था। आज विश्वरंग के माध्यम से 70 देशों के साहित्यकार, कलाकार और संस्कृति संरक्षक भोपाल आए हैं। उन्होंने कहा कि कोविड के कठिन दौर में भारत ने 'जियो और जीने दो' के भाव के आधार पर बंधुत्व का संदेश दिया।

सात साल में सत्तर देशों तक पहुंचा विश्वरंग

विश्वरंग फांउडेशन के संस्थापक और रवीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ संतोष चौबे ने कहा कि विश्वरंग एक ऐसा आयोजन है, जिसकी शुरुआत मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से हुई। विश्वरंग के पहले आयोजन 2019 में केवल 16 देश शामिल थे, अब इसमें 70 से अधिक देश सहभागिता कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह सातवां आयोजन है। विश्वरंग में 40 देशों के 70 से अधिक साहित्यकार एवं पत्रकार सहभागिता कर रहे हैं। आयोजन में 1000 से अधिक अतिथि आए हैं। विश्वरंग में 100 से अधिक हिंदी पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा।

गीता प्रतियोगिता-पाठ में जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता जयंती महोत्सव के कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर दिए निर्देश

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

सीएम डॉ मोहन यादव ने 1 दिसंबर को गीता जयंती पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव पर राज्य में हो रहे कार्यक्रमों की तैयारी की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अभ्युदय मप्र (गवर्नेंस एंड ग्रोथ समिट) निवेश से रोजगार (अटल संकल्प उज्जवल मध्य प्रदेश) के अंतर्गत 25 दिसंबर को ग्वालियर में हो रहे कार्यक्रम के संबंध में भी अधिकारियों से चर्चा की। डॉ यादव ने गीता महोत्सव के संबंध में मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा जिला कलेक्टर्स और पुलिस अधिकारियों से चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सबके लिए आवास की अवधारणा से गरीब परिवारों को मिल रहा अपना आवास

पीएम आवास योजना (शहरी) में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अपनाए गए नवाचार और प्रभावी रणनीतियों से मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य में शामिल

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट अवार्ड की श्रेणी में दूसरे स्थान पर है। योजना के क्रियान्वयन में अपनाए गए नवाचार तथा प्रभावी रणनीतियों से प्रदेश देश में अग्रणी स्थान पर बना रहा है। उन्होंने कहा कि सबके लिए आवास की अवधारणा के साथ प्रदेश के गरीब वर्ग को पक्का आवास देने में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में बड़े पैमाने पर गरीब तबके को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। डॉ यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-1.0 में 8 लाख 75 हजार आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 में 50 हजार से अधिक आवासों की सौगात पात्र हितग्राहियों को दी जा चुकी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में चयनित हितग्राहियों को सब्सिडी के रूप में 23 हजार करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जा चुकी है। प्रदेश में पीएमएवाय 1.0 में 9 लाख 46 हजार आवासों को स्वीकृति दी गई थी। पिछले 2 वर्षों में हितग्राहियों को उनके बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से करीब 1750 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई है। योजना में भूमिहीन परिवारों को आवासीय पट्टा उपलब्ध कराया गया है। इससे भूमिहीन गरीब परिवारों को भी बीएलसी घटक का लाभ प्राप्त हो सका हैं। योजना में नवाचार का प्रयोग करते हुए हितग्राही अंश की पूर्ति के लिए त्रिपक्षीय अनुबंध की सुविधा दी गई है। इस प्रक्रिया में हितग्राहियों को नगरीय निकाय की जिम्मेदारी पर सुगमतापूर्वक ऋण हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। ईडब्ल्यूएस वर्ग के हितग्राहियों का अंश न्यूनतम रखने के उद्देश्य से राज्य द्वारा शासकीय भूमि नगरीय निकायों को निःशुल्क प्रदान की गई है। भूमि का आवंटन भूस्वामी अधिकारी पर होने से नगरीय निकायों द्वारा हितग्राहियों को भी आवास आवंटन पट्टे की जगह भू-स्वामी अधिकार पर दिया गया है।

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की घटना, बाइक सवार घायल

तेज रफ्तार बाइक और कार में जोरदार भिड़ंत, हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर चांपा

जिले के खोखसा ओवरब्रिज के ऊपर शुक्रवार की देर रात तेज रफ्तार बाइक और कार में जोरदार भिड़ंत हुई है। हादसे में बाइक सवार युवक को गंभीर चोट आई है, वहीं कार में बैठे पति पत्नी बच्चा सुरक्षित हैं। कार के एयर बैग खुलने से जान बची है। बाईक ओवरब्रिज से नीचे जा गिरी। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की देर रात को खोखसा ओवरब्रिज में बाइक और कार भिड़ंत हुई है जिसमें चांपा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार बाइक सवार युवक सागर सिंह ने जांजगीर से चांपा की ओर जा रही कार में सवार पति पत्नी और बच्चा को सामने से जोरदार टक्कर मारी। कार का सामने का चक्का टूटकर सड़क में बिखरकर गया। रेलिंग से टकराकर युवक गिर पड़ा हादसे में उसे गंभीर चोट आई है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उपचार के लिए घायल को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया।

हालत गंभीर होने पर युवक को बिलासपुर रेफर किया गया है। वहीं कार में सवार पति पत्नी और बच्चा सुरक्षित है क्योंकि कार में लगा एयर बैग खुलने से सभी की जान बच गई। कार सवार व्यक्ति आशीष मरावी ने बताया कि वह अपनी प्रेग्नेंट पत्नी को इलाज के लिए जांजगीर आया था। जिसके बाद घर जैजैपुर जाने को निकले थे। फिलहाल, पुलिस ने वाहनों को जब्त कर जांच पड़ताल शुरू की है, रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर भाई को पीटा

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराधियों की बेखौफ हरकतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। गश्त और निगरानी के दावों के बावजूद शहर के कई हिस्सों में चाकूबाजी, लूट और हमले की घटनाएँ थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताज़ा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक युवक को उसकी बहन से छेड़छाड़ का विरोध करना महंगा पड़ गया। घटना के मुताबिक, कुछ बदमाश एक युवती के साथ अभद्र हरकत कर रहे थे। इसी दौरान युवती के भाई रौनक तांडी ने उन्हें रोकने की कोशिश की।

विरोध से नाराज़ मनचलों ने पहले उससे मारपीट की और फिर चाकू से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसके शरीर पर कई जगह गहरे घाव पाए गए हैं। कोतवाली थाना पुलिस ने मामले में चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इनकी पहचान हर्ष सोनी, नवीन सोनी, रैंबो सैंदरे और ईशान दीप के रूप में हुई है। पुलिस की टीम आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। लगातार होती चाकूबाजी की घटनाओं ने राजधानी में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। आम नागरिकों का कहना है कि कड़ी कार्रवाई और सख्त कानून व्यवस्था की ज़रूरत है, ताकि अपराधियों में डर कायम हो सके।

रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पलगी का मामला

शिक्षक ने मामूली बात पर छात्र को बुरी तरह पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पलगी में प्राथमिक शाला जावाखाड़ी के शिक्षक द्वारा मासूम छात्र की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कक्षा दूसरी में पढ़ने वाले 7 वर्षीय छात्र भागीरथी यादव को गिनती में गलती करने पर शिक्षक उदय यादव ने इतनी जोरदार पिटाई की कि उसकी आंख में खून उतर आया और चेहरा सूज गया। घटना शुक्रवार की है। भोजन अवकाश के बाद कक्षा में पहुंचे शिक्षक ने बच्चे से गिनती सुनाने को कहा। गलती जैसे ही हुई, शिक्षक ने उसके दोनों गालों पर थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। बच्चा जब डर के कारण सिर झुकाने लगा तो शिक्षक और अधिक नाराज़ हुए और लगातार पिटाई करते रहे। पीड़ित छात्र के पिता धनंजय यादव ने आरोप लगाया कि शिक्षक घटना के समय नशे में थे और अक्सर नशे की हालत में ही स्कूल आते हैं। घर पहुंचकर भागीरथी ने रोते हुए पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिजन त्रिकुंडा थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

हरकत में आया शिक्षा विभाग

मामले की जानकारी मिलने पर शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी विजय कुशवाहा ने बताया कि उन्हें मीडिया के माध्यम से घटना की जानकारी मिली है और वह इसकी जांच करवा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव ने कहा कि दोषी शिक्षक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। वहीं त्रिकुंडा थाना प्रभारी जवाहर तिर्की ने पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले में उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने दोषी शिक्षक की बर्खास्तगी की मांग की है। पुलिस व शिक्षा विभाग घटना की जांच में जुट गए हैं।

हरीश बोले -कांग्रेस पार्टी के भीतर की प्रक्रिया है, मैं नाराज नहीं, जीतू ने कहा - सब बढ़िया है, जल्द होगी नियुक्ति

जीतू के इशारे पर कामले ने सृजित किया कांग्रेस के भीतर नया पद संगठन मंत्री का पद ही नहीं होता, महासचिव की सूची होगी जारी

इन नियुक्तियों के बाद जिलों में दो पावर सेंटर जैसी बन गई थी स्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र कांग्रेस में संगठन को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए एआईसीसी प्रभारी हरीश चौधरी ने गुरुवार रात सभी जिला प्रभारियों की नियुक्ति निरस्त कर दी। ये वे प्रभारी थे जिन्हें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने नियुक्त किया था। इन नियुक्तियों के बाद जिलों में दो पावर सेंटर जैसी स्थिति बन गई थी। जिला अध्यक्षों ने दिल्ली में शिकायत की थी कि नए प्रभारी उनके काम में दखलअंदाजी कर रहे है। इधर, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के भीतर की प्रक्रिया है, मैं नाराज नहीं हूं। जीतू ने कहा - सब बढ़िया है, जल्द ही नियुक्ति होगी।

इसके बाद एआईसीसी ने हस्तक्षेप करते हुए चौधरी ने तुरंत आदेश जारी किया। जारी आदेश में साफ लिखा गया है कि जिलों में संगठन से जुड़ी जो भी नियुक्तियां बिना पूर्व अनुमति की गई थीं, वे तुरंत प्रभाव से रद्द मानी जाएंगी। आगे से किसी भी नियुक्ति के लिए पहले औपचारिक प्रस्ताव तैयार होगा उसे अनुमति के लिए भेजा जाएगा मंजूरी मिलने पर ही नियुक्ति की जाएगी। बताया जा रहा है कि जिन जिला प्रभारियों को हटाया गया है, उन्हें पीसीसी में नई जिम्मेदारी दी जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के भीतर जीतू पटवारी के इशारे पर संजय कामले जिला संगठन मंत्री का पद तैयार कर दिया था। जबकि पार्टी में महासचिव का पद होता है। इस पद पर नियुक्ति होनी थी लेकिन कामले ने जिला संगठन मंत्री का पद तैयार कर सूची जारी की थी।

चौधरी ने बैठक में फटकार लगाई

हरीश चौधरी

गुरुवार को भोपाल में मौजूद चौधरी ने दिन में अग्रिम संगठन के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में संजय कामले, अवनीश भार्गव, शिवि चौहान, रीना बौरासी, यश घनघोरिया और आशुतोष चौकसे शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक चौधरी ने सभी को कड़ी फटकार लगाई और कहा- अलग-अलग मत भागो, एक लाइन में चलो। चौधरी प्रदेश कांग्रेस की गतिविधियों से नाराज बताए जा रहे हैं। वे भोपाल में होते हुए भी युवा कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए।

पटवारी को लगा झटका, आगे नियुक्तियों में मुश्किलें बढ़ेंगी

जीतू पटवारी

इन नियुक्तियों के निरस्त होने से पटवारी को बड़ा धक्का माना जा रहा है, क्योंकि यह उनके कार्यकाल की पहली संगठनात्मक नियुक्तियां थीं। अहम बात- इन नियुक्तियों के लिए उन्होंने एआईसीसी से अनुमति नहीं ली थी। माना जा रहा है कि आगे की संगठनात्मक नियुक्तियों में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

स्टॉक मार्केट की नब्ज पकड़ना नहीं आसान, इन बातों का रखें विशेष ध्यान

निवेश मंत्रा
विनोद गौतम

दरअसल अनिश्चितता से भरे शेयर ट्रेडिंग में भावों के उतार-चढ़ाव को समझना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है। जो ट्रेडर यह समझते हैं कि मुनाफा कमाना बड़ा लक्ष्य है, वे अक्सर घाटा खाते हैं, जबकि भावों की भाषा को पढ़ने वाले कुल मिलाकर फायदे में रहते हैं, क्योंकि किसी भी शेयर के भावों में ही छिपा रहता है उसका भूत, वर्तमान और भविष्य, बस इसे पढ़ने के लिए सधी और पैनी नजर चाहिए। अब सवाल है कि भावों की भाषा पढ़ी कैसे जाए। इसका एक प्रमुख माध्यम है टेक्निकल एनालिसिस।

टेक्निकल एनालिसिस का क्या है अर्थ

टेक्निकल एनालिसिस का अर्थ है किसी स्टॉक के मार्केट डाटा का सूक्ष्म अध्ययन करके उसकी संभावित कीमत का अनुमान लगाना। इसमें मुख्य रूप से दो बातों पर गौर किया जाता है। भाव और ट्रेडिंग की मात्रा यानी वॉल्यूम। सरल शब्दों में कहा जाए तो टेक्निकल एनालिसिस के तहत देखा जाता है कि किसी खास समय अवधि में किसी स्टॉक की कीमत में कितना उतार-चढ़ाव आया। इस अवधि में इसकी ट्रेड की गई संख्या में क्या कभी कोई बड़ा उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

नियमित व अनुशासित निवेश ही करें

इक्विटी मार्केट में निवेश एक अनुशासन है। इसे तोड़ने पर जोखिम उठाना पड़ सकता है। लेकिन यह देखा गया है कि निवेश के फैसलों में अपवाद को नियम मान लेने की चूक कई लोगों करते हैं। मसलन, आम धारणा है कि इक्विटी फंड में एकमुश्त निवेश नहीं करना चाहिए। इक्विटी फंड में निवेश एसआईपी के जरिये करना चाहिए, ताकि समय के साथ लागत की एवरेजिंग होती रहे। ऐसा करने के कई फायदे हैं। फिर भी, कई लोगों के पोर्टफोलियो इस नियम का पालन नहीं करते हैं और वे इसकी वजहें भी बताते हैं कि मुझे एक बार में यह रकम मिली थी और किसी ने मुझे बताया कि इसे एकबार में ही इस फंड में लगा देना चाहिए या मुझे पता है कि सेक्टर फंड्स से अभी परहेज करना चाहिए, लेकिन यह तो साफ दिख रहा है कि इंफ्रास्टक्चर का हाल बेहतर होने वाला है, तो मैंने इंफ्रा फंड में एक बार में ही मोटी रकम लगा दी या इक्विटी में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लिहाजा मैंने एफडी में 10 साल के लिए यह रकम लगा दी। ये तो एफडी की तरह ही हैं। ये तमाम तर्क टिपिकल हैं और इनमें से ज्यादातर मामलों में निवेशक ने सोच-समझकर निवेश नियमों का उल्लंघन करने का निर्णय किया होता है। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद को अपनी तर्क बुद्धि से या सलाहकार की मदद से यह समझा ले जाते हैं कि मौजूदा हालात में आम नियम का रास्ता छोड़ना फायदेमंद होगा।

ऐसे समझें

निवेश में अनुशासन व नियमों को समझने के लिए यहां एक उदाहरण पेश है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक डॉक्यूमेंट है। 'पावर ऑफ टेन' के नाम से। इसे नासा के कंप्यूटर साइंटिस्ट गेरार्ड होल्जमैन ने तैयार किया था। इसमें सेफ्टी-क्रिटिकल सॉफ्टवेयर डिवप्प करने के 10 नियम बताए गए हैं। इसके रिसर्च के दौरान होल्जमैन ने पाया था कि अगर नियमों का पालन किया जाए, तो उन्हें कानून की तरह मानना होगा, न कि दिशानिर्देश की तरह। और कुछ ही नियमों का होना बेहतर है, जिनका कभी उल्लंघन न हो। निवेश पर यह उदाहरण बिल्कुल फिट बैठता है। कहने का मतलब कि निवेश के नियमों में अपवाद की कोई जगह नहीं है। हमेशा बुनियादी नियमों का पालन करना चाहिए। और यह नियम है कि इक्विटी में कभी भी एकमुश्त निवेश नहीं करें। न ही सीधे शेयर बाजार में और न ही म्यूचुअल फंड में। अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखें, एसआईपी अपनाएं, नियमित निवेश का पैटर्न अपनाएं। कभी कभार हो सकता है कि ऐसे हालात बनें, जिनमें निवेश के बुनियादी नियमों के उल्लंघन से बेहतर रिटर्न मिले, लेकिन ऐसे मामले नाममात्र के ही होते हैं।

ट्रेडिंग के जरूरी सूत्र

1. ट्रेडर के लिए सबसे अहम है भावों की भाषा
2. टेक्निकल एनालिसिस से समझें भावों की धड़कन
3. टेक्निकल एनालिसिस में चार्ट का अध्ययन अहम
4. ट्रेडर को प्राइस व वॉल्यूम का आकलन करना चाहिए
5. टेक्निकल एनालिसिस से ट्रेंड अनुमान लगा सकते हैं

टेक्निकल व फंडामेंटल एनालिसिस में अंतर

फंडामेंटल एनालिसिस में जहां हम लंबे निवेश के नजरिए से कंपनी के अतीत और वर्तमान को कसौटी पर कसने की कोशिश करते हैं, वहीं टेक्निकल एनालिसिस मूल रूप से भावों की तात्कालिक गणना पर आधारित पद्धति है। इसका उद्देश्य ट्रेडर की मदद करना होता है। फिर चाहे वह ट्रेडर इंट्रा डे हो या फिर शॉर्ट टर्म ट्रेडर। फंडामेंटल एनालिसिस में हम कंपनी की आय, उसके द्वारा दिए गए लाभांश और शोध जैसी बातों को अपने अध्ययन का आधार बना सकते हैं।

ऐसे करें एनालिसिस

टेक्निकल एनालिसिस में इनमें से कुछ संकेतकों का उपयोग किया जा सकता है लेकिन इसमें मुख्य रूप से कुछ विशेष टूल्स और तकनीक का इस्तेमाल किया जता है। इन विशेष साधनों में एक है चार्ट का अध्ययन। चार्टों के जरिए टेक्निकल एनालिसिस करने वाला ट्रेडर दो अहम चीजों पर ध्यान देता है- पहला प्राइस मूवमेंट और दूसरा शेयर का ट्रेंड। अगर कोई शेयर आपके द्वारा निर्धारित कीमत से दो फीसदी गिर भी जाता है तो मुमकिन है कि वह अपट्रेंड हो। यानी उसमें मुनाफा वसूली या किसी और वजह से थोड़े वक्त के लिए करेक्शन आया हो लेकिन वह जल्द ही फिर से रफ्तार पकड़ सकता है। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए हम समझने की कोशिश करते हैं कि किस सीमा के बाद कोई शेयर दिशा बदल सकता है।

कई तरह के चार्ट पैटर्न

टेक्निकल एनालिसिस में काम आने वाले चार्ट पैटर्न भी कई तरह के होते हैं। जैसे- हेड एंड शोल्डर, डबल टॉप या बॉटम वगैरह। इसके अलावा जो चीज टेक्निकल एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है, वह है मूविंग एवरेज। मूविंग एवरेज पर अलग से चर्चा करेंगे, फिलहाल हम आपको उसका एक परिचय देते चलें। मूविंग एवरेज का अर्थ है कि कोई शेयर किसी खास अवधि में किस औसत भाव के साथ मूव कर रहा था। इसका आकलन लगाने में हम कुछ और तकनीकी बिंदुओं पर गौर कर करते हैं, जैसे, सपोर्ट और रेजिस्टेंस। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए शेयर के भावों का अर्थशास्त्र समझने में मदद मिलती है।

शेयर बाजार में क्या है अपर सर्किट और लोअर सर्किट?

क्यों घटता-बढ़ता है शेयर का मूल्य?

सामान्य निवेशक इस बात को लेकर कभी कभी बहुत हैरान रहते हैं कि शेयर का मूल्य किस हिसाब से बढ़ता और घटता रहता है। शेयर का मूल्य दो कारणों से बढ़ता या घटता रहता है। पहला कारण शेयर की सप्लाई और डिमांड और दूसरा कारण कंपनी द्वारा मुनाफा कमाना या कंपनी का घाटा। लेकिन, अगर हम स्टॉक ट्रेडिंग में देखें तो शेयर की सप्लाई और डिमांड की वजह से अधिकतर शेयर का मूल्य घटता बढ़ता रहता है। जब भी शेयर की डिमांड बढ़ती है यानी ज्यादा लोग खरीदते हैं तो उसका दाम बढ़ जाता है। और, जब लोग शेयर को बेचना स्टार्ट कर देते हैं तब शेयर का मूल्य घटने लगता है यह इस तरह से काम करता है।

लोअर सर्किट को ऐसे समझें

मान लीजिए आपके पास किसी कंपनी का शेयर हैं। किसी वर्ष के दौरान उस कंपनी को किसी कारणवश घाटा लगना शुरू हो जाता है। ऐसे में आप उस कंपनी का शेयर बेचने लगेंगे। ऐसे ही बहुत से लोग जो उस कंपनी के शेयर को लिए होंगे वह भी बेचना शुरू कर देंगे। जब सब बेचना शुरू कर देंगे तो एक ही दिन में उस कंपनी का शेयर शून्य तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में शेयर का मूल्य एक निश्चित सीमा तक गिरे इसके लिए एमएसई तथा बीएसई स्टॉक एक्सचेंज ने कुछ नियम बनाए हैं। जिनके अंतर्गत जब किसी कंपनी में अचानक सब लोग शेयर बेचना शुरू कर दें तो एक निश्चित सीमा तक ही उस शेयर का मूल्य घटेगा। उसके बाद उस शेयर की ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। यह जो मूल्य घटने की सीमा है, उसे ही लोअर सर्किट कहते हैं।

कैसे काम करता है अपर सर्किट

अपर सर्किट को एक उदाहरण के जरिए समझते हैं। मान लीजिए कि आपके पास किसी कंपनी के शेयर हैं। उस कंपनी को खूब मुनाफा होता है या किसी कारणवश उस कंपनी में निवेशकों की रूचि बढ़ जाती है। ऐसे में उस कंपनी के शेयर का दाम खूब चढ़ने लगता है। ऐसे में किसी कंपनी के शेयर का मूल्य एक ही दिन में आसमान में पहुंच जाएगा। इसी हालत से बचने के लिए शेयर बाजार में अपर सर्किट का प्रावधान है। उस निश्चित मूल्य सीमा तक उस कंपनी के शेयर का दाम पहुंचते ही उसमें अपर सर्किट लग जाएगा और उसकी ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। जिस तरह से लोअर सर्किट पर 10, 15 और 20 फीसदी का नियम लागू होता है, वही नियम अपर सर्किट पर भी लागू होता है। लोअर सर्किट के तीन चरण होते हैं। यह 10 फीसदी, 15 फीसदी और 20 फीसदी की गिरावट पर लगता है। यदि 10 फीसदी की गिरावट दिन में 1 बजे से पहले आती है, तो बाजार में एक घंटे के लिए कारोबार रोक दिया जाता है। इसमें शुरुआती 45 मिनट तक कारोबार पूरी तरह रुका रहता है और 15 मिनट का प्री-ओपन सेशन होता है।

क्या आपके पीएफ अकाउंट में भी सितंबर-अक्टूबर का कंट्रीब्यूशन नहीं दिख रहा

उन सैलरीड कर्मचारियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है जिनके पीएफ पासबुक में सितंबर और अक्टूबर 2025 की सैलरी से कटे पैसे अभी तक नहीं दिख रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कहा है कि ये सिर्फ एक अस्थायी तकनीकी दिक्कत है, जल्दी ठीक हो जाएगी। ईपीएफओ अपना नया और अपग्रेडेड इलेक्ट्रॉनिक चालान-कम-रिटर्न सिस्टम लॉन्च कर रहा है। इसलिए हाल के महीनों की पीएफ एंट्री फेज में डाली जा रही हैं। इसी वजह से कुछ लोगों की पासबुक में सितंबर-अक्टूबर के पैसे अभी गायब या अधूरे दिख रहे हैं।

पासबुक लाइट से होगी आसानी

बता दें कि ईपीएफओ ने हाल ही में 'पासबुक लाइट' नाम की नई सुविधा शुरू की है। इसमें आप देख सकते हैं कि आपके खाते में कितना पैसा जमा हुआ, कितना निकला और अभी कितना बचा हुआ है। मतबल जरूरी जानकारी के लिए आसान सुविधा शुरू की गई है। ये सुविधा मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध है। इसके लिए अलग से पासबुक वाली वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही इससे ट्रैफिक ज्यादा होने पर भी सिस्टम हैंग भी नहीं होता और जल्दी जानकारी मिल जाती है।

ई-सेवा पोर्टल पर पीएफ पासबुक कैसे चेक करें

- यूएएन मेंबर ई-सेवा पोर्टल पर जाएं।
- अपना यूएएन, पासवर्ड डालें और ओटीपी से लॉगिन करें।
- डैशबोर्ड पर 'पासबुक लाइट' चुनें, वहां से स्टेटमेंट देखें या डाउनलोड करें।

उमंग ऐप पर पासबुक कैसे देखें

- उमंगऐप में लॉगिन करें।
- ईपीएफओ सर्विस सर्च करें और 'व्यू पासबुक' पर क्लिक करें।
- यूएएन डालें, ओटीपी से वेरीफाई करें, अपना मेंबर आईटी चुनें और ई-पासबुक डाउनलोड कर लें।

ऑनलाइन पीएफ क्लेम करने के लिए क्या-क्या चाहिए

- ऑनलाइन क्लेम डालने वाले मेंबर्स को ये चीजें पहले से पूरी करनी जरूरी हैं:
- यूएनएन एक्टिवेट होना चाहिए और उससे जुड़ा मोबाइल नंबर काम कर रहा हो।
- आधार लिंक और ओटीपी से वेरीफाई होना चाहिए।
- बैंक अकाउंट डिटेल्स ईपीएफओ में अपडेट होनी चाहिए।
- अगर सर्विस 5 साल से कम है और फाइनल सेटलमेंट करना है तो पेन भी लिंक होना चाहिए।

जैसे-जैसे ईपीएफओ नया सिस्टम पूरी तरह लागू करेगा, सितंबर-अक्टूबर 2025 के पीएफ पैसे जल्दी ही सभी की पासबुक में दिखने लगेंगे।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट स्वीकार हुआ या नहीं, इस चिंता में हैं? ऐसे चुटकियों में करें चेक

पेंशन जारी रखने के लिए सालाना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना एक जरूरी काम होता है। लेकिन, बहुत से बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि उनका डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बैंक या पेंशन डिपार्मेंट ने एक्सेप्ट कर लिया या नहीं। नीचे हम जानेंगे कि यह पूरा सिस्टम कैसे काम करता है, इसमें क्या-क्या जानकारी देनी पड़ती है। साथ ही इसमें सबसे जरूरी काम यह पता करना होता है कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हो गया या नहीं। लाइफ सर्टिफिकेट एक आधार आधारित डिजिटल सर्टिफिकेट है। इससे पेंशन लेने वाले व्यक्ति के जीवित होने की पुष्टि हो जाती है, वो भी बिना बैंक या डिपार्टमेंट के चक्कर लगाए। जैसे ही आप इसे बनाते हैं, यह इलेक्ट्रॉनिक तरीके से आपके पेंशन देने वाले बैंक या डिपार्टमेंट तक पहुंच जाता है। हर सर्टिफिकेट का एक अलग प्रमाण-आईडी नंबर होता है, जिससे आप और डिपार्टमेंट दोनों उसकी स्थिति देख सकते हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इलेक्ट्रिकल (TR-D) सम्बंधित कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

1. निविदा क्र.: TRD_NAG_Tender_25-26_**18** दिनांक: 18.11.2025
कार्य का नाम: नागपुर मंडल के टीआरडी विभाग अंतर्गत दो साल के लिए न्यूमेटिक, इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक, इलेक्ट्रिकल कंट्रोल सिस्टम, ऑल्टरनेटर, लिफ्टिंग प्लेटफॉर्म और टावर कारों के अन्य सहायक उपकरण का मासिक/मामूली रखरखाव/मरम्मत।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 2,07,01,331/-
बयाना राशि: ₹ 2,53,500/-
इलेक्ट्रॉनिक ऑफर जमा करने की अंतिम तिथि (ऑन-लाइन): दिनांक **10.12.2025** के **15:00** बजे तक।

2. निविदा क्र.: TRD_NAG_Tender_25-26_**25** दिनांक: 20.11.2025
कार्य का नाम: परमलकसा स्टेशन पर प्रस्तावित अतिरिक्त लूप लाइन के लिए OHE में बदलाव।
IRPSM ID: 13.02.16.24.3.51.006
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 89,21,662/-
बयाना राशि: ₹ 1,78,400/-

3. निविदा क्र.: TRD_NAG_Tender_25-26_**27** दिनांक: 04.11.2025
कार्य का नाम: डुमरीखुर्द स्टेशन पर प्रस्तावित अतिरिक्त लूप लाइन हेतु OHE में बदलाव।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,01,62,907/-
बयाना राशि: ₹ 2,00,800/-

4. निविदा क्र.: TRD_NAG_Tender_25-26_**23** दिनांक: 04.11.2025
कार्य का नाम: नागपुर मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित ऑपरेशन के लिए रनिंग ट्रैक के OHE से सेफ्टी क्लीयरेंस में आने वाली पेड़ों की डालियों को काटना / छंटाई करना।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,73,06,000/-
बयाना राशि: ₹ 2,36,500/-
निविदा अनुक्रमांक 2, 3 और 4 के लिए-
इलेक्ट्रॉनिक ऑफर जमा करने की अंतिम तिथि (ऑन-लाइन): दिनांक **12.12.2025** के **15:00** बजे तक।
उपरोक्त निविदा की अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता - टीआरडी, द.पू.म. रेलवे, नागपुर
MS/44-201
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

खंड-I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन,
कार्यालय सामान्य वनमण्डल डिण्डौरी मध्य प्रदेश
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
संख्या [2025_MPFD_464706_1] / ई-टेंडरिंग / 2025-26 दिनांक 27/1/2025
1. वनमण्डलाधिकारी सामान्य वनमंडल डिण्डौरी द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित - 2022) के अन्तर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	स्पेशिफिकेशन	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	Desktop PC	15 12th gen, 16gb ram 512ssd win-11 Monitor 27.5 screen size 3 Year warranty	30,000	1,000/-
2	All in One	All in One PC i5 12th gen, 8gb, 512ssd win- 11 23.5 screen size 3 Year warranty		
3	Printer	Black & White Both Side Printing System Automatic Duplex Laser Printers 3 Year warranty		
4	Monitor UHD	27 and 32 Inches with 3 Year warranty		
5	Printer Cartridge	12A-Compatible,88A-Compatible, 2365-Compatible, 924A-Compatible, 110A-Compatible 1188A-Compatible		
6	Photocopy Cartridge	Kyocera Toner Cartridge TK4109		
7	RAM	DDR2, DDR3 DDR4		
8	PAN Drives	8GB, 16GB, 32GB, 64GB		
9	Lan Switch	4 Port to 24		
10	Key Board	Standard		
11	Mouse	Standard		
12	Scanner	Connectivity tech- USB Resolution -300dpi Above Min system requirement- Win-7		
13	Cable	Lan Cable with RJ45		
14	AntiVirus	1 Year, 3Year		
15	SMPS Power Supply Unit	as per requirements		
16	SSD	1TB/512GB		
17	Mother Board	All in one pc and as per requirements		
19	DC Power Supply Adapter	As per requirements		
20	Systems	Format and install windows as per requirements		

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं। 2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट/कैश कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 28/11/2025 Time 10:30 Am बजे से दिनांक 18/12/2025 Time 06:00 Pm बजे तक केवल ऑनलाइन खरीद सकते है। 3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्त्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लिखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी। 4. निविदा पूर्व बैठक दिनांक NA/NA/2025 समय NA को डिण्डौरी सामान्य वनमण्डल कार्यालय में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं या वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग ले सकते हैं। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होगें जिन्होंने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे हैं। 5. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं। 6. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल: https://www.mptenders.gov.in/
वनमण्डलाधिकारी
G-22143/25 "स्वच्छता ही सेवा" **सामान्य वनमण्डल डिण्डौरी**

कार्यालय सेनानी 8वीं वाहिनी विसबल छिन्दवाड़ा मध्यप्रदेश
Email :- co8bn_saf@mppolice.gov.in
क्रमांक- 8वीं बटा/विसबल/सा.अ./M-6422-C/2025, छिंदवाड़ा **ई निविदा आमंत्रण सूचना** दिनांक-19/11/2025

8वीं वाहिनी विसबल छिंदवाड़ा में वित्तीय वर्ष 2025-26 में लेखाशीर्ष मांग संख्या 003-2055 पुलिस 00-104-9999-4492-V-32-000 लघुनिर्माण कार्य मद के अंतर्गत प्राप्त आवंटन राशि से " मुख्य कार्यालय के पास 04 नग लेटबॉथ निर्माण कार्य ई-टेण्डर खुली निविदा के माध्यम से कराया जाना है। कार्य म.प्र. भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) की कण्डिकाओं में निहित खुली निविदा समय सारणी अनुसार किया जाना है। जिस हेतु निविदाएँ WWW.MPTENDERS.GOV.IN पर आमंत्रित की गई है। जिसकी जानकारी WWW.MPPOLICE.GOV.IN पर भी देखी जा सकती है। इच्छुक निविदाकर्ता कराये जाने वाला निर्माण कार्य इकाई में आकर देख सकते है। प्राप्त निविदाए, इकाई में गठित समिति द्वारा दिनांक 12.12.2025 को 12:00 बजे खोली जावेंगी। कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन अनुसार अनुमानित राशि (समस्त कर सहित)	निविदा शुल्क	धरोहर राशि ईएमडी	सम्पूर्ण कार्य की अवधि	निर्माण एजेंसी
1	2	3	4	5	6	7
1	मुख्य कार्यालय के पास 04 नग लेटबॉथ निर्माण ।	3,57,000.00	1,000.00	10,710.00	45 दिवस	इकाई द्वारा

समय सारणी :-

क्र.	विवरण	दिनांक एवं समय
01	निविदा प्रकाशन दिनांक	20.11.2025 के 18:00 बजे
02	निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	20.11.2025 के 18:00 बजे से
03	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	10.12.2025 के 18:00 बजे से
04	निविदा खोलने की दिनांक एवं स्थान	12.12.2025 के 12:00 बजे

खुली निविदा की शर्तें :- 1. इच्छुक निविदाकर्ता वेबसाईट WWW.MPTENDERS.GOV.IN से निविदा करेंगे। 2. इकाई / मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम जबलपुर द्वारा तैयार किये गये स्टीमेट एवं स्ट्रक्चर प्लान अनुसार कार्य कराया जाना है। जिस हेतु तालिका क्रमांक 03 में अनुमानित प्राक्कलन राशि से अधिक दर पर निविदा स्वीकार नहीं की जायेंगी। 3. निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग / म.प्र. पु. हा का, के पंजीकृत ठेकेदारो से ही कराया जाना है। 4. निविदा प्रस्तुत करने से पूर्व कार्य स्थल एवं प्राकलन / स्टीमेट का निरीक्षण कर निविदा प्रस्तुत करें ताकि कार्य का सही आकलन किया जाकर निविदा प्रस्तुत की जा सकें। जिसकी जानकारी क्वार्टर मास्टर 8वीं वाहिनी विसबल छिंदवाड़ा कार्यालय से कार्यालयीन समय पर प्राप्त किया जा सकता है। 5. निविदा की विस्तृत जानकारी म. प्र. पुलिस की बेवसाईट WWW.MPPOLICE.GOV.IN पर देखी जा सकती है। एवं निविदाएँ WWW.MPTENDERS.GOV.IN पर दिनांक 20.11.2025 से दिनांक 10.12.2025 तक आमंत्रित की गई है। जिसे दिनांक 12.12.2025 को समय 12.00 बजे खोला जायेंगा।
सेनानी 8वीं वाहिनी विसबल छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
G-22120/25

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate
ए.आर.एम. शाखा- प्लाट नं. 04, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)
अधोहस्ताक्षरकर्ता केनरा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित ऋणधारी को निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज राशि एवं सहित नोटिस प्राप्ति के 60 दिन की समयावधि के भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था।
ऋणी निर्धारित समय सीमा मे ऋण का भुगतान करने मे असफल रहा है। अतः ऋणी/जमानतदार एव सर्वसाधारण को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8 एवं 9) के अंतर्गत नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है। ऋणग्रहीता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद द्वारा निम्नलिखित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिए **केनरा बैंक की ए.आर.एम. शाखा** के अधीन होगा।
ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को उपलब्ध समय में छुड़ाने (**redeem** कराने) के संबंध में अधिनियम की धारा (13) एवं उपधारा 8 के प्रावधानों के तहत आकर्षित किया जाता है।

ऋणी /बंधककर्ता/ जमानतदारों का नाम	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक	कब्जा की गई संपत्ति का विवरण
श्री बिहारी सिंह बघेल (ऋणी एवं बंधककर्ता) एवं **श्री रवि सिंह बघेल** (सहऋणी एवं बंधककर्ता)	09.09.2025 / 28.11.2025 मांग सूचना अनुसार बकाया राशि ₹ 22,18,142.64 +ब्याज एवं अन्य खर्चे	भूमि एवं भवन स्थित मौजा मडई सेटलमेंट नं. 403, पी.सी. नं. 55/16, न्यू 54, खसरा नं. 133/3 आर.आई. सर्कल महाराजपुर निगम वार्ड क्रमांक 76, तहसील पनागर, अब जबलपुर, आर.एन.एम महाराजपुर तहसील- पनागर जिला- जबलपुर, प्लाट क्षेत्रफल 20*40 = 800 वर्गफुट, चर्तुसीमाएं: उत्तर-विक्रेता का शेष प्लाट, दक्षिण-खुला प्लाट , पूर्व-सरकारी प्लाट , पश्चिम-साइड रोड, संपत्ति मालिक- श्री बिहारी सिंह बघेल पुत्र केशव सिंह बघेल एवं श्री रवि सिंह बघेल पुत्र श्री बिहारी सिंह बघेल
श्री मंजीत प्रताप सिंह (ऋणी एवं बंधककर्ता) एवं **श्रीमती अश्वलेखा ठाकुर** (जमानतदार)	17.09.2025 / 28.11.2025 मांग सूचना अनुसार बकाया राशि ₹ 30,10,374.08 +ब्याज एवं अन्य खर्चे	अचल रिहायशी संपत्ति मौजा घाना प.ह.नं.-43, आर.एन.एम. महाराजपुर, गुरुनानक नगर, तहसील पनागर ज़िला- जबलपुर, भूमि पुराना खसरा नंबर 253/5 एवं 253/6, खसरा नंबर 253/6/2, डायवर्सन पश्चात न्यू पोस्ट खसरा नं. 253/6/2, स्वीकृत कालोनी लेआउट प्लाट नं. 07, क्षेत्रफल- 20*50=1000 वर्गफिट एवं प्रस्तावित प्लाट पोस्ट खसरा नं. 263/6/2, चर्तुसीमाएं- उत्तरः प्लॉट नंबर 8, दक्षिणः पड़ोसी की प्रॉपर्टी, पूर्वः निकोलस पाल की प्रॉपर्टी, पश्चिमः कॉलोनी साइड रोड, संपत्ति मालिक- श्री मंजीत प्रताप सिंह पुत्र छत्र प्रताप सिंह

स्थान-जबलपुर, दिनांक : 28.11.2025 प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म. प्र.)
Bid Number: Bid Number: GEM/2025/B/6926648 Dt 24-11-2025 & GEM/2025/B/6926578 Dt. 24-11-2025
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा जेम पोर्टल के माध्यम से अधिकृत डीलर सप्लायर हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	निविदा प्रारंभ तिथि	निविदा अंतिम तिथि	कार्यपूर्ण करने का समय वषार्काल सहित	निविदा की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	GEM/2025/B /6926648	ग्राम भीमडोंगरी विकासखण्ड मबई में एससीए मद अंतर्गत स्वीकृत पुलिस जनमित्र सहयोग केन्द्र भवन निर्माण में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण हेतु सिमुलेटर की स्थापना,	मण्डला	24.11.2025	09.12.2025	02 माह वषार्काल सहित	अधिकृत डीलर / सप्लायर
1	GEM/2025/B /6926578	ग्राम भीमडोंगरी, विकासखण्ड भवई में एससीए मद अंतर्गत स्वीकृत पुलिस जनमित्र सहयोग केन्द्र भवन निर्माण में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण हेतु फर्नीचर कार्य की स्थापना,	मण्डला	24.11.2025	09.12.2025	01 माह वषार्काल सहित	अधिकृत डीलर / सप्लायर

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेबसाईट https://gem.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किए जा सकेंगे। 2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट/कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेबसाईट पर ही दर्ज किए जाएंगे, पृथक से सामाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
G-22150/25 **(पारस सिंह) कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, (भ / स) संभाग नरसिंहपुर (म.प्र.)
निविदा सूचना क्रमांक 24 / वर्ष 2025 - 26 / कार्य.यं. **निविदा सूचना** नरसिंहपुर, दिनांक 28/11/2025
निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई डी	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	कार्य की अनु. राशि (रू. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा फार्म की राशि	आमंत्रण क्र.	कार्य समयावधि	भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ. डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2025_PWDRB_456192_3	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण सड़क	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत करेली एवं तेन्दूखेड़ा सेक्शन में विभिन्न मार्गो के पैच रिपेयर एवं अन्य मरम्मत का कार्य (तृतीय आमंत्रण)	19.80	40,000	2,000	तृतीय आमंत्रण	03 माह वर्षा ऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
2	2025_PWDRB_459513_2	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण सड़क	नरसिंहपुर संभाग अंतर्गत गैर आवासीय भवनों के विशेष मरम्मत एवं मूल गौड अन्य समस्त प्रकार के मरम्मत का कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	19.96	40,000	2,000	द्वितीय आमंत्रण	03 माह वर्षा ऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
				योग	39.76					

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा । निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 06/12/2025, (17.00) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट www.mptenders.gov.in में देखा जा सकता है। निविदा में हाने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा । पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा । मूल धरोहर (ई.एम.डी.) राशि एवं अन्य सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत दिनांक 06/12/2025, (17.30 बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित पोर्टल में प्राप्त की जावेगी।
कार्यपालन यंत्री
G-22171/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" **लोक निर्माण विभाग (भ / स) - संभाग नरसिंहपुर**

तमिलनाडु के तटीय इलाके रामाअनंतपुरम में तूफान के असर समुद्र में उठती लहरें

आज भारतीय तटों से टकराएगा दितवाह तूफान

आंध्र प्रदेश-तमिलनाडु में भारी बारिश, पुद्दुचेरी में परीक्षाएं रद्द, आईएमडी का यलो अलर्ट जारी

तमिलनाडु के तटीय इलाकों में तूफान दितवाह का असर नजर आने लगा है। नागापट्टिनम इलाके में तटों पर ऊंची लहरें, तेज हवाएं और भारी बारिश होने लगी है

- एनडीआरएफ की 8 टीमों में 240 लोग तैनात
- टीम में खोजी कुत्तों के दल भी शामिल किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चक्रवाती तूफान दितवाह को लेकर भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि तूफान दितवाह दितवाह तमिलनाडु, पुदुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट की ओर लगातार बढ़ रहा है। यह 30 नवंबर को तमिलनाडु, पुदुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों से टकरा सकता है। श्रीलंका के तटीय क्षेत्रों और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर केंद्रित चक्रवात दितवाह के असर से तमिलनाडु के थूथुकुडी में बारिश हुई। इसकी वजह से कई इलाकों में जलभराव हो गया है। चक्रवात के उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 30 तारीख की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु तट के पास पहुंचने की संभावना है, जिससे भारी बारिश और तेज हवाएं चलेंगी।

एनडीआरएफ की टीमें तैनात

चक्रवाती तूफान दितवाह के मद्देनजर तमिलनाडु में एनडीआरएफ की 8 टीमें तैनात की गई हैं। इन टीमों में 240 लोग शामिल हैं। वहीं, पुदुचेरी में 60 लोगों की दो टीमें तैनात की गई हैं। इन टीमों में खोजी कुत्तों के दल, जिसमें रानी, मिक्की, लाइका और रैंबो डॉग शामिल हैं, फंसे हुए लोगों को खोजने में मदद करेंगे। ये टीमें कुड्डालोर, तिरुवरूर, तंजावुर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, पुदुक्कोट्टई और कई अन्य जिलों में तैनात हैं।

नागापट्टिनम इलाके में तेज बारिश

तमिलनाडु के तटीय इलाकों में तूफान दितवाह का असर नजर आने लगा है। नागापट्टिनम इलाके में तटों पर ऊंची लहरें, तेज हवाएं और भारी बारिश होने लगी है। इसके भारत के उत्तरी-पश्चिमी तटों पर टकराने से पहले तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 4 जिलों में रेड अलर्ट और 5 अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

ऑपरेशन सागर बंधु

भारत ने श्रीलंका को 21 टन अतिरिक्त राहत सामग्री भेजी

भारत की ओर से भेजी गई राहत सामग्री

श्रीलंका में दितवाह तूफान से अब तक 123 लोगों की जान जा चुकी है और 130 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस बीच भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत 21 टन राहत सामग्री श्रीलंका भेजी। शनिवार को भारतीय वायुसेना का विमान कोलंबो में उतरा। भारत ने तूफान से प्रभावित लोगों के लिए टेंट, तिरपाल, कंबल, हाइजीन किट और रेडी-टू-इट भोजन भेजा है। वहीं, श्रीलंका में आपातकाल की घोषणा कर दी है।

खबर संक्षेप

गैंगस्टर बिश्नोई की कस्टडी 7 दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई की न्यायिक

हिरासत को सात दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। यह निर्णय एनआईए मुख्यालय में एक विशेष सुनवाई के दौरान लिया गया। अनमोल बिश्नोई ने अदालत में एक आवेदन दायर कर अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताई थी। बता दें, अमेरिका से भारत आने पर एनआईए की टीम ने अनमोल को गिरफ्तार कर पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था। जहां से 11 दिन की रिमांड पर भेजा गया था। अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद एनआईए ने गिरफ्तार किया था।

ट्रंप का जी-20 में आमंत्रित नहीं करना अफसोसजनक

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा है कि अमेरिका की अध्यक्षता के

दौरान दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में आमंत्रित नहीं किए जाने की उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा अफसोसजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सदस्यता के लिए योग्य' नहीं है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर बोले

यूएस-चीन की नई वैश्विक शर्तों से दुनिया में अस्थिरता, सप्लाई चेन पर बढ़ता जा रहा है दबाव

चीन नवीकरणीय ऊर्जा पर हावी | यूएस बड़ा ऊर्जा निर्यातिक बना

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कोलकाता में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक राजनीति और आर्थिक समीकरणों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय ऐसे मोड़ पर है जहां अमेरिका और चीन की नई नीतियों ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। बदलते

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर

हालात में देशों के सामने यह तय करना मुश्किल हो गया है कि उन्हें प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देना चाहिए या उन समझौतों पर जो पीठ पीछे होते रहते हैं। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका अब पुराने ढांचे के तहत दुनिया का नेतृत्व नहीं कर रहा, बल्कि एक-एक देश के साथ सीधे और नई शर्तों पर बातचीत कर रहा है। दूसरी ओर, चीन भी अपने नियमों पर ज्यादा कठोरता से काम कर रहा है।

विश्व का एक तिहाई उत्पादन चीन में

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि वैश्विकरण, सप्लाई असुरक्षा और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण देश हर आकस्मिकता के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। जहां संभव हो, वे कठिन विकल्पों से बच रहे हैं और जहां फायदा दिख रहा है, वहां तुरंत निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण विभिन्न क्षेत्रों में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स की मांग और उत्साह में तेजी आई है। जयशंकर ने बताया कि वैश्विक उत्पादन का एक तिहाई हिस्सा आज चीन में होता है, जिससे सप्लाई चेन की विश्वसनीयता पर सवाल उठे हैं। संघर्षों और जलवायु संकटों ने इस खतरे को और बढ़ा दिया है। ऊर्जा के मामले में अमेरिका अब बड़ा निर्यातक बन गया है, जबकि चीन नवीकरणीय ऊर्जा पर हावी है।

व्यापार में मांग की अनिश्चितता बढ़ी

डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि व्यापार में मांग की अनिश्चितता और सप्लाई की बाधाएं जोखिम बढ़ा रही हैं। टैरिफ रेट्स में उतार-चढ़ाव से वैश्विक व्यापार पर अस्थिरता आई है। वित्तीय क्षेत्र में प्रतिबंधों का बढ़ता उपयोग, संपत्तियों की जब्ती और ब्लॉकचेन तकनीक का उभार नए वैश्विक वित्तीय ढांचे का संकेत दे रहे हैं। दुनिया एक ऐसी स्थिति में प्रवेश कर रही है जहां हर देश अपनी सुरक्षा, आर्थिक हितों और भविष्य की रणनीति को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है।

ऊर्जा, व्यापार, और वैश्विक मसलों पर होगी चर्चा

पुतिन के दिल्ली दौरे से पहले रूसी संसद का बड़ा फैसला

भारत और रूस के बीच सैन्य समझौते की पुष्टि, रक्षा संबंधों को होगा फायदा

- पुराने भरोसेमंद संबंधों के नए दौर की शुरुआत

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने दो दिन के भारत दौरे पर आएंगे। पुतिन राजकीय दौरे पर 4-5 दिसंबर को भारत आएंगे। इस यात्रा के दौरान पुतिन मुख्य रूप से 23वें भारत-रूस सालाना सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जहां रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और भू-राजनीतिक मसलों पर अहम चर्चाएं होने की संभावना है।

इस दौरान व्लामीदर पुतिन की पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात होगी। पुतिन के दिल्ली के इस अहम दौरे से पहले रूस की संसद (स्टेट डूमा) ने एक अहम सैन्य समझौते की पुष्टि का ऐलान किया है। रूस की संसद व्लादिमीर पुतिन के दिल्ली आने से पहले भारत के साथ एक जरूरी मिलिट्री समझौते को मंजूरी देने जा रही है। दरअसल इस साल फरवरी में 2025 को भारत और रूस के बीच रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (रेलोस-आरईएलओएस) हुआ था।

यह एग्रीमेंट स्ट्रेटेजि मिलिट्री कोऑपरेशन बढ़ाने के लिए है। पुतिन की भारत यात्रा और रेलोस समझौते को रूस की संसद द्वारा मंजूरी मिलना, दोनों देशों के बीच दशकों पुराने भरोसेमंद संबंधों के नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है। रक्षा सहयोग, ऊर्जा साझेदारी और वैश्विक समीकरणों के बीच यह दौरा भारत-रूस संबंधों को नई मजबूती देने में अहम भूमिका निभाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन फाइल फोटो

सैन्य सहयोग मजबूत होगा

यह महत्वपूर्ण सैन्य लॉजिस्टिक समझौता 18 फरवरी 2025 को मॉस्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन उप-रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन द्वारा साइन किया गया था। स्टेट डूमा ने रेलोस दस्तावेज को अपलोड किया है। इस समझौते का उद्देश्य है भारत और रूस की सेनाओं के बीच सामरिक गतिविधियों में लॉजिस्टिक सपोर्ट को आसान बनाना, संयुक्त सैन्य अभ्यासों को सुचारू करना, आपदा राहत अभियानों में तेजी लाना और सेना के अन्य ऑपरेशंस को सहयोगात्मक रूप से संचालित करना। रूसी सरकार का कहना है कि रेलोस समझौते की मंजूरी से दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में विश्वास और सहयोग नई मजबूती के साथ उभरेगा।

आपसी सैन्य गतिविधियां तेज हो जाएंगी

इस समझौते के लागू होने से भारत और रूस के बीच संयुक्त सैन्य गतिविधियां काफी सरल और तेज हो जाएंगी। दोनों देश एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों, हवाई अड्डों और नौसैनिक अड्डों का शांतिपूर्ण उद्देश्यों और सैन्य अभ्यासों के लिए उपयोग कर सकेंगे। आपसी लॉजिस्टिक सपोर्ट मिलने से सैनिकों, उपकरणों और सैन्य संसाधनों की तैनाती में समय और लागत दोनों कम होगी। यह समझौता भविष्य में आर्कटिक क्षेत्र में संभावित संयुक्त अभ्यासों को भी दायरे में लाएगा।

भारतीय नौसेना रूसी नौसैनिक अड्डों का उपयोग कर सकेगी

भारतीय नौसेना के तलवार-श्रेणी के युद्धपोत और आईएनएस विक्रमादित्य जैसे बड़े जहाज रूस के उत्तरी समुद्री ठिकानों का उपयोग कर पाएंगे, जहां बर्फीले आर्कटिक का मौसम होता है। वहीं रूसी नौसेना भारतीय समुद्री ठिकानों और बंदरगाहों का उपयोग कर सकेगी, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह सहयोग भारत के लिए खास इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंद महासागर में चीन और अन्य बाहरी देशों की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।

समझौता आर्कटिक क्षेत्र में भी लागू होगा

रेलोस समझौते का उद्देश्य संयुक्त सैन्य अभ्यास, आपदा राहत और अन्य अभियानों के लिए समन्वय प्रक्रिया को आसान बनाना है। रेलोस से सैन्य अभ्यास और आपदा राहत अभियान समेत संयुक्त गतिविधियों के लिए प्रक्रियाएं सरल करके सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। इस प्रकार के समझौते सहभागी देशों के लिए शांतिकालीन अभियानों के भौगोलिक अवसरों का विस्तार करते हैं।

स्वदेशी उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' नौसेना को सौंपा

मुंबई। नीलगिरि श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का चौथा और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित तीसरा जहाज, तारागिरि (यार्ड 12653), 28 नवंबर 2025 को एमडीएल, मुंबई में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। इसमें शक्तिशाली हथियार और सेंसर सूट में ब्रह्मोस एसएसएम, एमएफएसटीएआर और एमआरएसएएम कॉम्प्लेक्स, 76 मिमी एसआरजीएम, और 30 मिमी और 12.7 मिमी निकटरक्षा हथियार प्रणालियों का संयोजन, साथ ही पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए रॉकेट और टॉरपीडो शामिल हैं।

एलबीएसएनएए में बोले रक्षा मंत्री

ऑपरेशन सिंदूर नागरिक-सैन्य समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवा नागरिक सेवकों से राष्ट्रीय हितों की रक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को समझने और वीर सैनिकों की तरह ही ऐसी कठिन परिस्थितियों के लिए सदैव तैयार रहने का आह्वान किया।

राजनाथ सिंह

रक्षामंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर नागरिक-सैन्य समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां प्रशासनिक मशीनरी ने सशस्त्र बलों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण सूचनाओं का संचार किया और जनता का विश्वास जीता। रक्षा मंत्री ने उत्तराखंड के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, सशस्त्र बलों ने संतुलित और बिना किसी उकसावे के जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया।

इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन

279 की मौत, 174 लापता, कई क्षेत्रों में संपर्क कटा, मदद जारी

एजेंसी ▶▶ अगम (इंडोनेशिया)

इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 279 हो गई है तथा अधिकारियों ने मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई है। उत्तरी सुमात्रा प्रांत में सड़कें खराब होने और संचार बाधित होने से इन इलाकों से संपर्क कट गया है और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए विमानों पर निर्भर रहना पड़ा। भारी उपकरणों की कमी के कारण बचाव कार्य भी बाधित हुए। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता फेरी वालिंटुकन ने बताया कि उत्तरी सुमात्रा में बचावकर्मियों ने शनिवार को 31 शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 279 हो गई। उन्होंने बताया कि

दक्षिण सुमात्रा के बातंग तोरु में धंसी मस्जिद

174 लापता लोगों की तलाश के लिए 3,500 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है तथा प्रांत भर में अस्थायी सरकारी आश्रयों में शरण ले रखे 28,400 से अधिक लोगों को सहायता वितरित करने में मदद की जा रही है।

दिल्ली बम धमाके में सुरक्षा एजेंसियों ने नए षड़यंत्रों का किया बड़ा खुलासा

डॉ. मुजम्मिल के बेहद करीब आ गई थी डॉ. शाहीन

डॉ. शाहीन के फ्लैट से मिले 18.5 लाख रुपए, सोने के बिस्किट और विदेशी करेंसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली बम धमाके की आरोपी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की कमांडर डॉ. शाहीन चार साल सऊदी अरब में भी रही है। साल 2014 से 2018 के दौरान उसने सऊदी अरब के मेडिकल कॉलेज में बतौर प्रोफेसर नौकरी की।

साल 2018 में भारत लौटने के बाद 2021 तक तीन साल उसने कुछ नहीं किया। वो घर पर ही रहती थी। फिर 2021 में उसने अल फलाह यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर की नौकरी हासिल कर ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सूत्रों की मानें तो सऊदी अरब से जब वो लौटी तो आतंकी संगठन के संपर्क में आ चुकी थी और अपना नेटवर्क फैलाने लगी। इस दौरान उसे टेरर फंडिंग के रुपए भी काफी मिले। साल 2021 में अल फलाह यूनिवर्सिटी में कार्यरत होने के बाद डॉ. शाहीन, डॉ. मुजम्मिल के बेहद करीब आ गई थी। दोनों के बीच नजदीकीयां काफी बढ़ गईं और प्यार और शादी तक ये रिश्ता पहुंच गया।

अल फलाह विश्वविद्यालय (इनसेट में) डॉ. मुजम्मिल व डॉ. शाहीन

डॉ. शाहीन से खुलवाया लॉकर

गुरुवार रात एनआईए की टीम ने अल फलाह यूनिवर्सिटी में डॉ. शाहीन के फ्लैट नंबर 32 का डिजिटल लॉकर उसकी मौजूदगी में खुलवाया। लॉकर में मौजूद पैकेट खोलकर चेक किए तो इनमें 18.50 लाख रुपए नकद, सोने के दो बिस्किट, गहने मिले। सोने के बिस्किट व जूलरी का कुल वजन 300 ग्राम पाया गया।

आरोपियों की हिरासत अवधि बढ़ी

एनआईए की विशेष अदालत ने चार आरोपियों की हिरासत अवधि को दस दिनों के लिए बढ़ा दिया है। इन आरोपियों में डॉ. मुजम्मिल, डॉ. अदील, डॉ. शाहीन और मुफ्ती इरफान अहमद वगाये शामिल है। अदालत के इस फैसले से जांच एजेंसी को मामले की जांच को आगे बढ़ाने और अन्य संभावित लिंक को खंगालने में मदद मिलेगी। 10 दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एनआईए ने सात आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था।

विदेश से पढ़कर आए डॉक्टरों की जानकारी मांगी

दिल्ली पुलिस ने शहर के सभी निजी अस्पतालों को नोटिस जारी कर उन डॉक्टरों की जानकारी मांगी है, जिन्होंने विदेश से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है। पुलिस ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई और चीन से एमबीबीएस करने वालों के बारे में जानकारी मांगी है।

हल्द्वानी के इमाम से पूछताछ

शुक्रवार देर रात दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम के साथ ही एलआईयू दिल्ली की टीम ने उत्तराखंड के हल्द्वानी के बनभूलपुरा में दबिश देकर बिलाली मस्जिद के इमाम को हिरासत में लिया।

भारत-म्यांमार ड्रग रैकेट केस में खुलासा

म्यांमार नागरिकों ने भारतीयों के जीएसटी से कच्चा माल खरीदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

क्रॉस-बॉर्डर नारकोटिक्स तस्करी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि म्यांमार मूल के लोगों ने भारतीय नागरिकों के जीएसटी प्रमाण पत्रों का दुरुपयोग कर ड्रग्स बनाने के लिए जरूरी कच्चा माल खरीदा।

यह खुलासा एजेंसी की उस कार्रवाई के दौरान सामने आया है, जब ड्रग्स तस्करी से जुड़े धन शोधन मामले में भारत-म्यांमार सीमा पर पहली बार तलाशी ली गई थी। ईडी ने 27 नवंबर को अपनी इस विशेष कार्रवाई के तहत मिजोरम के आइजोल और चंपाई (भारत-

ईडी का प्रतीक चिन्ह

म्यांमार बॉर्डर) में कई ठिकानों पर छापेमारी की। इसके अलावा असम के करीमगंज जिले के श्रीभूमि क्षेत्र और गुजरात के अहमदाबाद में भी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जुटाए गए सबूतों से पता चला है कि भारतीय नागरिकों ने म्यांमार के लोगों के लिए सूडोइफेड्रिन टैबलेट और कैफीन एन्हाइड्रस खरीदे।

सांस्कृतिक आयोजनों ने समा बांधा

एनिमल डिप्लोमा कालेज में युवा महोत्सव

हरिभूमि जबलपुर।

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रांगण में एनिमल हसबेंडरी डिप्लोमा महाविद्यालय जबलपुर का वार्षिक अंतर कक्षा खेलकूद एवं सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि कुलगुरु डॉक्टर मनदीप शर्मा एवं अन्य अन्य अतिथियों के द्वारा सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम संचालक डिप्लोमा डॉक्टर गिरधारी दास द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अपने उद्बोधन में कम संसाधनों में बेहतर आयोजन करने के लिए प्राचार्य, छात्रों एवं विद्यालय कर्मचारियों का साधुवाद किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में कुलसचिव डॉक्टर सुदिप्ता घोष द्वारा छात्रों को तकनीकी माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने से शारीरिक व मानसिक विकास के विषय में संबोधित किया। तदोपरांत

माननीय कुलगुरू डॉक्टर मनदीप शर्मा द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की आवश्यकता, उपयोग व इस्तेमाल की सही जानकारी के साथ-साथ 13 वर्षों में प्रथम बार आयोजित इस आयोजन हेतु महाविद्यालय को शुभकामनाएं दी व अपने आशीष वचनो से कार्यक्रम को सिंचित किया। आभार प्रदर्शन प्राचार्य डॉ आर पी सिंह द्वारा किया गया। आयोजन में खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत 11 प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया एवं विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। खेलकूद प्रतियोगिताओं में अंतिम वर्ष विजेता व द्वितीय वर्ष उपविजेता घोषित किए गए। क्रिकेट प्रतियोगिता में ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए भानु को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। नृत्य प्रतियोगिता में जयश्री सोनी एवं प्रशांत झरिया को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉक्टर श्रीकांत जोशी, संचालक प्रक्षेत्र डॉक्टर जी पी लखानी, संचालक शिक्षक डॉक्टर मधु स्वामी, संचालक विस्तार सेवाएं डॉक्टर सुनील नायक, डॉ विश्वजीत राय,डॉ अनिल शिंदे, डॉक्टर रामकिंकर मिश्र,डॉक्टर पूनम शाक्य, डॉक्टर अक्षय गर्ग आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के डॉक्टर साहिल मंसूरी, डॉक्टर स्वप्निल मरावी, डॉक्टर रश्मि विश्वकर्मा एवं महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी व छात्र- छात्राओं द्वारा महती भूमिका निभाई गई।

शहर की बेटी दक्षिण अफ्रीका में करेगी भारत का प्रतिनिधित्व

जबलपुर। यूआईपीएम द्वारा आयोजित मार्डन पेंटाथलॉन लेजर रन, बाईथले एवं ट्राईथले प्रतियोगिता की विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन दक्षिण अफ्रीका के मोजेस शहर में 08 से 14 दिसम्बर तक किया जाना है, जिसमें शहर की बेटी कु. नेहा यादव का चयन सितम्बर माह में आयोजित राष्ट्रीय लेजर रन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने एवं अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। नेहा 37वें राष्ट्रीय खेलों में एक स्वर्ण, एक कांस्य, अमरावती में एक रजत, 38वें राष्ट्रीय खेलों में व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत तथा सितम्बर माह में बिहार बेंगूसराय में पुनः स्वर्ण व रजत पदक प्राप्त कर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है और अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। कु. नेहा के चयन पर मप्र मार्डन पेंटाथलॉन के अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह अन्नू, मप्र ओलंपिक सचिव दिग्विजय सिंह, जबलपुर मार्डन पेंटाथलॉन के अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, सुनील भारती, राकेश श्रीवास, दीपक मेश्राम, सतेन्द्र तिवारी ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं दी हैं।

संग्रहालय में प्रवेश निःशुल्क हो

जबलपुर। भारतीय सर्व जनजाति सेना ने गोंडवाना साम्राज्य के अंतिम अमर शहीद शासक राजा शंकर शाह, कुं. रघुनाथ की बलिदान स्थली जिसे संग्रहालय बनाया गया है, को देखने प्रवेश निःशुल्क करने की मांग पर संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन को ज्ञापन सौंपा। बताया गया मप्र शासन द्वारा संग्रहालय को देखने 10 से 18 वर्ष की आयु हेतु 10 रुपये, विद्यार्थियों के परिचय पत्र दिखाने पर 10 रुपये एवं 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए 20 रुपये शुल्क वसूला जा रहा है, जबकि पूर्व में यह व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क थी। भारतीय सर्व जनजाति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रकुमार कुलस्ते, शैलेष सिंह लोधी, धनराज सिंह पुसाम, रमेश धुर्वे, देवेन्द्र साहू, उमा उइके, अंजना इनवाती, राकेश भलावी, लखन कुलस्ते सहित अन्य ने महामहिम राष्ट्रपति एवं राज्यपाल मप्र शासन, मुख्यमंत्री, आदिम जाति कल्याण मंत्री को ज्ञापन सौंपकर उक्त संग्रहालय के अवलोकन को पूर्णतः निःशुल्क करने की मांग की है। मांग पूरी न होने पर धरना आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

बाबा नीम करौरी महाराज का 125वां प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया

जबलपुर। बाबा नीम करौरी महाराज का 125वां प्रकटोत्सव 28 नवंबर 2025 को मनाया गया। आयोजन में बाबा नीम करोरी आश्रम में 28 नवंबर को शाम 3:00 बजे से 6:00 बजे तक सुंदरकांड, 6:00 बजे से 7:00 तक हनुमान चालीसा एवं संकीर्तन एवं दीपक उत्सव, सामूहिक रूप से 7:00 बजे आरती तत्पश्चात भंडारा और प्रसाद का वितरण किया गया। कथावाचक शुभम कृष्णा महाराज ने बताया कि बाबा के प्रकट उत्सव में 6 दिन की भागवत कथा का आयोजन किया गया जिसका 28 नवंबर बाबा के प्रकटोत्सव के दिन समापन किया गया एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

स्वस्थम हॉस्पिटल नागपुर, जबलपुर में मासिक वेस्कुलर और एंडोवेस्कुलर ओपीडी शुरू करेगा

जबलपुर। स्वस्थम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नागपुर जो मध्य भारत में उन्नत वेस्कुलर (संवहनी) और एंडोवेस्कुलर देखभाल का एक प्रमुख केन्द्र है, ने जटिल वेस्कुलर रोगों के लिए विशेष उपचार प्रदान करने जबलपुर में अपनी मासिक वेस्कुलर ओपीडी के शुभारंभ की घोषणा की है। यह ओपीडी हर महीने के अंतिम शनिवार को स्वस्थम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के अत्याधिक अनुभवी वेस्कुलर सर्जनों द्वारा संचालित की जाएगी। स्वस्थम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नागपुर इस क्षेत्र का एकमात्र केन्द्र है जहां पूरी तरह से प्रशिक्षित, अनुभवी और योग्य वेस्कुलर और एंडोवेस्कुलर सर्जन उपलब्ध हैं, जो विश्व स्तरीय उपचार प्रदान करते हैं। जबलपुर आने वाली विशेषज्ञ टीम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. रोहित गुप्ता विभागाध्यक्ष वेस्कुलर सर्जरी और निदेशक, स्वस्थम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, डॉ. कार्तिक गुप्ता वेस्कुलर और एंडोवेस्कुलर सर्जन, डॉ. अभिजीत रोकाडे सीईओ, स्वस्थम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं नरेश सिंह ठाकुर और ललित तावरी पीआर विभाग संबोधित करेंगे। साथ ही मध्यप्रदेश में वेस्कुलर रोगों के बढ़ते बोझ और समय पर विशेषज्ञ वेस्कुलर इंटरवेंशन के महत्व पर प्रकाश डालेंगे। जबलपुर में ओपीडी नारायणा हेल्थ क्लीनिक स्टेट बैंक कॉलोनी, उखरी रोड पावर हाउस के पास, गैस पेट्रोल पम्प के बगल से माह के अंतिम शनिवार को दोपहर 02 से 05 बजे तक संचालित की जाएगी।

हिन्दू महापंचायत ने निकाली विशाल वाहन रैली, प्रतिमाओं की हुई प्राण-प्रतिष्ठा

आज होगा 51 कन्याओं का सामूहिक विवाह

जबलपुर। हिन्दू एकीकरण अभियान के तहत सर्व स्वर्णकार महिला उत्थान समिति एवं भारतीय हिन्दू महासंघ द्वारा 29 नवम्बर 2025, शनिवार को ग्राम देवरी पटपरा, शारदा मंदिर बरेला रोड पर विशाल वाहन रैली एवं हिन्दू महापंचायत का भव्य आयोजन किया गया। साधु-सन्तों के नेतृत्व में आयोजित महापंचायत में सरपंच-सचिव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। साथ ही महाराजा अजमीढ़ देव धाम परिसर में पैदल नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए रुकने की व्यवस्था स्थल का लोकार्पण एवं प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाराज अजमीढ़ देव, खाटू श्याम व नर्मदा जी की प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा विधि सम्पन्न हुई। रैली में हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी, सर्व स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधि तथा समाज के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। आयोजनकर्ता मंजू सोनी ने बताया कि आज 30 नवम्बर 2025 को सर्व स्वर्णकार समाज द्वारा 51 कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से वर-वधू पक्ष के परिवार उपस्थित होंगे। वाहन रैली में राजा सराफ, बालेन्दू सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बिखरेगी लोक रंग संग काव्य रसधारा

जबलपुर। कालजयी अनिल कुमार श्रीवास्तव फाउंडेशन द्वारा लोक रंग, संगीत और कविताओं के अनोखे संयोजन "अक्षर" का आयोजन किया जा रहा है। रानी दुर्गावती संग्रहालय स्थित कला वीथिका में 30 नवम्बर शाम 6 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। जहां "हमाई बुंदेली" के अंतर्गत दमोह से आए बुंदेली कवि रमेश तिवारी और जबलपुर के बुंदेली कवि आशुतोष द्विवेदी बुंदेली कविताओं का पाठ करेंगे। आयोजन के अगले चरण "काव्य संध्या" में कविताओं का पाठ किया जाएगा। जहां प्रयागराज से आए युवा कवि केतन यादव, प्रयागराज की ही युवा कवियत्री रूपम मिश्रा काव्य पाठ करेंगे। इनके साथ ही भोपाल के रंगकर्मी, कवि हेमंत देवलेकर और जबलपुर की युवा कवियत्री बाबुषा कोहली भी ठंड की सुहानी शाम में काव्य रसधारा प्रवाहित कर श्रोताओं और दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम भाग "कविता ताल" में शहर के तबला वादक लोकेश मालवीय, अलंकृति श्रीवास्तव के साथ कविताओं और तबले की जुगलबंदी प्रस्तुत करेंगे। जिसमें देश भर के जाने-माने कवियों की कविताओं को शामिल किया गया है।

नगर निगम में सेवानिवृत्ति तिथि पर ही मिलेगा संपूर्ण भुगतान

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज एवं निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार अब सेवानिवृत कर्मचारियों, अधिकारियों को सेवानिवृत्ति की तिथि पर ही संपूर्ण भुगतान प्रदान किए जाने की व्यवस्था लागू कर दी गई है। आज दिनांक को कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके समस्त भुगतान उसी समय प्रदान किए गए, जो नगर निगम प्रशासन की संवेदनशीलता एवं कर्मचारियों के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है। पूर्व में यह भुगतान दो से तीन वर्षों तक लंबित रहते थे, जिससे अधिकारी, कर्मचारियों को अनावश्यक भटकना पड़ता था। संगठन द्वारा लगातार उठाई जा रही इस मांग को गंभीरता से लेते हुए महापौर एवं आयुक्त ने त्वरित निर्णय लिया और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट व कठोर निर्देश दिए। इसी का परिणाम है कि आज यह महत्वपूर्ण उपलब्धि कर्मचारी हित में लागू हो सकी। इस अवसर पर नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, नगर निगम जबलपुर, मध्य प्रदेश आजाद संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा एवं संगठन के समस्त पदाधिकारियों ने महापौर, निगम अध्यक्ष एवं आयुक्त का सामूहिक स्वागत कर उनका आभार व्यक्त किया। संगठन की ओर से उपस्थित अमित मेहरा (अध्यक्ष), गुलशन जबलपुर, अक्षय कोरी, नायडू, श्रीनिवासनु, नरसिम्हलु, सैमुअल देव, झारिया, रामू भैया सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। यह कदम सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए आशा, सम्मान और सम्मानजनक भविष्य की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय साबित होगा। संगठन इस पहल हेतु नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त करता है।

सूफी बुजुर्ग पर विवादित पोस्ट मामले में एफआईआर

जबलपुर। सूफ़ी बुजुर्ग हाजी मोहम्मद हसन साधू बाबा रहमतुल्लाह अलैहे की शान में की गई गुस्ताख़ी और सोशल मीडिया पर फैलाई गई झूठी पोस्ट के मामले में आखिरकार अनवार आबू और अकरम अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। हनुमानताल थाना पुलिस ने 28 नवंबर 2025 की शाम एफआईआर क्रमांक 0862/2025 दर्ज की, जिसमें बीएनएस की धारा 299, बीएनएस 302 और 3(5) के तहत प्रकरण कायम किया गया है। यह मामला 19 नवंबर को उस समय भड़का, जब अनवर ने कथित तौर पर अपने फेसबुक पेज से साधू बाबा के खिलाफ मनगढ़ंत और अश्लील आरोप लगाते हुए पोस्ट की थी। इससे समाज में आक्रोश फैल गया। गौरतलब है की 19 नवंबर को बुजुर्गों के खिलाफ झूठी और आपत्तिजनक खबर पोस्ट किए जाने पर समाज में आक्रोश फैला। 20 नवंबर को लगभग 250 लोग हनुमानताल थाने पहुंचे और गैंग के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। 25 नवंबर को उलेमा, समाजसेवी और मोहल्ले के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और कठोर कार्रवाई की मांग की। 27 नवंबर को शहर की प्रमुख खानकाहों, मस्जिदों और धार्मिक संस्थाओं की बैठक हुई, जिसमें समाज को ऐसे तत्वों के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई का निर्णय लिया गया। लगातार दबाव, सामूहिक प्रयास और समाज की एकजुट आवाज के बाद पुलिस ने 28 नवंबर को अनवर–अकरम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। एफआईआर में ब्लैकमेलिंग, धमकाने, झूठा कंटेंट फैलाने और धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। समाज के लोगों का कहना है कि अब न्याय की उम्मीद बढ़ी है और वे चाहते हैं कि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हो तथा मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की जाए।

समाज में फसाद फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध FIR दर्ज

जबलपुर। आखिरकार वह ऐतिहासिक क्षण आ गया जिसका इंतजार शहर के हजारों लोगों को था। सूफ़ी बुजुर्ग हाजी मोहम्मद हसन साधू बाबा रहमतुल्लाह अलैहे की शान में की गई घिनौनी गुस्ताख़ी मामले में ब्लैकमेलिंग रैकेट के सरगना अनवर बाबू व उसके साथी अकरम अंसारी के खिलाफ हनुमानताल थाना में FIR दर्ज कर ली गई है। दर्ज एफआईआर के अनुसार 1999 में 95 वर्ष की उम्र में विसाल कर चुके साधू बाबा के बारे में अनवर ने 19 नवम्बर को अपने फेसबुक पेज से एक फर्जी, मनगढ़ंत और अश्लील पोस्ट कर अफेयर, जिना और काफ़िर होने जैसे घिनौने आरोप लगाए थे, जिसका उद्देश्य समाज में फसाद फैलाना और ब्लैकमेलिंग के जरिए लाभ कमाना था। बताया गया कि यह गैंग लंबे समय से मुस्लिम बहुल इलाकों में ब्लैकमेलिंग करती आ रही है और इस पूरे षड्यंत्र में एक मुरतद व्यक्ति आरिफ 'पहलवान' की भूमिका भी सामने आई है, जिसे इस रैकेट का मास्टरमाइंड बताया गया है।

एसआईआर की अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग

जबलपुर। कांग्रेस पार्षद दल के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश सोनकर, पूर्व पार्षद एड. तेज कुमार भगत और संजय बघेल ने एसआईआर की अंतिम तारीख को बढ़ाने की मांग की है जिससे कोई भी मतदाता अपने वोट के अधिकार से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा भारत निर्वाचन आयोग एवं सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा विशेष मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य कराया जा रहा है उसकी वजह से बी एल ओ और जनता के बीच में सही तरीके से तालमेल न बैठने की वजह से हजारों लाखों लोग आज भी अपने नाम को लेकर वर्ष 2003 की मतदाता सूची से अपने नाम का मैपिंग कराने के लिए दर दर भटकने को मजबूर है।

बच्चों ने किया स्वदेशी परिधान, यंत्रों और बर्तन का प्रदर्शन

प्रथम बाल स्वदेशी मेला आयोजित

जबलपुर। स्वतंत्र भारत में स्वदेशी की अलख जगाने वाले, स्वदेशी क्रांति को नया आयाम देने वाले राष्ट्रबंधु राजीव दीक्षित के जन्म जयंती पर 29 एवं 30 नवंबर को पूरे देश में स्वदेशी दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में राजीव दीक्षित स्वदेशी धाम के तत्वधान में जे के विद्यालय परिसर में आने वाली पीढ़ी को राजीव दीक्षित की शिक्षाओं से अवगत कराने, लोगो में स्वदेशी के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रथम स्वदेशी बाल मेला का आयोजन किया जिसमें राजीव दीक्षित के प्रत्यक्षदर्शी, भारतीय स्टेट बैंक के चीफ मैनेज (रिटायर्ड), भारत कृषक समाज के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य रामकिशन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस मौके पर उन्होंने अपने व्याख्यान में स्वदेशी बाल मेले में उपस्थिति बच्चे, अभिभावक, ग्रामीजनों को स्वदेशी से समृद्धि की ओर जाने का मंत्र दिया साथ ही राजीव दीक्षित के प्रत्यक्षदर्शी होने के अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में जितेन्द्र देसी ने अपने संबोधन में सबसे अपील की कि स्वदेशी ही अंतिम विकल्प है। स्वदेशी बाल मेले में बच्चों के द्वारा विभिन्न स्वदेशी की तरफ आकर्षित करने हेतु प्रस्तुति दी। स्वदेशी मेले के मुख्य आकर्षण - स्वदेशी परिधान की झांकियां, स्वदेशी व्यंजन, स्वदेशी यंत्रों का प्रदर्शन, स्वदेशी बर्तनों का प्रदर्शन, स्वदेशी कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, स्वदेशी खेल कूद, स्वदेशी उत्पाद, सांस्कृतिक, मनोरंजन गतिविधियां, सांस्कृतिक विरासत, रहन सहन, भेष भूषा आदि की मनोरम दृश्य देखने मिले। कार्यक्रम में विशेष रूप से केशव प्रसाद विश्वकर्मा, जे के विद्यालय के संचालक डॉ के के विश्वकर्मा, संचालिका श्रीमती रीना पटेल, पूजा विश्वकर्मा, शिवानी पटेल, नेहा पटेल, भागवती सेन आदि शिक्षिकाएं, बच्चों में विभिन्न परिधानों, नृत्य आदि से आयशा पटेल, मुस्कान विश्वकर्मा, सुरभि बर्मन, आरव विश्वकर्मा, मोहिल कोल, कृष्णा दहिया सहित अन्य छात्र छात्राएं, अभिभावक, ग्रामीणजन उपस्थिति थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर
सं.प्र.क्र./083/अ-6/2025-26
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमार चौधरी स्व. श्री हेमराज चौधरी 906, झंडा चौक काँचघर जबलपुर ने नजूल ब्लाक नं. 26 प्लाट नं. 3/77 सी रकवा 336 व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन रकवा 336 व.फु./हे. पर विक्रयपत्र/हक त्याग/वसीयतनामा/ दानपत्र/वारसान हक/मृत्यु 11/03/2019 को हो जाने के कारण वारसान हक/क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 26 प्लाट नं. 3/77 सी रकवा 336 के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 08/12/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियम दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी । इश्तहार आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक : 21.11.2025
पेशी दिनांक : 08.12.2025
तहसीलदार, रांझी, जबलपुर

अरबों में बना दुनिया का सबसे मॉडर्न एयरपोर्ट 3 साल में हो गया बंद

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

सोचिए एक ऐसा एयरपोर्ट, जिसे अरबों रुपये खर्च करके बनाया गया हो, जिसे यूरोप का बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई हब बनाने का सपना दिखाया गया हो, जहां दुनिया भर की फ्लाइट्स आने की उम्मीद हो और वही एयरपोर्ट कुछ ही सालों में पूरी तरह वीरान हो जाए! यह कहानी सुनने में भले ही किसी फिल्म का प्लॉट लगे, लेकिन स्पेन का रियल सिउदाद बिल्कुल ऐसा ही असली, चौंकाने वाला और बेहद महंगा 'फेल प्रोजेक्ट है। आज इसकी चर्चा होते ही लोग इसे 'स्पेन का घोस्ट एयरपोर्ट' कहकर याद करते हैं। दरअसल, रियल सिउदाद एयरपोर्ट को 2009 में बड़े धूमधाम से खोला गया था। इसे बनाने में 1.1 बिलियन (लगभग 10,000 करोड़ रुपए) से भी अधिक खर्च किए गए थे। स्पेन सरकार और निवेशकों को पूरा विश्वास था कि यह देश का अगला बड़ा एविएशन हब बनेगा, जहां यूरोप की कम लागत वाली एयरलाइंस भारी संख्या में उड़ानें शुरू करेंगी। एयरपोर्ट को बेहद आधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया गया था। इसकी सबसे खास बात थी यूरोप की सबसे लंबी रनवे, जिसकी लंबाई करीब 4.1 किलोमीटर थी। इसके अलावा, एयरपोर्ट का आधुनिक टर्मिनल 10 मिलियन यात्रियों को हर साल संभालने की क्षमता रखता था। इन खूबियों को देखते हुए निवेशकों का मानना था कि यह प्रोजेक्ट निश्चित रूप से बेहद फायदे का सौदा साबित होगा। लेकिन, सपनों पर आधारित यह भरोसा ज्यादा समय तक टिक नहीं पाया। एयरपोर्ट बनने के बाद जिन उम्मीदों पर इसे खड़ा किया गया था, वे एक-एक कर टूटती चली गईं, और कुछ ही सालों में यह भव्य प्रोजेक्ट पूरी तरह ठप हो गया।

सबसे बड़ी गलती: एयरपोर्ट बना, लेकिन लोकेशन गलत

यह एयरपोर्ट मैड्रिड से करीब 200 किमी दूर बनाया गया था। लोगों के लिए इतनी दूर जाकर फ्लाइट पकड़ना बिल्कुल सुविधाजनक नहीं था, चाहे टिकट कितनी ही सस्ती क्यों न हो। सरकार ने वादा किया था कि मैड्रिड–सेविले हाई-स्पीड रेल स्टेशन एयरपोर्ट तक बनाया जाएगा, जिससे लोग एक घंटे में पहुंच सकेंगे। लेकिन, यह स्टेशन कभी बना ही नहीं. इससे यात्रियों की संख्या उम्मीद से बहुत कम रह गई। शुरुआत में कई ने उड़ानें शुरू कीं। लेकिन, कम यात्रियों की वजह से तीनों कंपनियां एक–एक करके पीछे हट गईं। आखिर में वूएलिंग आखिरी एयरलाइन बची, जिसने 2011 में अपनी सेवाएं बंद कर दीं। इसके बाद एयरपोर्ट पूरी तरह से ही खाली हो गया।

अंत में क्या हुआ?

कई सालों बाद 2018 में एयरपोर्ट सिर्फ 56 मिलियन (लगभग 5,040 करोड़ रुपए) में बेचा गया जो इसकी असली लागत से बहुत ज्यादा कम था। 2019 में इसे फिर से खोला गया, लेकिन अब यह एक स्टोरेज, मेंटेनेंस और विमान तोड़ने का केंद्र है। कोविड के दौरान यहां कई विमानों को पार्क किया गया, लेकिन यह कभी भी वह बड़ा यात्री हब नहीं बन पाया, जिसके लिए इसे बनाया गया था।

तीन साल में दिवालिया!

यात्रियों के बिना एयरपोर्ट चलाना नामुमकिन था। संचालन कंपनियों पर 300 मिलियन(लगभग 2,700 करोड़) से ज्यादा का कर्ज हो गया और 2012 में एयरपोर्ट बंद कर दिया गया। यह उस समय दुनिया के सबसे बड़े 'फेल एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स'में से एक बन गया। एयरपोर्ट को बेचने के लिए शुरुआती न्यूनतम कीमत 100 मिलियन (लगभग 900 करोड़) रखी गई थी। लेकिन, किसी ने खरीदने में रुचि ही नहीं दिखाई। एक समय तो एक चीनी समूह ने इसे खरीदने के लिए सिर्फ 10,000 (लगभग 9 लाख रुपए) की बोली लगा दी! यह खबर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में मजाक की तरह फैल गई और स्पेन के लिए शर्मिंदगी का कारण बनी।

लाइफ में 4 बार हिलते हैं हमारे दिमाग के तार

एजेंसी ▶▶| लंदन

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की ओर से 0-90 साल तक 3,800 लोगों के ब्रेन का MRI किया गया। इसमें पता चला कि हमारा ब्रेन जीवन में केवल 4 बार अचानक बेहद बड़ा बदलाव करता है। ये उम्र 9 साल, 32 साल, 66 साल और 83 साल है। बाकी समय हमारा दिमाग धीरे-धीरे बदलता है।

हमारे दिमाग में 86 अरब छोटी-छोटी सेल्स यानी न्यूरॉन होती हैं। ये सफेद रंग की पतले तारें यानी व्हाइट मैटर से एक-दूसरे के साथ जुड़ी होती हैं। बिजली की तारों की तरह ये जितनी अच्छी और तेज होंगी हमारा दिमाग भी उतना ही तेज चलेगा और यादाश्त भी अच्छी रहेगी। बता दें कि 5-10 साल की उम्र बच्चे के ब्रेन के लिए गोल्डन पीरियड होता है। इस उम्र में दिमाग की तारें तेजी से बनती और मजबूत होती हैं। बच्चा इस उम्र में भाषा-संगीत से लेकर जो भी सीखता है कभी नहीं भूलता।

30-35 की उम्र में हमारा दिमाग बिल्कुल पीक पर होता है। इस दौरान ब्रेन की सभी तारें परफेक्ट तरीके से जुड़ी होती हैं। वहीं इस उम्र में एकाग्रता और याददाश्त भी तेज होती है। दिमाग के चेज चलने के कारण कई बिजनेसमैन, राइटर, खिलाड़ी या साइंटिस्ट इस उम्र में अपना सबसे बेहतरीन काम करते हैं। 83 की उम्र में हमारे दिमाग की तारे धीरे-धीरे पतनी होने शुरु हो जाती है। इस उम्र में कुछ भी नया सीखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, हालांकि पुरानी यादें और अनुभव मजबूत रहता है। इस उम्र के लोग सबसे अधिक समझदार और बेहतर फैसले लेने वाले होते हैं।

दिमाग की तारें होने लगती हैं कमजोर

90-95 की उम्र में हमारी दिमाग की तारें कमजोर होने लगती हैं। इस दौरान याद्दाश्त भी धीमी होने लगती हैं। इस उम्र के लोगों में अल्जाइमर जैसी बीमारियों का भी खतरा बढ़ता है, हालांकि डो लोग रेगुलर किताबें पढ़ते हैं, टहलते और हंसते रहते हैं उनका दिमाग 90-95 साल तक भी तेजी से चलता है।

मंगल पर पहली बार बिजली का सबूत!

नासा के रोवर ने सुनी रहस्यमयी गड़गड़ाहट 55 बार दर्ज हुआ इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

रोवर ने मंगल ग्रह पर पहली बार बिजली जैसी इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज की आवाज रिकॉर्ड की है। 2 मार्टियन सालों में कुल 55 बार ऐसे संकेत मिले हैं, जिनमें 7 रिकॉर्डिंग्स में बिजली जैसी ध्वनि भी शामिल रही थी। दृढ़ता के सुपरकैम माइक्रोफोन ने मंगल के धूल भरे तूफानों और घूमते हुए डस्ट डेविल्स के बीच छोटे-छोटे बिजली के डिस्चार्ज को पकड़ा। ये आवाजें बहुत हल्की थीं। हालांकि, इससे यह साबित हो गया कि मंगल पर बिजली होने जैसी एक्टिविटी तो होती हैं। बता दें कि यह भविष्य के रोबोट, मॉड्यूल तथा मानव मिशनों के डिजाइन के लिए बेहद जरूरी जानकारी है। इस खोज से हमें यह पता चलता है कि मंगल के पतले और सूखे वातावरण में किन परिस्थितियों में बिजली बनती है।

कैसे बनती है बिजली?

मंगल ग्रह का वातावरण कार्बन डाइऑक्साइड का है यानी बहुत पतला और बेहद सूखा है, इसलिए वहां बिजली बनना हमेशा शक के घेरे में रहा है। हालांकि, वैज्ञानिकों को लंबे समय से लगता था कि धूल के तूफान और तेज हवाएं रेत के कणों को आपस में रगड़ती हैं, जिससे चार्ज बनता है और बिजली या चिंगारियां निकलती हैं। जो कि परसेवेरेंस ने अब साफ कर दिया है।

कैसे पकड़ी गई मंगल की बिजली?

सुपरकैम माइक्रोफोन आवाज के साथ साथ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक संकेत भी पकड़ने में सक्षम है। बता दें कि रिकॉर्डिंग में तीन चरणों के संकेत मिले है। पहला एक इलेक्ट्रॉनिक क्लिप जब डिस्चार्ज माइक्रोफोन की वायरिंग के पास हुआ था। दूसरा रिंगडाउन सिग्नल यह लगभग 8 मिलीसेकंड तक था. तीसरा हवा में छोटी सी धम-सी आवाज जैसे छोटा सा थंडर आया हो। बता दें, इस बात को टेस्ट करने के लिए वैज्ञानिकों ने माइक्रोफोन की कॉपी के पास विम्सहर्स्ट मशीन से छोटे बिजली डिस्चार्ज छोड़े थे और परिणाम बिल्कुल मंगल जैसे ही मिले, यानी यह साफ हो गया है कि परसेवेरेंस ने जो सुना वह मार्स लाइटिंग ही है।

एक डेटा के अनुसार कहें तो 55 में से 54 घटनाएं तेज हवाओं के दौरान हुईं बिजली हुई, सबसे अधिक डिस्चार्ज धूल भरी आंधियों के फ्रंट हिस्से में देखे गए थे और 16 घटनाएं दो अलग-अलग डस्ट डेविल्स के दौरान मिलीं थीं।

नासा के परसेवेरेंस रोवर ने भेजी रिकॉर्डिंग

नासा के परसेवेरेंस रोवर ने जो रिकॉर्डिंग भेजी हैं। मंगल ग्रह पर बिजली की मौजूदगी का पहला ठोस सबूत माना जा रहा है। रोवर के सुपरकैम माइक्रोफोन ने 28 घंटे की ऑडियो रिकॉर्डिंग में 55 बार इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज पकड़े हैं। बता दें इनमें से 7 घटनाएं पूरी तरह रिकॉर्ड हुईं, जिसमें एक बेहद हल्की थंडर क्लैप यानी छोटी-सी गड़गड़ाहट भी सुनाई दी है।

हमले में कांग्रेस के बड़े नेताओं समेत 27 की गई थी जान

झीरम हमले का मास्टरमाइंड श्याम दादा ने 9 नक्सलियों के साथ किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के सफाए के एलान के बाद नक्सल प्रभावित राज्यों में समर्पण का दौर जारी है। शुक्रवार को संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में कुख्यात नक्सली लीडर व झीरम हमले का मास्टरमाइंड 25 लाख के ईनामी चैतू उर्फ श्याम दादा 9 साथियों के साथ आईजी सुंदरराज पी व एसपी शलभ कुमार सिन्हा के समक्ष हथियार सौंप कर हाथों में सविंधान की किताब लेकर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पण करने वाले नक्सलियों पर 65 लाख रूपए का ईनाम घोषित था।

आईजी ने कहा कि बस्तर में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है, झीरम घाटी हमले के मास्टरमाइंड और 25 लाख रुपये ईनामी माओवादी चैतू उर्फ श्याम दादा ने अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया है। चैतू झीरम घाटी हमले का मास्टरमाइंड और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी केअलावा दरभा डिवीजन का प्रभारी भी रहा है। उसके साथ नौ अन्य नक्सलियों ने भी हथियार छोड़ दिए। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम के सामने सभी नक्सलियों ने समर्पण करने वाला चैतू नक्सल संगठन का बड़ा चेहरा माना जाता था। वह दरभा डिवीजन का प्रभारी भी रहा और वर्ष 2013 में हुए झीरम घाटी हमले में उसकी मुख्य भूमिका थी। इस हमले में बस्तर टाईगर महेन्द्र कर्मा समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता समेत 27 लोग मारे गए थे।

दरभा इंचार्ज था श्याम

चैतू उर्फ श्याम दादा का पूरा नाम गिरी रेड्डी पवन दा रेड्डी है। लगभग 60 वर्षीय चैतू मूलतः ग्राम तुलसापुर, मंडल रघुनंदापल्ली, जिला वारंगल का रहने वाला है। वह डीकेएसजेडसी का वरिष्ठ सदस्य और दरभा डिवीजन का इंचार्ज था। आत्मसमर्पण के दौरान चैतू ने अपने पास रखा एके 47 रायफल भी पुलिस के हवाले कर दिया है। संगठन में रहने के दारान चैतू आधुनिक तकनीक का उपयोग करने में माहिर था इनमें टैबलेट, लैपटॉप, सोलर पैनल व बैटरी, टचस्क्रीन मोबाइल, वॉकी-टॉकी और रेडियो जैसे संसाधन शामिल है।

समर्पित नक्सलियों में इनका नाम

शुक्रवार को समर्पण करने वाले नक्सलियों में डीकेएसजेडसी मेंबर चैतू उर्फ श्याम दादा के अलावा 8 लाख रूपए का ईनामी डीवीसीएम सरोज, एसीएम (एरिया कमेटी सदस्य) भूपेश उर्फ सहायक राम, प्रकाश, कमलेश उर्फ झितरु, जननी उर्फ रयमती कश्यप, संतोष उर्फ सन्नू व नवीन के अलावा पीएम (प्रोटेक्शन मिलिशिया) रमशीला और जयती कश्यप भी शामिल है। इन सभी पर कुल 65 लाख रुपये के इनामी घोषित था। सभी ने शौर्य भवन पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर लालबाग में समर्पण किया। समर्पण के दौरान आईजी के अलावा एसपी शलभ कुमार सिन्हा, सुरक्षाबलों के अधिकारी समाज के वरिष्ठ जन, परिवारजन व अन्य मौजूद रहे। मुख्यधारा में लौटने वाले नक्सलियों का रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत किया और उन्हें संविधान की पुस्तक और गुलदस्ता भेंट किया गया।

हवा की रफ्तार बढ़ी, समुद्र उफनने लगा मलक्का स्ट्रेट से उठी खौफनाक आहट!

नई दिल्ली। हिंद महासागर में एक मौसम में लगातार तेज बदलाव हो रहे है। अगले कुछ दिनों में यह एक चक्रवाती तूफान का रूप भी ले सकती है। भारत मौसम विभाग की माने तो जैसे ही इस सिस्टम की हवा की गति 34 नॉट यानी 62 किलोमीटर प्रति घंटा से ऊपर जाएगी, इसे आधिकारिक तौर पर चक्रवाती तूफान सेनयार नाम दिया जाएगा। मौसम विशेषज्ञों की नजरें मलक्का जलडमरूमध्य के ऊपर बने एक लो-प्रेशर वाले एरिया पर टिकी हुई हैं। यह संकरी समुद्री पट्टी अंडमान सागर को दक्षिण चीन सागर से जोड़ती है। यही सिस्टम आगे बढ़कर बंगाल की खाड़ी, दक्षिण श्रीलंका के आसपास के इलाकों और दक्षिण भारत के मौसम को प्रभावित कर रहा है। आईएमडी का कहना है कि हवा की रफ्तार और समुद्री की परिस्थिति इस सिस्टम को 26 नवंबर तक एक पूर्ण चक्रवात में बदलने के लिए वैसे ही बनी हुई हैं।

सेनयार नाम क्यों?

उत्तर हिंद महासागर में बनने वाले चक्रवातों के नामकरण की जिम्मेदारी उष्णकटिबंधीय चक्रवातों पर पैनल के पास है, इसमें यूएई सहित कुल 13 देश शामिल हैं। हर देश अपनी तरफ से कुछ नामों की लिस्ट देता है। ये नाम छोटे, आसान, और किसी धर्म, राजनीति या संस्कृति से न जुड़े होते हैं। बता दें कि नाम एक तरीके से दिए जाते हैं और एक बार किसी तूफान के लिए इस्तेमाल होने पर दोबारा नहीं दोहराए जाते हैं। यूएई द्वारा भेजी लिस्ट में सेनयार जिसका मतलब शेर होता है वो नाम दिया गया है।

आवश्यकता

आवश्यकता है – प्लांट में निर्माण कार्य हेतु दैनिक वेतन पर मिस्त्री 100 पद, कुली 200 पद बढ़ई 200 पद, लोहार 200 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7000087500, 8602002511, 8234976143 (39274)(रायपुर /04/ दिस./25)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

बंगाली कायस्थ 33 वर्ष, हाइट 5'-7" एक प्रतिष्ठित कम्पनी (कोका कोला) नागपुर में कार्यरत हेतु सुयोग्य सुन्दर शिक्षित बंगाली कायस्थ वधु चाहिए
सम्पर्क करें:-
9530167919
9826413593
9165762781
9755413048

वधु चाहिए

गुजराती 44/ 5'-11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें-
9827114645
9131139179
(मैरिज ब्यूरो क्षमा)

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में

खाना खाने के बाद यहां के लोग खा जाते हैं 300-300 रसगुल्ले

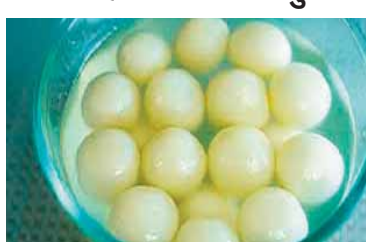

नई दिल्ली। बिहार और नेपाल के मिथिला क्षेत्र में 'रसगुल्ला भोज' की अद्वितीय परंपरा है, जहां लोग किसी भी दावत में असामान्य और रिकॉर्ड तोड़ मात्रा में इस मिठाई का सेवन करते हैं। इसी संस्कृति को दर्शाते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि इस क्षेत्र के लोग पेट भर खाना खाने के बाद भी कम से कम 300 रसगुल्ले खा जाते हैं।

सरकार की नीतियों की सफलता- साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, सुशासन की सरकार ने बस्तर में शांति और समृद्धि की नई राह प्रशस्त की है। हमारी सरकार की "आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025" तथा "पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन" जैसी मानवीय और दूरदर्शी पहल ने बस्तर में विश्वास, सुरक्षा और स्थायी शांति का वातावरण स्थापित किया है। माओवादी भ्रमजाल में फंसे अनेक लोग अब हिंसा का मार्ग छोड़कर विकास और मुख्यधारा की ओर लौट रहे हैं। इसी निरंतर अभियान के तहत आज 25 लाख के इनामी चैतू उर्फ श्याम दादा सहित कुल 65 लाख रुपए के इनाम वाले 10 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह बदलते बस्तर और सरकार की नीतियों की सफलता का स्पष्ट प्रमाण है।

शब्द पहेली - 6063

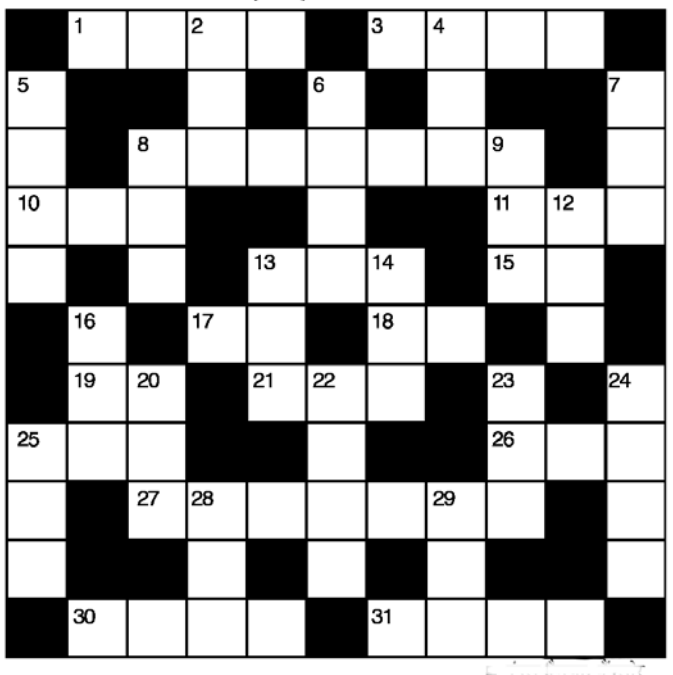

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6062 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	यु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

सूडोकु नवताल- 6073

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6072 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए
निरंतर अग्रसर इसरो

{ कवर स्टोरी / संजय श्रीवास्तव }

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

देश की प्रगति के लिए जरूरी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य: वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज

अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर: आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे

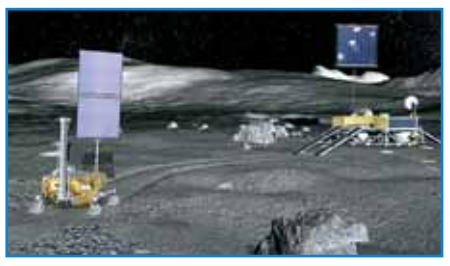

स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित: जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

कई स्तरों पर करनी होगी पहल: इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

इसरो के लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

क्या होते हैं डिजिटल गेम्स: डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

दीवानी है नई पीढ़ी: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत: वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

डिजिटल गेम्स का भविष्य: जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

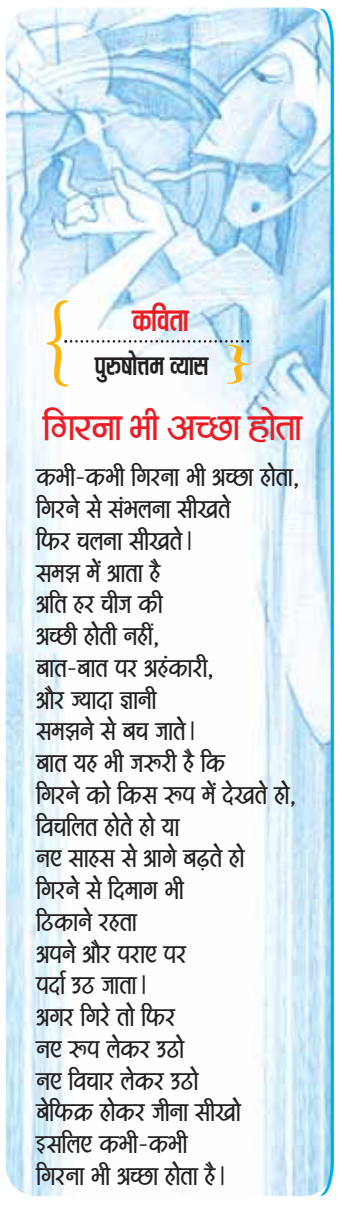

{ कविता / पुरुषोत्तम व्यास }

गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

{ व्यंग्यात्मक संस्मरण / डॉ. मुकेश असीमित }

टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गई और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

{ लघुकथा / सतीश उपाध्याय }

दरवाजा

'मम्मी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

पुस्तक: छवि से अलग (संस्मरण), **लेखक:** विनोद दास, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

वुमेंस प्रीमियर लीग का शेड्यूल जारी, 2 शहर में 22 मुकाबले, मुंबई इंडियंस-आरसीबी के बीच पहला मैच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरुआत 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबले के साथ होगी। डब्ल्यूपीएल 2026 के शेड्यूल की जानकारी देते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में आयोजित होगा। विमेंस प्रीमियर लीग 2026

में 9-17 जनवरी के बीच मुकाबले नवी मुंबई में खेले जाएंगे। इस दौरान 11 मुकाबले आयोजित होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में होंगे। इनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं। वडोदरा लेग की शुरुआत गुजरात जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के साथ होगी। मुंबई इंडियंस डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इस सीजन में उतर रही है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस खिताब को जीतने वाली दूसरी टीम है। गुजरात जायंट्स वडोदरा लेग की शुरुआत आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से करेगी, जिसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच होगा। 1 फरवरी को लीग स्टेज खत्म होने के बाद, एलिमिनेटर में दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें हिस्सा लेंगी। टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी।

टाइम टेबल

नवी मुंबई लेग:
9 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग:
19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
1 फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
3 फरवरी: एलिमिनेटर
5 फरवरी: फाइनल

खबर संक्षेप

ओजस्विनी ने जीती डीजीसी लेडीज एमेच्योर ओपन गोल्फ चैंपियनशिप

नई दिल्ली। ओजस्विनी सारस्वत ने दिल्ली गोल्फ क्लब में 222 के कुल स्कोर के साथ 15वीं डीजीसी लेडीज एमेच्योर ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में 115 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें सारस्वत ने 222 अंकों के साथ ट्रॉफी जीती, जबकि केया बडुगु (225) दूसरे और योग्या भल्ला (232) तीसरे स्थान पर रही। अन्य खिलाड़ियों में प्रतियोगिता के अंतिम दिन एशम अग्निश ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने पांचवें होल पर एक शानदार होल-इन-वन दर्ज किया। पिछले वर्षों की तरह इस साल भी खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता से विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग अंक हासिल किए।

शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब अदिति अवनि शीर्ष 20 में बनाई जगह

मलागा। गोल्फर अदिति अशोक एंडालुसिया कोस्टा डेल सोल ओपन डी एस्पाना में दूसरे राउंड के बाद शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब पहुंच गई जबकि अवनि प्रशांत ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 20 में जगह बना ली। इस प्रतियोगिता की पूर्व विजेता अदिति ने दूसरे राउंड में दो अंडर 70 का स्कोर बनाया और अब वह पांच अंडर 139 के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई है। अवनि ने दूसरे राउंड में तीन अंडर 69 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड हासिल किया, जिससे उनका स्कोर चार अंडर हो गया और वह संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में प्रणवी उर्स (71) एक ओवर के कुल स्कोर पर 47वें स्थान पर जबकि हिताशी बख्शी (76) और दीक्षा डागर (75) दोनों संयुक्त 64वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड को ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले लगा झटका, मार्क वुड दूसरे मुकाबले से बाहर

पर्थ। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले झटका लगा है। तेज गेंदबाज मार्क वुड ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। वह पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में खेले थे। इस मुकाबले में इंग्लैंड को दो दिन के अंदर सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। मार्क वुड का यह नौ महीनों के अंदर पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। साथ ही अगस्त 2024 के बाद उनका पहला टेस्ट था। मार्च 2025 में घुटने की चोट के बाद से वह क्रिकेट से दूर थे। इससे पहले भी वह चोटों की वजह से नहीं खेल पा रहे थे। वुड ने पर्थ टेस्ट में दोनों पारियों में मिलाकर कुल 11 ओवर फेंके थे। लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था।

गिल और अय्यर इंजरी के कारण बाहर, मैच दोपहर 1.30 से शुरू

आज से भारत-द.अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज, रोहित और कोहली की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▶▶ रांची

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे, जिससे वह 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में खेलते हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत के टेस्ट सीरीज हराने के बाद रोहित और कोहली की वनडे सीरीज जीतने के लिए कड़ी परीक्षा होगी। वहीं शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दोनों इंजरी के कारण बाहर हैं।

केएल राहुल को कप्तानी की कमान

इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की कप्तान केएल राहुल के हाथों में सौंपी गई है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दोनों इंजरी के कारण बाहर हैं। साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार रविंद्र जडेजा भी वनडे टीम में नजर आने वाले हैं। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा होंगी। उनके ऊपर भी नजरें होंगी। क्योंकि साउथ अफ्रीका ने 10 साल से भारत में कोई भी वनडे सीरीज नहीं जीती है।

बुमराह और सिराज को आराम

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है, जबकि नियमित कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर चोटिल हैं। उनकी अनुपस्थिति न केवल टीम की बल्लेबाजी को कमजोर करती है, बल्कि कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल और मुख्य कोच गंभीर को भी अपनी भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निभाने के लिए बाध्य करती है। मध्यक्रम की पहेली और भी नाजुक है। प्रबंधन को यह तय करना होगा कि ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को चुना जाए या फिर नीतीश कुमार रेड्डी को। तिलक वर्मा ने खुद को भरोसेमंद बल्लेबाज साबित किया है और टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम एकादश में रखना चाहेगा।

विराट अपने नाम करेंगे खास रिकॉर्ड

कोहली ने द्विपक्षीय वनडे सीरीज के इतिहास में 196 पारियों में 9936 रन बनाए हैं। अगर कोहली इस मैच में 64 रन बना लेते हैं तो द्विपक्षीय वनडे सीरीज में 10 हजार रन पूरे कर लेंगे और ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर एमएस धोनी हैं, जिन्होंने 201 पारियों में 7669 रन बनाए हैं। बता दें कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोहली का वनडे रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अभी तक साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में 65.39 की औसत से 1504 रन बनाए हैं, इस दौरान वह पांच शतक लगाने में कामयाब रहे हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने से सिर्फ 98 रन दूर रोहित

रोहित अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले मैच में रोहित शर्मा के पास एक खास उपलब्धि को अपने नाम करने का मौका होगा। रोहित इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने से सिर्फ 98 रन दूर हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक सिर्फ 13 खिलाड़ी ही इस उपलब्धि को अपने नाम कर पाए हैं। 98 रन बनाते ही वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 20000 रन बनाने वाले भारत के चौथे और दुनिया के 14वें क्रिकेटर बन जाएंगे। भारत के लिए यह कारनामा अभी तक सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ने ही हासिल किया है।

टीमें इस प्रकार

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी , रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी

मलेशिया, नीदरलैंड ने की जीत से शुरुआत

एजेंसी ▶▶ मदुरै

मलेशिया और नीदरलैंड ने पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया।

मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए।

श्रीकांत, त्रीसा-गायत्री खिताब के करीब

लखनऊ। पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत और गत चैंपियन त्रीसा जॉली तथा गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्रमशः पुरुष एकल और महिला युगल फाइनल में जगह बनाई। वर्ष 2016 में यहां खिताब जीतने वाले 32 साल के श्रीकांत ने कड़े मुकाबले में हमवतन और 2023 के राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथन को सेमीफाइनल में 21-15, 19-21, 21-13 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन और जापान के मिनोरु कोगा के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। श्रीकांत की जीत से पहले त्रीसा और गायत्री की दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी ने ओंग शिन यी और कारमेन टिंग की मलेशिया की दुनिया की 33वें नंबर की जोड़ी को सीधे गेम में 21-11, 21-15 ये हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

फीफा विश्व कप

फाइनल ड्रॉ का बॉयकॉट करेगा ईरान यूएस ने किया वीजा देने से इनकार

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान की फुटबॉल फेडरेशन 2026 फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल ड्रॉ का बहिष्कार करेगी। यह ड्रॉ 5 दिसंबर को वॉशिंगटन डीसी में निर्धारित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान प्रतिनिधिमंडल के कई प्रमुख सदस्यों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। फेडरेशन के प्रवक्ता आमिर मेहदी अलावी ने बताया कि यह फैसला आवश्यक पूछताछ, आंतरिक चर्चाओं और खेल एवं युवा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से परामर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे खेल भावना के विपरीत बताया है। आमिर मेहदी अलावी ने स्पष्ट किया है उन्होंने फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो समेत उनके अधिकारियों को वीजा के मुद्दे के बारे में बता दिया गया है।

हेड कोच समेत चार सदस्यों को मिला वीजा

रिपोर्ट के मुताबिक, अलावी ने बताया है कि फीफा ने इस मामले को गंभीरता से लेने का वादा किया है। वीजा देने से इनकार करने के बाद फेडरेशन के अध्यक्ष समेत कई खास लोगों पर इसका असर पड़ा है। हालांकि, पुरुषों की नेशनल टीम के हेड कोच आमिर घालेनोई समेत चार सदस्यों को वीजा मिल गया है। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से होगी। फुटबॉल का यह महाकुंभ 19 जुलाई तक खेला जाएगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं। इन टीमों को चार-चार के 12 ग्रुप में बांटा जाएगा। इसे यूनाइटेड स्टेट्स, कनाडा और मेक्सिको मिलकर होस्ट करेंगे। ऐसा पहली बार है जब यह टूर्नामेंट तीन देशों में खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज के बाद हर ग्रुप से टॉप दो टीमें, साथ ही आठ सबसे ऊंची रैंक वाली तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें, एक बड़े नॉकआउट फेज में जाएंगी, जिससे पिछले एडिशन की तुलना में एक बड़ा और ज्यादा कॉम्पिटिटिव एलिमिनेशन ब्रैकेट बनेगा।

विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति ने जीता गोल्ड, नटराज का पूल में दबदबा

नई दिल्ली। शिवाजी यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहीं विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) के पांचवें दिन कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। पूल में ओलंपियन श्रीहरि नटराज और भव्या सचदेवा ने बेंगलुरु की जैन

यूनिवर्सिटी को दबदबा बनाए रखने में मदद की, जिससे तैराकी स्पर्धा अभियान 27 स्वर्ण पदक के साथ खत्म हुआ। यूनिवर्सिटी ने तैराकी की नौ स्पर्धाओं में आखिरी दिन सात स्वर्ण पदक जीते। जैन यूनिवर्सिटी 45 पदक (27 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी 22 स्वर्ण के साथ दूसरे और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 21 स्वर्ण पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। उन्नीस साल की अदिति ने जिन भी खेलो इंडिया युवा खेलों में हिस्सा लिया है, उन सभी में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर केआईएसजी में शानदार शुरुआत की। नटराज पूल में आखिरी दिन के स्टार रहे। उन्होंने 100 मी फ्रीस्टाइल में 52.30 सेकेंड के समय के साथ और 50 मी बैकस्ट्रोक (26.53 सेकेंड) में स्वर्ण पदक जीता।

फाइनल आज भारत और बेल्जियम में होगी भिड़ंत

सुल्तान अजलन शाह हॉकी के फाइनल में भारत, कनाडा को 14-3 से हराया

एजेंसी ▶▶ तइपोह

जुगराज सिंह के चार गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कनाडा को 14-3 से हराकर पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर सुल्तान अजलन शाह कप के फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ बेल्जियम से एक गोल से हार मिली लेकिन पिछले मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ी आत्मविश्वास से ओतप्रोत थे। भारतीय टीम रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी। नीलकांत शर्मा ने मैच की शुरुआत चौथे मिनट में गोल दागकर की, जिसके बाद सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद

अच्छी फॉर्म में चल रहे राजिंदर सिंह ने 10वें मिनट में गोल कर दिया। यह रोमांचक शुरूआत रही। कनाडा ने शुरुआती गोल का जवाब पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके उसे गोल में बदलकर दिया। 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर अगले कुछ मिनटों में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने क्रमशः 12वें और 15वें मिनट में गोल कर किए, जिससे भारत की बढ़त 4-1 हो गई।

दिल्ली कैपिटल्स ने 10 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा

दीया यादव बनीं 16 की उम्र में लीग की सबसे युवा खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में 14 वर्षीय खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने अपना डेब्यू करके इतिहास रचा था। उस सीजन शतक लगाने के बाद इस खिलाड़ी ने मुड़कर नहीं देखा। अब वह इंडिया ए और इंडिया अंडर 19 का भी हिस्सा हैं।

वहीं अब उनकी तरह ही वुमेंस प्रीमियर लीग 2026 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में एक 16 वर्षीय खिलाड़ी का नाम सामने आया है। इस खिलाड़ी का नाम दीया यादव है। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 10 लाख के बेस प्राइस पर अपने साथ जोड़ा है।

कॅरियर का टर्निंग प्वॉइंट थी यह पारी

दिल्ली कैपिटल्स के दीया पर बोली लगाने के बाद शेफाली वर्मा ने इंस्टाग्राम पर उन्हें बधाई भी दी थी। दीया तीन साल से शेफाली के साथ खेलती आ रही हैं। उनका खेलना का स्टाइल भी ठीक भारतीय ओपनर की तरह है। उन्होंने अंडर 15 वुमेंस वनडे कप में त्रिपुरा के खिलाफ 125 गेंद पर 213 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस पारी के बाद दीया ने कहा भी कि इससे पहले उन्हें कोई नहीं जानता था। यह पारी उनके कॅरियर का टर्निंग प्वॉइंट थी।

शेफाली और जेमिमा के साथ खेलेंगी

गौरतलब है कि डब्ल्यूपीएल के मेगा ऑक्शन में 67 खिलाड़ियों की बोली कुल पांच टीमों ने लगाई थी। इसमें दीया का नाम भी शामिल था। वह दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बनी हैं। इस टीम में पहले से शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स जैसी विश्व विजेता भारतीय बैटर शामिल हैं। शेफाली हाल ही में वर्ल्ड कप फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच भी रही थीं। खास बात यह है कि 16 वर्षीय दीया शेफाली को अपना रोल मॉडल भी मानती हैं। वह हरियाणा के लिए शेफाली के साथ खेल भी चुकी हैं।

हरियाणा के लिए दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर

इस साल आयोजित हुई सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में शेफाली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थीं। जबकि दीया हरियाणा के लिए दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर थीं। उन्होंने 6 पारियों में 298 रन बनाए थे। दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ सुनील गुप्ता ने बताया कि उनकी नजरें दीया के ऊपर अंडर 15 सर्किट के समय से थीं। उनकी शॉट खेलने की रेंज और बॉल को स्ट्राइक करने की एबिलिटी से दिल्ली की फ्रेंचाइजी काफी प्रभावित थी।

जेल में बंद भाई को जमानत न देने पर दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका निरस्त

क्रिमिनल केस में कस्टडी को नहीं माना जा सकता गैर-कानूनी

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक आदेश में साफ किया कि क्रिमिनल केस में आरोपित की कस्टडी को अवैध नहीं माना जा सकता है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा, जस्टिस संदीप एन भट्ट व जस्टिस विनय सराफ की तीन सदस्यीय लार्जर बेंच ने जेल में बंद भाई को जमानत न देने पर दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका निरस्त कर दी। सीहोर निवासी राम निवास की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया था कि उसका भाई आकाश दुष्कर्म के अपराध में न्यायिक कस्टडी में है। जिला न्यायालय ने उसका जमातन आवेदन निरस्त कर दिया था। जिसके बाद जमानत के लिए हाई कोर्ट में तीन बार आवेदन दायर किया गया था। तीनों बार जमानत न मिलने की स्थिति में आवेदन को वापस ले लिया गया था। भाई को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है। जो भारत के संविधान के आर्टिकल 21 और 22 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। गिरफ्तार करने से पहले प्रोसीजर फालो नहीं किया गया था। उसके अधिकारों के संबंध में बिना जानकारी दिए ही न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। उसे कानूनी बचाव व केस असरदार तरीके से पेश करने का कानूनी अधिकार है। जमानत न देने से यह अधिकार कमजोर होता है।

युवती के मामले का हवाला

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया था कि भोपाल निवासी एक युवती ने पिता को जमानत न दिए जाने के कारण हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। जिसकी सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता के पिता को जमानत का लाभ प्रदान किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया था हाईकोर्ट का आदेश

हाईकोर्ट की लार्जर बेंच ने सुनवाई के दौरान पाया कि भोपाल के उक्त मामले में याचिकाकर्ता के पिता फर्जीवाड़ा करने वाली कंपनी के डायरेक्टर नहीं महज कर्मचारी थे। उक्त आदेश के खिलाफ प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दायर की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि आरोपी के खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस में उसकी कस्टडी को गैर-कानूनी नहीं माना जा सकता। हाई कोर्ट के आदेश को मिसाल के रूप में उपयोग न किया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने उस आदेश को निरस्त कर दिया था। तीन सदस्यीय पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका निरस्त कर दी। आदेश की प्रति हाईकोर्ट के सभी न्यायाधीशों को भेजने की व्यवस्था दी।

कटनी के भाजपा नेता नीलू रजक हत्याकांड में आरोपी के भाई ने मकान गिराने की कार्रवाई को दी है चुनौती

हाईकोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर सिर्फ 15 दिन की रोक लगाई

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कटनी में भाजपा नेता नीलू रजक की गोली मारकर हत्या के आरोपी अकरम खान का मकान गिराने पर 15 दिन की रोक लगा दी है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता चाहे तो डिवीजन बेंच में अपील के लिए स्वतंत्र है। सुनवाई में कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता के पास मकान के वैध दस्तावेज नहीं है।

हत्या के आरोपी अकरम खान के भाई इमरान खान ने मकान तोड़ने को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।याचिकाकर्ता मोहम्मद इमरान खान की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उसके भाई अकरम खान और नेल्सन जोसेफ को नीलू रजक की 28 अक्टूबर को गोली मारकर हत्या के आरोप में कटनी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कैमोर नगर परिषद ने मकान को गिराने के लिए नोटिस जारी किया है जिसे कोर्ट में चुनौती दी गई। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह और पैनल अधिवक्ता आकाश मालपाणी ने पक्ष रखते हुए बताया कि यह याचिकाकर्ता के पास मालिकाना हक और निर्माण की अनुमति से संबंधित दस्तावेज नहीं है। मकान मोहम्मद इमरान खान की मां के नाम पर जरूर है, लेकिन उनके पास सिर्फ एग्रीमेंट के दस्तावेज है, ऐसे में उनके विरुद्ध की जा रही कार्रवाई सही है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास कोई दस्तावेज न होने पर उसे राहत नहीं दी जा सकती। हालांकि बुलडोजर एक्शन से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के मद्देनजर याचिकाकर्ता के विरुद्ध कार्यवाही पर 15 दिन के लिए रोक लगा दी गई है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 15 दिन में यदि कोई कानूनी बाधा न हो तो प्रशासन नोटिस के मुताबिक कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र होगा।

कर चोरी में लिप्त वाहन जब्त, 15.34 लाख रुपए का बकाया उजागर

जबलपुर संभागीय परिवहन उड़नदस्ता की बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्यप्रदेश में आरटीओ चेकपोस्ट बंद किए जाने के बाद परिवहन कर चोरी एवं अवैध वाहनों के संचालन की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए जबलपुर संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत नेशनल हाईवे, इंटर-डिस्ट्रिक्ट मार्ग, औद्योगिक क्षेत्रों और शहर की सीमाओं पर वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान उड़नदस्ता टीम ने तीन ट्रेलरों में लोड तीन हाइवा वाहनों को पकड़ा, जो पिछले लगभग तीन वर्षों से बिना मोटरयान कर जमा किए मध्यप्रदेश में अवैध रूप से संचालित हो रहे थे। इन वाहनों पर मोटरयान कर एवं शास्ति मिलाकर कुल 15,34,500 रुपए का बकाया पाया गया। माननीय न्यायालय के निर्देशानुसार तीनों हाइवा वाहनों को ट्रेलरों से उतरवाकर सुरक्षा की दृष्टि से आरटीओ परिसर में खड़ा कराया गया।

इन वाहनों में बकाया पाया गया कर- ट्रेलर क्रमांक RJ 32 GB 4896 में लोड हाइवा वाहन GJ 12 BX 5045, ट्रेलर क्रमांक RJ 27 GD 3985 में लोड हाइवा वाहन GJ 12 BX 5360, ट्रेलर क्रमांक GJ 25 U 2991 में लोड हाइवा वाहन GJ 12 BX 5315।

उड़नदस्ता प्रभारी राजेन्द्र साहू ने बताया कि चेकपोस्ट हटने के बाद भी विभाग कर चोरी की संभावनाओं पर कड़ी निगरानी रख रहा है। मोबाइल फ्लाइंग स्क्वॉड द्वारा लगातार जांच की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की कर चोरी, अवैध परिवहन या नियम उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने वाहन मालिकों एवं परिवहन संचालकों से अपील की कि वे सभी दस्तावेज अद्यतन रखें और निर्धारित समय पर कर जमा करें। नियमों के उल्लंघन पर मोटरयान अधिनियम 1988 तथा मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम 1991 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में राजेन्द्र साहू के साथ परिवहन आरक्षक आशुतोष मोघे, पीयूष मरावी, वंदना परतेती, उमाशंकर उपाध्याय एवं होमगार्ड के जवान शामिल रहे।

31 दिसंबर तक सभी अनुकंपा नियुक्ति प्रकरण होंगे निराकृत

निगम के दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को बड़ी राहत

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने नगर निगम के दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को राहत प्रदान करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निगमायुक्त ने शनिवार को स्थापना विभाग की विस्तृत समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 दिसंबर तक सभी लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों का अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता मिल सके। महापौर अन्नू पहले भी कर्मचारियों और अधिकारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनुकंपा नियुक्ति, क्रमोन्नति और पदोन्नति जैसे महत्वपूर्ण निर्णय ले चुके हैं। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए निगमायुक्त अहिरवार ने प्रशासनिक संवेदनशीलता को प्राथमिकता देते हुए लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए हैं। समीक्षा बैठक में निगमायुक्त अहिरवार ने लंबित विभागीय जांचों पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा कि इन मामलों में अनावश्यक विलंब प्रशासनिक कार्यप्रणाली को बाधित करता है और संबंधित कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जांच प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत किया जाए।

हाईकोर्ट ने संभागायुक्त शहडोल, कलेक्टर अनूपपुर, नगर परिषद के सीएमओ व अध्यक्ष सहित अन्य को नोटिस जारी किया

नगर परिषद जैतहरी द्वारा जनहित के कार्यों में करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर आरोप लगाया गया कि नगर परिषद जैतहरी द्वारा जनहित के कार्यों में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया है। लगातार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। मामले पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने संभागायुक्त शहडोल, कलेक्टर अनूपपुर, ज्वाइंट डायरेक्टर नगरीय प्रशासन, नगर परिषद के सीएमओ भूपेंद्र सिंह व अध्यक्ष उमंग अग्रवाल सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अनूपपुर निवासी जय प्रकाश अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता केके पांडे, कौशलेश पांडे व सिद्धार्थ पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि नगर परिषद के सीएमओ, अध्यक्ष की मिलीभगत से घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है। एक माह में नई सड़कें उधड़ गई। नाली व अन्य निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है। सामग्री के दाम कई गुना बताकर लाखों के बिल में हेराफेरी की जा रही है। याचिका के साथ स्थानीय अखबारों की उन खबरों की कटिंग भी पेश की गई है, जिनमें नगर परिषद के भ्रष्टाचार को उजागर किया गया है। जैतहरी में बने तालाब में गंदे नाली का पानी मिल रहा है।

सीबीआई अफसर बनकर मानव तस्करी में फंसाने की दी धमकी

सीनियर सिटिजन 76 लाख की सायबर ठगी का शिकार

हरिभूमि जबलपुर।

साइबर ठगों ने एक बार फिर फर्जी अफसर बनकर बड़ी ठगी को अंजाम दिया है। संजीवनी नगर निवासी 72 वर्षीय अनिल कुमार नन्हौरया को फोन पर स्वयं को आईपीएस अधिकारी विजय कुमार और सीबीआई अधिकारी कीर्ति सान्याल बताने वाले जालसाजों ने मानव तस्करी (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) केस में फँसाने की धमकी देकर 76 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर क्राइम ब्रांच थाना पुलिस ने दोनों कथित अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार 22 नवंबर को पीड़ित अनिल कुमार को मोबाइल नंबर 8790928235 से कॉल आया। कॉलर ने स्वयं को डिपार्टमेंट एंड टेलीकॉम का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके नाम पर जारी एक सिम से लोगों को धमकाया जा रहा है और दिल्ली में मामला दर्ज हुआ है। इसके बाद उन्हें एक दूसरे नंबर 9573352514 पर बात करने को कहा गया। इस नंबर पर खुद को IPS विजय कुमार बताने वाले व्यक्ति ने वीडियो कॉल कर केस की कथित जानकारी व्हाट्सऐप पर भेजी और कहा कि उन्हें दिल्ली में स्टेटमेंट दर्ज कराना होगा।कुछ देर बाद उसी उसी कथित आईपीएस अधिकारी ने बताया कि वे सदाकत खान ह्यूमन ट्रैफिकिंग केस में संदिग्ध हैं तथा आरोपी के पास उनके नाम का एटीएम मिला है।

सीक्रेट मिशन है, किसी को बताओगे तो जेल

ठगों ने पीड़ित को डराते हुए कहा कि यह एक अत्यंत गोपनीय मिशन है। किसी को भी इसकी जानकारी देने पर 3 साल की सजा और 5 लाख रुपये का जुर्माना लग सकता है। भय के कारण वरिष्ठ नागरिक किसी से बात नहीं कर सके। उन्हें हर 3 घंटे में अपनी लोकेशन और गतिविधि व्हाट्सऐप पर भेजने के निर्देश दिए गए। वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी वारंट का फर्जी दस्तावेज दिखाकर तुरंत प्रायोरिटी इन्वेस्टिगेशन कराने का दबाव बनाया गया। इसके लिए उन्हें कथित सीबीआई अधिकारी कीर्ति सान्याल से बात कराई गई।

सुप्रीम कोर्ट का अकाउंट, तुरंत जमा कराओ पैसे

जालसाजों ने पीड़ित से कहा कि जांच के लिए उनके सभी बैंक डिपॉजिट यहां तक कि फिक्स्ड डिपॉजिट भी तुरंत तोड़कर "सुप्रीम कोर्ट के खाते" में जमा करने होंगे, जिन्हें वेरिफिकेशन के बाद वापस कर दिया जाएगा। ठगे गए अनिल कुमार ने विश्वास में आकर अपना एफडी समय पूर्व तुड़वाया और सारी राशि एसबीआई की कमला नेहरू नगर शाखा के अपने खाते में जमा की। इसके बाद धोखाधड़ी से 76 लाख रुपये एक अज्ञात खाते में ट्रांसफर करा लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर क्राइम ब्रांच थाना ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) आईटी एक्ट की धारा 66(डी) के तहत अपराध दर्ज कर फर्जी आईपीएस विजय कुमार और फर्जी सीबीआई अधिकारी कीर्ति सान्याल के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

दीनदयाल चौक पर बस ने अज्ञात व्यक्ति को रौंदा, मौत

जबलपुर। विजय नगर थाना अंतर्गत दीन दयाल चौक के पास कल देर रात 12 बजे के लगभग एक अज्ञात बस की टक्कर से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। बताया गया है की बस का चका उसके उपर से निकल गया। जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। घटना के संबंध में विजय नगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात 12 बजे दीन दयाल चौक के पास सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया की एक बस अज्ञात व्यक्ति को रौंदते हुये निकल गई। घटना के बाद बस चालक मौके से तेजी से भाग गया। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र 45 वर्ष के आसपास बताई गई है। रिपोर्ट पर धारा 281, 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

इमलिया रेलवे फाटक आज से 7 दिसंबर तक रहेगा बंद

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर मंडल के स्लीमनाबाद–डुंडी सेक्शन में स्थित समपार फाटक क्रमांक 343 इमलिया फाटक पर रेल पथ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डीप स्क्रीनिंग और ऑवरहॉलिंग कार्य किया जाएगा। कार्य के दौरान फाटक को सात दिनों तक पूरी तरह बंद रखा जाएगा। रेलवे के अनुसार यह फाटक 30 नवंबर 2025 की सुबह 7:00 बजे से 7 दिसंबर 2025 की रात 8:00 बजे तक सड़क यातायात के लिए पूर्ण रूप से बंद रहेगा। यह कार्य सहायक मंडल अभियंता, कटनी उपमंडल के कार्यक्षेत्र में बीसीएम मशीन द्वारा किया जाएगा। फाटक बंद रहने की अवधि में नागरिकों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने दो वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं।

जांच आगे बढ़ी तो लपेटे में आए 2 दर्जन आरक्षक

एसएएफ छठवीं बटालियन के यात्रा भत्ता घोटाले में नया मोड़

हरिभूमि जबलपुर।

रांझी स्थित एसएएफ की छठवीं बटालियन में यात्रा भत्ता घोटाले में ज्यों ज्यों जांच आगे बढ़ रही है, त्यों त्यों उसकी परतें खुलती जा रही हैं। लगभग 2 करोड़ रुपये के इस घोटाले में पहले 10 से 12 लोगों के नाम सामने आए थे। अब जब जांच के बिंदू आगे बढ़ाए गये तो 20 से 25 आरक्षक और प्रधान आरक्षकों के नाम भी सामने आ गये। जांच में आए तथ्यों में खास बात यह है की इन आरक्षकों को नौकरी करते ज्यादा समय नहीं हुआ लेकिन इनके बैंक खातों में लाखों रुपये जमा है।

एक आरक्षक अभिषेक झारिया के खाते में तो 55 लाख रुपये का भुगतान हो गया। यहां गौरतलब है की अभिषेक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। यह मामला उस समय उजागर हुआ जब स्टेट फायनेंस इंटेलीजेंस सेल की नजर उसके खाते पर पड़ी। फिर इन आरक्षकों के खातों की बारीकी से जांच की गई। इनमें से कुछ आरक्षक ऐसे भी शामिल हैं जिनका दूसरा जिलों में तबादला हो चुका है, इन्हें अब नोटिस देकर बुलाया जा रहा है।

6 सदस्यीय टीम गठित

इस मामले में जबलपुर कलेक्टर के पास भी एक पत्र कोष लेखा विभाग से पहुंचा है। इसके बाद जिला पंचायत सीईओ के नेतृत्व में 6 सदस्यीय टीम गठित की गई है। टीम को जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। गौरतलब है कि एसएएफ में जब किसी आरक्षक की भर्ती होती है तो उसका वेतन 25 हजार रुपए प्रतिमाह होता है तो पांच साल की नौकरी में बढ़कर 30 हजार रुपए तक पहुंचता है। लेकिन जांच में पता चला कि इन आरक्षकों के खाते में सैलरी से 200 गुंना अधिक राशि जमा हुई है। 12 आरक्षकों के खाते में 10 लाख से अधिक की राशि तो केवल टीए बिल से भुगतान की गई है। स्टेट फाइनेंस इंटेलिजेंस सेल की जांच में पता चला है कि 6वीं बटालियन एसएएफ रांझी जबलपुर में यात्रा भत्ता देयक, चिकित्सा भत्ता देयक और एफवीसी देयकों से कर्मचारियों को अत्यधिक राशि का भुगतान किया गया है। मामले में एसएएफ के कमांडेंट सिद्धार्थ चौधरी ने 3 सदस्यीय जांच समिति बनाई है। इस टीम ने 20 से ज्यादा आरोपियों के बयान लिए हैं।

एक आरक्षक, 582 यात्रा देयकों में 55 लाख रुपए का भुगतान

सूत्रों का कहना है की जांच में सामने आया कि अभिषेक झारिया को लगभग 55 लाख रुपए का भुगतान 582 यात्रा भत्ता देयकों के माध्यम में किया गया। यह भुगतान 2018-19 से अब तक की अवधि में हुआ है। जबकि अब तक अभिषेक को वेतन और एरियर से 26 लाख रुपए का भुगतान हुआ है। यानी टीए भत्ते से मिले रुपए वेतन की तुलना में लगभग 210 प्रतिशत अधिक हैं। इसी प्रकार नीतेश कुमार पटेल को वेतन भत्तों में इसी अवधि में 102 वेतन एवं वेतन एरियर देयकों में 24।67 लाख दिए गए। जबकि यात्रा भत्तों में 335 देयकों से 30।51 लाख का भुगतान हुआ है। इस प्रकार उसे भी वेतन से अधिक भुगतान यात्रा भत्तों में किया गया है।

बाबू लालच देकर ट्रांसफर कराता था रुपया

जांच में यह भी सामने आया है कि एसएएफ का बाबू सत्यम शर्मा 50 प्रतिशत से अधिक का लालच देकर अभिषेक के खाते में रुपए ट्रांसफर करवाता था। यह भी पता चला है कि जांच के घेरे से बचने के लिए सत्यम खाते में राशि न लेकर कैश लेता था। जांच के समय सत्यम के खाते में करीब 2 लाख 60 हजार रुपए मिले हैं।

20 आरक्षकों के खाते फ्रीज

जिला कोषालय अधिकारी विनायिका लकरा का कहना है कि कलेक्टर के निर्देश पर बनाई गई टीम ने जांच करना शुरू कर दिया है। 20 से अधिक आरक्षक संदेह के घेरे में हैं। उनके खाते फ्रीज कर दिए गए हैं।

अभिषेक का न सिर मिला, न मोबाईल

इस मामले में जिस आरक्षक अभिषेक झारिया के खाते में 55 लाख रुपये आने की बात कही जा रही है। उसकी संदिग्ध मौत भी रहस्यम बनी हुई है। गाडरवाड़ा के समीप ट्रेन से कटकर मौत होने की बात कही जा रही है। कोई इसे आत्म हत्या बता रहा है तो वहीं परिजन इतने बड़ घोटाले की अहम कड़ी अभिषेक झारिया की सुनियोजित तरीके से हत्या किये जाने की भी आशंका बताइ जा रही है। अभी तक अभीषेक झारिया का सिर और मोबाईल दोनों नहीं मिले हैं। सूत्रों का कहना है की अभिषेक की लड़की ने घटना दिनांक को अपने पापा को फोन लगाया था। उसने जवाब दिया था की आज लेट आएंगे। एक घंटे बाद जब फोन लगाया गया तो किसी अन्य ने फोन उठाया और जवाब दिया की अभी सो रहे हैं। दूसरे दिन फिर फोन लगाया तब भी यही जवाब मिला। इससे संदेह और गहरा रहा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240